हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● रविवार ● 08.06.2025 ● वर्ष : 15 ● अंक : 314 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का देवघर दौरा स्थगित

रांची : राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू का 10 और 11 जून को प्रस्तावित देवघर दौरा स्थगित कर दिया गया है। राष्ट्रपति भवन ने एम्स प्रबंधन और जिला प्रशासन को इसकी सूचना भेजी है। राष्ट्रपति का कार्यक्रम स्थगित होने से अब देवघर एम्स में एमबीबीएस के पहले दीक्षांत समारोह की भी नई तिथि की घोषणा होगी। राष्ट्रपति भवन से शुक्रवार देरशाम एम्स निदेशक डॉ. सौरभ वार्ष्णेय को इस आशय की सूचना दी गई। वह मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को दीक्षांत समारोह में शामिल होने का आमंत्रण देकर रांची से देवघर लौट रहे थे। डॉ. वार्ष्णेय ने बताया कि राष्ट्रपति का विशाखापत्तनम का कार्यक्रम भी स्थगित कर दिया गया है।

मुकेश अंबानी ने आईसीटी को दिया 151 करोड़ रुपये दान

मुंबई : रिलायंस इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष मुकेश अंबानी ने इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आई सी टी) मुंबई को 151 करोड़ रुपये दान देने की घोषणा की है। उन्होंने इसी संस्थान से पढ़ाई की थी। श्री अंबानी ने प्रोफेसर एमएम शर्मा की जीवनी 'डिवाइन साइंटिस्ट' के विमोचन समारोह को संबोधित करते हुए संस्?थान को दान देने की घोषणा की। श्री अंबानी ने कहा, जब प्रोफेसर शर्मा हमसे कुछ कहते हैं, तो हम केवल सुनते हैं और उस पर अमल करते हैं। जब उन्होंने मुझसे कहा मुकेश, तुम्हें आई सी टी के लिए कुछ बड़ा करना है, तब मैंने151 करोड़ दान देने का निर्णय लिया। मुझे यह घोषणा करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है। उन्होंने भारत का रासायनिक उद्योग को अब वैश्विक शक्ति बनने का हवाला देते हुए कहा कि भारत का रासायनिक उद्योग अब वैश्विक शक्ति बन गया है। उन्होंने कहा ?हमें भारत को एक डीप-टेक राष्ट्र और एआई और अन्य सफल तकनीकों का उपयोग करके उन्नत विनिर्माण में विश्व नेता बनाना चाहिए। हमारे विश्वविद्यालयों, उच्च शिक्षा संस्थानों और अनुसंधान प्रयोगशालाओं को कल की तकनीकों के उत्पादन पर विशेष ध्यान देना चाहिए।

बीजापुर में पांच और नक्सली ढेर अब तक सात के शव बरामद

एजेंसी

बीजापुर : छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले के नेशनल पार्क क्षेत्र के जंगल में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ लगातार तीसरे दिन भी जारी है। नक्सल विरोधी अभियान में जुटे सुरक्षाबलों ने शनिवार को पांच और नक्सलियों को ढेर कर दिया गया, वहीं उनके शव की बरमदगी के साथ ऑटोमैटिक हथियार और गोला बारूद भी बरामद किए गए हैं। अब तक इस अभियान में दो शीर्ष नक्सली कैडर गौतम उर्फ सुधाकर और भास्कर उर्फ माइलारापु अडेल्लु सहित कुल सात नक्सली मारे जा चुके हैं।

बस्तर आईजी सुंदरराज पी. ने इसकी पुष्टि करते हुए बताया कि बीजापुर जिले के नेशनल पार्क के जंगल में चल रहे नक्सल विरोधी अभियानों के दौरान अब तक 5, 6 और 7 जून को हुई विभिन्न मुठभेड़ों के बाद कुल सात नक्सलियों के शव बरामद किए गए हैं। जिनमें सेंट्रल कमेटी सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर और तेलंगाना राज्य कमेटी सदस्य भास्कर के शव भी शामिल हैं। हथियारों और अन्य सामग्रियों की बरामदगी से संबंधित समेकित सूचना प्राप्त होते ही, उसका एक विस्तृत अपडेट साझा किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि बीजापुर के नेशनल पार्क इलाके में सुरक्षाबलों को नक्सल विरोधी अभियान में 5 जून को एक करोड़ के इनामी केंद्रीय समिति सदस्य गौतम उर्फ सुधाकर एवं 6 जून को 45 लाख के इनामी भास्कर को मार गिराया था। इसके अलावा सात जून को 5 अन्य नक्सली भी इस कार्रवाई में ढेर किए गए हैं। सुरक्षा बलों द्वारा बरामद पांच अज्ञात नक्सली शवों की पहचान स्थापित करने का प्रयास जारी है। मौके से शव के साथ दो एके-47 राइफल सहित अन्य विस्फोटक, हथियार और गोला बारूद बरामद किए गए हैं। वहीं अभियान के दौरान कुछ सुरक्षाबल के जवानों को सर्पदंश, मधुमक्खी के डंक, डिहाइड्रेशन और अन्य अभियान संबंधी कारणों से चोटें आई हैं । उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय उपचार प्रदान किया जा रहा है। फिलहाल सभी की स्थिति सामान्य है और वे खतरे से बाहर हैं। आस-पास के जंगल क्षेत्रों में सर्च अभियान जारी हैं, ताकि शेष अन्य नक्सली कैडरों की खोज की जा सके।

मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित : शाह

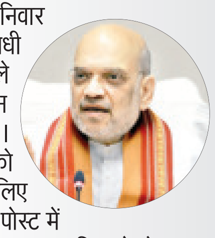

नयी दिल्ली : केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को नई दिल्ली में हाल के नक्सल विरोधी अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से मुलाकात की और उन्हें इन अभियानों की सफलता के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार भारत को नक्सलवाद के दंश से मुक्त करने के लिए संकल्पित है। केंद्रीय गृह मंत्री ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, हाल ही में नक्सलवाद के विरुद्ध चलाए गए अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भेंट कर इन ऑपरेशंस की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। इन अभियानों को अपनी बहादुरी से सफल बनाने वाले जवानों से भी मिलने के लिए उत्सुक हूं और जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर उनसे भेंट करूंगा। मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित है। उल्लेखनीय है कि केंद्रीय गृह मंत्री के निर्देशन में सुरक्षा बल छत्तीसगढ़ में माओवादी विरोधी अभियानों का संचालन कर रहे हैं। इसके तहत, छत्तीसगढ़ पुलिस (नारायणपुर, दंतेवाड़ा, कोंडागांव और बीजापुर जिलों की डीआरजी इकाइयों सहित) द्वारा 18 से 21 मई तक अबूझमाड़ के अंदरूनी इलाकों में ऑपरेशन चलाया गया। 21 मई को बोटेर गांव के जंगलों में मुठभेड़ में भाकपा (माओवादी) के महासचिव और पोलित ब्यूरो सदस्य बसवाराजू उर्फ गगन्ना सहित 27 नक्सली मारे गये, साथ ही भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया।

रांची में शांतिपूर्ण तरीके से अदा की गई ईद-उल-अजहा की नमाज

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राजधानी के शहरी और ग्रामीण दोनों इलाकों में ईद-उल-अजहा (बकरीद) का पर्व पूरे हर्ष और उल्लास के साथ मनाया जा रहा है। रांची में भी शनिवार को बकरीद का पर्व शांतिपूर्ण माहौल और कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच मनाया गया। इस दौरान रांची के हरमू रोड सहित अन्य ईदगाहों में हजारों की संख्या में लोगों ने सामूहिक रूप से ईद-उल-अजहा की नमाज अता की। शहर की विभिन्न मस्जिदों, मदरसों, मकतबों और ईदगाहों में सुबह से ही नमाज अदा करने वालों की भीड़ रही।

इस मौके पर कोतवाली डीएसपी प्रकाश सोए, एडीएम (लॉ एंड ऑर्डर) सहित कई पुलिस पदाधिकारी सुरक्षा के मद्देनजर मौके पर मौजूद रहे। सुरक्षा के मद्देनजर चौक-चौराहों और संवेदनशील इलाकों में भारी संख्या में सुरक्षाबलों की तैनाती की गयी थी।

भारत में 11 साल में 269 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी से निकले बाहर : विश्व बैंक

नयी दिल्ली : विश्व बैंक की नई रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने 11 वर्षों में अत्यधिक गरीबी को कम करने में जबरदस्त प्रगति की है। 2011-12 में देश की अत्यधिक गरीबी दर 27.1 फीसदी थी, जो 2022-23 में घटकर सिर्फ 5.3 फीसदी रह गई है। इसका मतलब है कि इस दौरान लगभग 269 मिलियन (26.9 करोड़) भारतीय गरीबी से बाहर निकल पाएं हैं। 2011-12 में देश में 344.47 मिलियन (34.4 करोड़) लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जबकि 2022-23 तक यह संख्या घटकर 75.24 मिलियन (7.5 करोड़) हो गई। गौरतलब है कि गरीबी रेखा का आकलन 3.00 डॉलर प्रतिदिन (2021 की कीमतों पर) के अंतरराष्ट्रीय मानक के अनुसार किया गया है। इस बदलाव में उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश की बड़ी भूमिका रही है। 2011-12 में इन पांच राज्यों में देश के 65 फीसदी अत्यधिक गरीब रहते थे। अब इन राज्यों ने गरीबी में कमी के दो-तिहाई हिस्से में योगदान दिया है।

विधानसभा सचिवालय से पूर्व विधायकों को नोटिस जारी, फ्लैट खाली करने का दिया निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विधानसभा सचिवालय ने शनिवार को बड़ा कदम उठाते हुए 11 पूर्व विधायकों को नोटिस जारी किया है। नोटिस के जरिये उन्हें अपने-अपने फ्लैट खाली करने का निर्देश दिया गया है। ये फ्लैट्स विधानसभा के विधायक आवास परिसर में स्थित हैं।

विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी नोटिस में कहा गया है कि विधायक आवास के कमरों एवं स्टोर रूम को पत्र प्राप्ति के एक सप्ताह के अन्दर खाली कर दें, नहीं तो नियमानुसार, अग्रेतर कार्रवाई विधानसभा सचिवालय की ओर की जाएगी। जिन कमरों को लेकर नोटिस जारी किया गया है, उनमें कमरा नंबर 48, 123, 124, 125, 126, 127, 137, 207, 208, 209 और 210 शामिल हैं। इन कमरों के अलावा पूर्व विधानसभा सदस्यों से संबंधित बाहरी व्यक्तियों को भी सूचित किया गया है कि वे उन कमरों और स्टोर रूम को खाली कर दें, जिनपर अनाधिकृत रूप से अवैध कब्जा किया गया है। विधानसभा सचिवालय ने यह कार्रवाई अवैध कब्जे को लेकर की है। आरोप है कि पूर्व विधायकों के परिजन इन फ्लैट्स में काफी लंबे समय से रह रहे थे, जिसे विधानसभा सचिवालय ने गंभीरता से लिया है।

ब्रिक्स संसदीय फोरम का हुआ समापन, लोकसभा अध्यक्ष ने कहा- आतंकवाद और एआई पर मिलकर करना होगा काम

एजेंसी

नयी दिल्ली : 11वें ब्रिक्स संसदीय फोरम के समापन के बाद लोकसभा अध्यक्ष ने अपने वक्तव्य में इस आयोजन की सफलता और सार्थकता पर संतोष व्यक्त किया। उन्होंने शिखर सम्मेलन की मेजबानी करने वाले देश की संसद, सरकार और जनता के प्रति आभार प्रकट किया। इस दौरान ब्रिक्स देशों के संसदों के बीच सहयोग बढ़ाने, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जिम्मेदार उपयोग, और आर्थिक मामलों पर मिलकर काम करने के मुद्दों पर गहन चर्चा हुई। सम्मेलन के अंत में एक संयुक्त संकल्प भी पारित किया गया, जिसमें आतंकवाद के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने की प्रतिबद्धता दोहराई गई।

संकल्प में सभी ब्रिक्स देशों ने 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुई आतंकवादी घटना की कड़ी निंदा की और आतंकवाद के खिलाफ 'जीरो टॉलरेंस' की नीति अपनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। लोकसभा अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उस आह्वान की भी याद दिलाई, जिसमें उन्होंने वैश्विक स्तर पर आतंकवाद के प्रति सख्त रुख अपनाने की बात कही थी। सम्मेलन में यह भी स्वीकार किया गया कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का उपयोग आधुनिक समय की जरूरत है, लेकिन इसके इस्तेमाल में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करना भी उतना ही जरूरी है। ब्रिक्स देशों ने इस विषय पर मिलकर काम करने की सहमति दी। इस बीच आर्थिक समावेशन, व्यापार विस्तार और आपसी आर्थिक सहयोग जैसे विषयों पर भी विस्तार से चर्चा की गई। भारत ने सम्मेलन में विधि के शासन, वैश्विक सहयोग और संवाद को हमेशा प्राथमिकता देने की बात दोहराई।

लोकसभा अध्यक्ष ने जानकारी दी कि अगला ब्रिक्स शिखर सम्मेलन भारत में होगा और भारत उसकी सफल और सार्थक मेजबानी सुनिश्चित करेगा। उन्होंने कहा कि भारत अगले सम्मेलन का एजेंडा तैयार करेगा जिसमें एआई, व्यापार, समाज और आर्थिक मुद्दों पर गहन संवाद शामिल होगा। अपने समापन वक्तव्य में लोकसभा अध्यक्ष ने सभी ब्रिक्स देशों की संसदों के स्पीकर्स और प्रेसिडेंट्स को शुभकामनाएं दीं और कहा कि संसदीय संवाद, अनुभवों और सर्वोत्तम प्रथाओं के आदान-प्रदान ररक्षाके जरिए हम नागरिकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

आपदाओं से निपटने को वैश्विक डिजिटल संग्रह पूरे विश्व के लिए लाभकारी : प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी

नयी दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आपदाओं से निपटने और विकास में लचीलेपन की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि आपदाओं से उबरने के लिए सीख और सर्वोत्तम तरीकों का एक वैश्विक डिजिटल संग्रह पूरे विश्व के लिए लाभकारी होगा। उन्होंने ऐसे अवसंरचना के निर्माण का आह्वान किया, जो समय और ज्वार के विरुद्ध अडिग रहे।

प्रधानमंत्री ने फ्रांस में आयोजित आपदा रोधी अवसंरचना पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन (आईसीडीआरआई) 2025 को दूसरे और अंतिम दिन वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में विश्व के लिए एक मजबूत और आपदा प्रतिरोधी भविष्य के निर्माण के लिए वैश्विक प्रयासों का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि आपदाओं के प्रभावों को कम करने और विकास को सुनिश्चित करने के लिए वैश्विक सहयोग और साझेदारी की आवश्यकता है। आपदा प्रतिरोधी भविष्य के निर्माण के लिए हमें आपदाओं के प्रभावों को कम करने और विकास को सुनिश्चित करने के लिए मिलकर काम करना होगा। वैश्विक डिजिटल संग्रह आपदाओं से निपटने और विकास में लचीलेपन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

उन्होंने सम्मेलन की थीम 'तटीय क्षेत्रों के लिए लचीले भविष्य को आकार देना' का उल्लेख कर कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के कारण तटीय क्षेत्र और द्वीप बहुत जोखिम में हैं। मोदी ने हाल के दिनों में भारत और बांग्लादेश में चक्रवात रेमल, कैरिबियन में तूफान बेरिल, दक्षिण-पूर्व एशिया में टाइफून यागी, संयुक्त राज्य अमेरिका में तूफान हेलेन, फिलीपींस में तूफान उसागी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में चक्रवात चिडो का उदाहरण दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ऐसी आपदाओं ने जान-माल को नुकसान पहुंचाया।

प्रधानमंत्री ने भारत में 1999 के सुपर-साइक्लोन और 2004 की सुनामी सहित विनाशकारी आपदाओं के दर्द को याद करते हुए कहा कि भारत ने लचीलेपन को ध्यान में रखते हुए अनुकूलन और पुनर्निर्माण किया। संवेदनशील क्षेत्रों में चक्रवात आश्रयों का निर्माण किया गया और 29 देशों के लिए सुनामी चेतावनी प्रणाली बनाने में भी मदद की।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन 25 छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के साथ काम कर रहा है। आपदा रोधी घर, अस्पताल, स्कूल, ऊर्जा, जल सुरक्षा और पूर्व चेतावनी प्रणाली का निर्माण किया जा रहा है। मोदी ने प्रशांत, हिंद महासागर और कैरीबियाई क्षेत्रों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति की सराहना की और गठबंधन में अफ्रीकी संघ की भागीदारी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री ने प्रमुख वैश्विक प्राथमिकताओं की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए 5 प्रमुख विषयों को रेखांकित किया।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : एनडीए ने सीट बंटवारे का फार्मूला किया तय

एजेंसी

पटना : बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव के लिए तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। एनडीए में सीटों के बंटवारे पर चर्चा चल रही है। सूत्रों के अनुसार शुरूआती दौर की बातचीत हुई है। पटना में बातचीत हो चुकी है अब जल्द ही दिल्ली में बातचीत का अगला दौर शुरू होगा। लोक सभा चुनाव के फॉर्मूले के मुताबिक ही एनडीए के सहयोगी दलों में टिकटों का बंटवारा होने की उम्मीद है। बता दें कि लोक सभा चुनाव में बीजेपी ने 17, जेडीयू ने 16, एलजेपी ने 5 और हम और राष्ट्रीय लोक मोर्चा ने एक-एक सीट पर चुनाव लड़ा था।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की सभी पांच पार्टियां मिल कर चुनाव लड़ंगी। लोकसभा चुनाव में बीजेपी ने जेडीयू से एक सीट ज्यादा पर चुनाव लड़ा था। लेकिन विधानसभा में जेडीयू बीजेपी से एक-दो ज्यादा सीटों पर चुनाव लड़ सकती है।

सूत्रों के मुताबिक, जेडीयू 243 में से 102-103 और बीजेपी 101-102 सीटों पर चुनाव लड़ सकती है। बाकी बची करीब 40 सीटें लोक जनशक्ति पार्टी, हिंदुस्तान अवाम मोर्चा और राष्ट्रीय लोक मोर्चा को दी जाएंगी। इसमें बड़ा हिस्सा एलजेपी का होगा क्योंकि उसके पांच सांसद हैं। इस लिहाज से उसे करीब 25-28 सीटें मिल सकती हैं। जबकि हम को 6-7 और राष्ट्रीय लोक मोर्चा को 4-5 सीटें दी जा सकती हैं।

सूत्रों के हवाले से खबर है कि सहयोगी दलों में इस बात पर सहमति बन गई है कि टिकट बंटवारे में जमीनी हकीकत का ध्यान रखा जाएगा। उम्मीदवार तय करते समय दूसरे सहयोगी दलों के उम्मीदवारों की जातीय पृष्ठभूमि का भी ध्यान रखा जाएगा। जातीय समीकरणों को साधते हुए टिकट दिए जाएंगे। टिकट बंटवारे के समय यह ध्यान रखा जाएगा कि अगर एक जिले में अलग-अलग सहयोगी दलों को टिकट मिलता है तो ऐसा न हो कि एक ही जाति के कई उम्मीदवार एनडीए से उतार दिए जाएं। बल्कि कोशिश यह रहेगी कि अलग-अलग जाति के उम्मीदवार हों ताकि सबके वोट मिल सकें।

एक नजर

सरिया में एक घर से नगदी समेत ढाई लाख के जेवर की चोरी

सरिया : सरिया नगर पंचायत क्षेत्र के बड़की सरिया में शुक्रवार की देर रात एक घर में चोरों ने चोरी की घटना को अंजाम दिया.इस दौरान चोरों ने ?80000 नगद तथा 1 लाख 80 हजार रुपए के सोने चांदी के जेवर की चोरी की है। इस संबंध में भुक्त भोगी अजय साव ने सरिया थाना में एक आवेदन दिया है। बताया कि वह फल का व्यवसायी है। नित्य दिन वह फल मंडी में नगदी फल खरीदना है। उसके लिए 80000 घर में रखे थे। वहीं महिलाओं के संदूक में सोने चांदी के जेवर जिसमें नथिया, टीका, पायल बिछिया आदि था। चोरों ने नगदी समेत बक्सा तोड़कर 180000 रुपए के सोने चांदी के जेवर ले उड़े। बताया कि घर की महिलाएं एकादशी व्रत में राजदह धाम गई थी। वहीं घर के पुरुष सदस्य लगभग 10:00 बजे रात अपने-अपने कार्य से घर लौटे। बिजली नहीं थी। अत्यधिक उमस तथा गर्मी के कारण घर के लोग रात में छत पर सोए थे। इसी बीच मौका पाकर चोरों ने उनके घर में चोरी की घटना को अंजाम दिया। उक्त घटना संभवतः रात्रि 1:00 बजे से 2:00 बजे के बीच की है 3:00 बजे रात जब लोगों की नींद खुली तो देखा कि घर में कमरे का दरवाजा खुला हुआ है। बक्सा बाहर फेंका हुआ था। उसमें रखे कागज-पत्र बिखरे हुए थे। जबकि सोने चांदी के आभूषण गायब थे। तब उन्हें चोरी की घटना का आभास हुआ। घटना की सूचना सरिया थाना को दी गई।

सिल्ली-मुरी में ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई

सिल्ली : सिल्ली मुरी के आस पास ईद उल अजहा की नमाज मस्जिद में अदा की गई नमाज के बाद सभी ने अपने वतन अपने गांव की खुशहाली के लिए दुआएं मांगी सभी एक दूसरे से गले मिले उसके बाद सभी अपने-अपने घर कुर्बानी के लिए निकल पड़े। ईद उल अजहा यह जश्न का पर्व नहीं ये त्याग और अल्लाह की राह में संपन्न करना इसे हम कहते हैं ईद उल अजहा इसे बकरीद भी कहा जाता है। हर साल दुनिया में करोड़ों मुसलमान जब ईद उल अजहा मानते हैं तो वह केवल एक त्यौहार नहीं होता वह होता है एक यादगार पल, एक सबक, एक संदेश त्याग का, और इंसानियत का, बकरीद जिसे ईद उल अजहा कहते हैं या त्योहार मनाया जाता है हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम से। हजरत इब्राहीम अलैहिस्सलाम अल्लाह के पैगंबर थे।

एसबीयू में समर कैंप का हुआ समापन

अनगड़ा : सरला बिरला विश्वविद्यालय में भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र एवं अंग्रेजी विभाग द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित छह दिवसीय समर कैंप का समापन हो गया। कैंप की समाप्ति पर उपस्थित प्रतिभागियों के बीच प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए बतौर मुख्य अतिथि विवि के माननीय महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक ने हमारी पुरातन चिकित्सा प्रणाली में शामिल योग की महत्ता बतायी और इसे हमारे जीवन शैली में उतारे जाने की आवश्यकता पर जोर दिया। कैंप के आयोजन को उन्होंने सराहनीय प्रयास करार दिया। भारतीय ज्ञान परंपरा केंद्र (आईकेएस) की सेंटर इंचार्ज डॉ. नीलिमा पाठक ने योग के लाभ पर चर्चा करते हुए इसे अपनाने की अपील की। इस अवसर पर आईक्यूएसी निदेशक डॉ. संदीप कुमार, डॉ. राधा माधव झा एवं डॉ. गौतम तांती ने भी अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में समर कैंप में योग एवं वैकल्पिक चिकित्सा (योग, आयुर्वेद, प्राकृतिक चिकित्सा, एक्यूप्रेशर एवं मर्म चिकित्सा) तथा विजुअल आर्ट के प्रतिभागियों ने अपने सकारात्मक अनुभवों को साझा किया।

बच्चों का आधार पंजीकृत के लिए प्रक्रिया तेज की गई : गौतम कुमार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

डोमचांच : राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकार नई दिल्ली एवं झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार रांची के निर्देश पर तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा के तत्वधान एवं प्रधान जिला सत्र न्यायाधीश सह अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा बालकृष्ण तिवारी के कुशल मार्गदर्शन व सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार गौतम कुमार के देखरेख में जिले में साथी अभियान की शुरूआत की गई है। इस अभियान में ऐसे बेसहारा बच्चों को चिन्हित करना है जिनका आज तक आधार पंजीकरण नहीं हो पाया है तथा जो सरकार के कल्याणकारी

योजनाओं से काफी दूर है। इसी कड़ी में जिले के डोमचांच प्रखंड के मसनोडीह पंचायत के गरहा निवासी लक्ष्मण दास के नाती बृजेश कुमार उम्र- 10 वर्ष, विमल कुमार उम्र- 7 वर्ष नतनी को काजल कुमारी उम्र 8 वर्ष पिता राजकुमार दास को पीएलवी सुब्रत कुमार मुखर्जी के द्वारा चिन्हित किया गया। इन बच्चों का वर्तमान में आधार कार्ड नहीं है जिसके चलते यह आज तक सरकारी का जानकारी योजना से वंचित है। बता दे कि लक्ष्मण दास की पुत्री बेदनी देवी का विवाह हरदोई उत्तर प्रदेश निवासी राजकुमार दास के साथ 15 वर्ष पूर्व हुआ था। बेदनी देवी अपने दो पुत्र एक पुत्री को जन्म दिया था। बीते मार्च 2019 में बेदनी देवी की अचानक से तबीयत खराब होने से पति राजकुमार दास द्वारा अपने पत्नी व बच्चों को को ससुराल गरहा मसनोडीह पहुंचाकर वापस अपने घर हरदोई उत्तर प्रदेश चले गए इसी बीच पत्नी बेदनी देवी की मई 2019 में मृत्यु हो जाती है। बेदनी देवी के पिता द्वारा कई बार अपने दामाद से संपर्क करने की कोशिश की गई लेकिन उनके साथ संपर्क नहीं हो पाया। तब से बच्चे अभी तक अपने नाना लक्ष्मण दास के पास रहते हैं। लक्ष्मण दास की स्थिति भी काफी दयनीय है, अपने स्वयं और पत्नी द्वारा मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं। जब इसकी सूचना जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव गौतम कुमार को मिली तो उन्होंने इसकी जानकारी लेकर त्वरित कार्रवाई करने का भरोसा दिया इसके साथ ही उन्होंने बताया कि सभी पीएलवी निर्देशित किया गया है कि ऐसे बेसहारा बच्चों को चिन्हित कर इसकी जानकारी जिला विधिक सेवा प्राधिकार कोडरमा को दें ताकि उनका आधार पंजीकृत करने की प्रक्रिया और तेज की सके तथा उन्होंने बताया कि यह विशेष अभियान 26 मई से 26 जून तक चलेगा।

भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचार है जो राष्ट्रसेवा और विकास को समर्पित है : अन्नपूर्णा देवी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : कोडरमा में भारतीय जनता पार्टी के जिला कार्यालय का शिलान्यास एक भव्य समारोह के साथ संपन्न हुआ। इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि झारखंड प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी एवं संगठन महामंत्री कर्मवीर रहे। विशिष्ट अतिथि कोडरमा की सांसद सह भारत सरकार की महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी एवं कोडरमा की विधायक नीरा यादव जी रहीं। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी सपत्नी नीलम जोशी ने यजमान के रूप में विधिवत पूजा-अर्चना किया और मुख्य अतिथि के साथ भूमिपूजन कर कार्यालय का शिलान्यास किया। मुख्य अतिथि बाबूलाल मरांडी ने कहा कार्यालय पार्टी की नीव होती हैं इससे पार्टी को मजबूती मिलती है आप हर कार्यक्रम कार्यालय बैठक कर मीटिंग कर सकते है और जनता को

भी मिलने में सहजता होती है। संगठन महामंत्री कर्मवीर ने कहा कार्यालय एक वर्ष में बनकर तैयार हो जाएगा और कार्यालय पार्टी का होता है व्यक्ति और पद तो आते जाते रहता है इसलिए अध्यक्ष और पदाधिकारी को कार्यालय में बैठने कि जिम्मेवारी लेनी चाहिए। कोडरमा की सांसद अन्नपूर्णा देवी ने अपने संबोधन में कहा कि भाजपा केवल एक राजनीतिक दल नहीं, बल्कि एक विचार है जो राष्ट्रसेवा और विकास को समर्पित है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि इस नए कार्यालय को जनसेवा का केंद्र बनाएं।कोडरमा विधायक नीरा यादव ने कहा कार्यालय अपना हो यह एक सपना होता था जो आज पूरा हुआ शिलान्यास हुआ है उद्घाटन भी जल्द ही होगा। पूर्व पदाधिकारी विरंची नारायण ने कहा राज्य के 19 जिलों में कार्यालय बन कर तैयार हो गया है और जल्द ही कोडरमा को भी कार्यालय मिलेगा। प्रदेश कोषाध्यक्ष दीपक बंका ने कहा प्रदेश कार्यालय कि जमीन हमलोगों ने बहुत देखी पर यह जमीन सबसे अच्छी जगह पर मिली कि यह जिले मैं मुख्य जगह कोडरमा और तिलैया के बीच है जिससे यह सभी कार्यकर्ताओं के लिए उपयोगी होगी। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कार्यालय के बिना संगठन चलाना बहुत कठिन होता है, कभी शादी का सीजन है तो जगह मिलने में बहुत परेशानी होती है और भाजपा लगातार जनता हित के कार्य में लगी रहती और हमेशा बैठकों एवम कार्यक्रमों का आयोजन होता रहता है। कार्यालय होने से सुविधा होगी। कार्यक्रम में प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह, रवि मोदी, रामचंद्र सिंह, नीतीश चंद्रवंशी, पूर्व जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह, सुरेश यादव, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह, राजकुमार यादव, जूहीदास गुप्ता, देवनारायण मोदी, जयप्रकाश राम, महेंद्र यादव, आदि बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता, पदाधिकारी एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे।

एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

डोमचांच : विश्व पर्यावरण दिवस व एक पेड़ मां के नाम के कार्यक्रम अवसर पर जिले के डोमचांच नगर क्षेत्र स्थित बैजनाथ प्रसाद स्नेही कॉलेज की और से फलदार व औषधि पौधा का वितरण किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री सह नेता प्रतिपक्ष व धनवार विधायक बाबूलाल मरांडी एवं विशिष्ट अतिथि के रूप में महिला एवं बाल विकास मंत्री भारत सरकार सह कोडरमा सांसद अन्नपूर्णा देवी, विधायक डॉ. नीरा यादव, जिप सदस्य कुमकुम देवी, भाजपा संगठन मंत्री कर्मवीर सिंह थे। वहीं नेता प्रतिपक्ष व धनवार विधायक बाबूलाल मरांडी ने कहा कि आज हमें अपने पर्यावरण की सुरक्षा और संरक्षण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को समझना होगा। फलदार और औषधि पौधों का वितरण करके, हम न केवल अपने पर्यावरण को हरा-भरा बना सकते हैं, बल्कि अपने स्वास्थ्य को भी बेहतर बना सकते हैं।

कोडरमा में विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस पर जागरूकता अभियान चलाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : उपायुक्त, कोडरमा के निर्देशानुसार अभिहित अधिकारी-सह-अपर मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. रंजीत के मार्गदर्शन में खाद्य सुरक्षा पदाधिकारी प्रकाश चन्द्र गुग्गी द्वारा विश्व खाद्य सुरक्षा दिवस के अवसर पर विशेष जागरूकता अभियान चलाया गया। अभियान के तहत कोडरमा एवं तिलैया क्षेत्र के विभिन्न फास्ट फूड स्टॉलों का निरीक्षण किया गया। इस दौरान स्ट्रीट फूड विक्रेताओं को व्यक्तिगत स्वच्छता, ठेला एवं बर्तनों की स्वच्छता के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही, दुकानों के पास ढक्कन युक्त कूड़ादान रखने, स्वच्छ पानी की उपलब्धता (हाथ धोने एवं पीने

हेतु) और साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए गए। अभियान का मुख्य उद्देश्य खाद्य जनित रोगों, विशेष रूप से फूड पॉयजनिंग की संभावनाओं को कम करना था। इस अवसर पर विक्रेताओं के बीच एप्रन, टोपी, मास्क आदि का वितरण किया गया और उनके नियमित उपयोग के बारे में जागरूक किया गया। खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा इस पहल से स्थानीय लोगों और विक्रेताओं में खाद्य स्वच्छता के प्रति जागरूकता आएगी। भविष्य में भी इस प्रकार के निरीक्षण और जागरूकता कार्यक्रमों को नियमित रूप से संचालित किया जाएगा।

उजाड़ने से पहले लोगों को बसाना होगा : वीरेंद्र पाण्डेय

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

झुमरीतिलैया : झामुमो नगर कमिटी की बैठक शनिवार को साहू धर्मशाला में संपन्न हुई। जिसकी अध्यक्षता नगर अध्यक्ष दीपक विश्वकर्मा ने किया. मौके पर मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय व अतिथि के रूप में केंद्रीय समिति सदस्य गंगा यादव, संजय पाण्डेय, बैजनाथ मेहता, नंदकिशर मेहता, निवर्तमान जिला प्रवक्ता संजय साजन, पूर्व जिला सचिव उमेश राम मौजूद थे। इस दौरान सैकड़ों लोगों ने झारखंड सरकार के माननीय मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी एवं झारखंड की शेरनी माननीय कल्पना सोरेन जी के ऊपर आस्था एवं विश्वास जताते हुए झा मु मो दामन थामा जहाँ जिलाध्यक्ष समेत अन्य ने पार्टी का पट्टा देकर उनका स्वागत किया गया। इस दौरान जिलाध्यक्ष वीरेंद्र पाण्डेय ने कहा कि हाल के दिनों में झुमरी तिलैया शहर के सड़क किनारे छोटी दुकान व गुमटी ठेला को तोड़कर नगर प्रशासन के द्वारा अतिक्रमण मुक्त किया गया था। इस घटना से सैकड़ो लोग रोजगार विहीन हो गए जिससे उनकी परिवार की स्थिति काफी दयनीय हो गई और वे लोग दाने दाने को मोहताज हो गए वैसे में झामुमो जिला समिति नगर प्रशासक तथा कोडरमा उपायुक्त से मांग करती है कि रोजगार विहीन परिवार के लोगों को पहले रोजगार मुहाया कराया जाय नहीं तो झामुमो इसकी शिकायत मंत्री, मुख्यमंत्री से की जायेगी और उसके बाद भी अगर समाधान नहीं हुई तो पार्टी आन्दोलन करेगी। वहीं केंद्रीय समिति सदस्य गंगा यादव, संजय पाण्डेय, बैजनाथ मेहता, संजय साजन, उमेश राम ने कहा कि इस घटना के बाद पीड़ित परिवार लोग भुखमरी के शिकार हो गए। जिस पर अगर जिला प्रशासन के द्वारा शीघ्र रोजगार नहीं उपलब्ध कराया गया तो पार्टी जेल भरो आंदोलन भी चला सकती है।

17 करोड़ की लागत से बने पानी सप्लाई प्रोजेक्ट का आधे अधूरे जलापूर्ति के उद्घाटन का ग्रामीणों ने किया विरोध

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : छावनी कैंटोनमेंट बोर्ड के द्वारा लगभग 17 करोड़ की लागत से फेज 2 वाटर सप्लाई प्रोजेक्ट से वार्ड नंबर 7 के बुजुर्ग जमीरा, पोचरा, मे आधे अधूरे जलापूर्ति योजना का भाकपा माले नेता पवन कुमार यादव के नेतृत्व में ग्रामीणों ने विरोध किया गया। पवन यादव ने कहा कि कल हजारीबाग के सांसद मनीष जायसवाल द्वारा वाटर सप्लाई योजना का उद्घाटन किया गया था। जिसका हमारी पार्टी एवं ग्रामीणों ने विरोध किया है। वार्ड नंबर 7 में पानी कि पानी टंकी से पानी का सप्लाई नहीं हो रहा है, जल मीनार पूरी तरह से लीकेज है, पाइपलाइन बिछाने का काम पूरा नहीं हुआ है, जिसके कारण

पुरे वार्ड नंबर 7 में पानी की सप्लाई नहीं हो रहा है,बुजुर्ग जमीरा के शिव मंदिर, आंगनबाड़ी में जलापूर्ति पूरे गांव में नहीं हो रही है,पोचरा में आधे अधूरे, जबकि छोटकाकाना, कटलिया बेडा, कैराबिहार में आज तक पाइपलाइन नहीं बिछा है,वॉटर कनेक्शन का काम भी पूरा नहीं किया गया है, ऐसे में हजारीबाग सांसद मनीष जायसवाल द्वारा जलापूर्ति योजना का उद्घाटन करना वार्ड नंबर 7 के जनता के साथ भद्दा मजाक किया जा रहा है, जिसका पुरजोर विरोध महिला पुरुषों ने किया। स्थानीय महिला बीना देवी ने कहा कि शहरी क्षेत्र के तीन वार्ड 1,3,व 7 में वाटर सप्लाई नहीं पहुंची है, पिछले 6 वर्षों के कार्य के दौरान आज तक वार्ड नंबर 7 में पूरे गांव में पाइपलाइन की कनेक्शन नहीं होने के कारण पानी की सप्लाई शुरू नहीं हो सकी, इस प्रोजेक्ट के अधूरे कार्य के कारण नियमित जलापूर्ति हमारे वार्ड में नहीं हो पा रही है, हम लोगों ने कैंटोनमेंट बोर्ड रामगढ़ एवं पीएचडी विभाग को अनेकों बार चिट्ठी लिखा, रामगढ़ उपायुक्त को भी पत्राचार के माध्यम से सूचित करने का काम किया, परंतु योजना जस की तस बनी हुई है, हमारी मांग है, कि पूरे वार्ड नंबर 7 में आधे अधूरे पाइपलाइन कनेक्शन को पूरा कर नियमित रूप से जलापूर्ति कराया जाए, नहीं तो भाकपा माले आंदोलन के लिए बाध्य होगी। विरोध प्रदर्शन में मुख्य रूप से बीणा देवी, कविलास देवी, बबली देवी, हेमा देवी, सोनिआ देवी, नीलम देवी, इंदु देवी, सुशीला देवी इत्यादि उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

भुरकुंडा के ईदगाह व मस्जिदो में अदा की गई बकरीद की नमाज

भुरकुंडा : कोयलांचल भुरकुंडा, भदानीनगर, बासल सहित आसपास ग्रामीण क्षेत्रों के ईदगाहों और मस्जिदों में शनिवार को मुस्लिम धर्मावलंबियों द्वारा ईद उल अजहा की नमाज अदा की गई। कोयलांचल के भुरकुंडा जामा मस्जिद, रीवर साइड मयूर स्टेडियम स्थित मस्जिद, सौंदा डी, सेंटल सौंदा, भदानीनगर के चिकोर, मुहआ टोला सहित बासल के बलकुदरा सहित अन्य क्षेत्रों के ईदगाह और मस्जिदों में मुस्लिम धर्मावलंबियो ने ईद उल अजहा की नमाज अदा कर अपने घर-परिवार और क्षेत्र की हरियाली-खुशहाली और अमन चैन की दुआएं मांगी। नमाज के बाद लोगो ने अपने घरो में बकरे की कुबानी दी। साथ ही एक-दुसरे के गले मिलकर ईद उल अजहा की मुबारकबाद दी। साथ ही एक-दूसरों के घरो में जाकर लजीज व्यंजनो को लुत्फ उठाया।

मां शीतला देवी मंदिर में लायंस क्लब भुरकुंडा ने भंडारा का किया आयोजन

भुरकुंडा : लायंस क्लब ऑफ भुरकुंडा ने प्रत्येक सप्ताह की भांति इस शनिवार को भी भुरकुंडा के पटेलनगर सयाल मोड़ स्थित मां शीतला देवी मंदिर में नर सेवा नारायण सेवा कार्यक्रम के तहत भव्य भंडारा का आयोजन किया। सर्वप्रथम पूरे विधि-विधान एवं वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच पूजा-अर्चना कर मां को लड्डू का भोग चढ़ाया गया। इसके बाद भव्य भंडारा का आयोजन कर लायंस क्लब के लोगों द्वारा फूड फॉर हंगर के तहत लगभग 300 लोगों को खिचड़ी रूपी प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद लिया गया। बताया गया कि प्रत्येक सप्ताह लायंस परिवार के द्वारा व्यक्तिगत सहयोग से इस तरह का आयोजन किया जाता रहा है। लायंस क्लब भुरकुंडा समाज के निचले स्तर पर जीवन यापन कर रहे लोगो को ध्यान में रखकर सामाजिक उत्थान का कार्य कर रहा है। लायंस परिवार ने ऐसे नेक और सामाजिक कार्यों में सबों को सहयोग करने की अपील की। इधर परमानेंट प्रोजेक्ट वैक्सीनेशन के तहत लायंस क्लब द्वारा भुरकुंडा ट्रैक्टर स्टैंड स्थित राज नर्सिंग होम में गर्भवती महिलाओं व दर्जनों शिशुओं का स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा निःशुल्क टीकाकरण किया गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में रांची ग्रेटर क्लब 2024-25 के रिजनल चेयरपर्सन लायन गणेश सिंह, भुरकुंडा क्लब की अध्यक्ष रेखा वर्णवाल, सचिव अजु देवी, कोषाध्यक्ष शिवा प्रसाद, जोन चेयरपर्सन एमजेएफ डॉ राजेंद्र महतो, जिला चेयरपर्सन अशोक सिन्हा, जिला चेयरपर्सन अखिलेश शर्मा, पूर्व अध्यक्ष माला शर्मा, लायन विजयंत कुमार, लायन डॉ एमके मंजुल, लायन रेखा मंजुल, लायन निर्मल अग्राल, सूबेदार एवपन यादव, लायन दीनबंधु सिंह, लायन विजय वर्णवाल, एमजेएफ संजय जयसवाल, लायन भूपेंद्र सिंह सैनी उर्फ जीबू, लायन अजय सिंह आदि सदस्यों का विशेष योगदान रहा।

सौंदा डी के वांछित अभियुक्त को पुलिस ने किया गिरफ्तार

भुरकुंडा : भुरकुंडा पुलिस ने कंप्लेन केस संख्या 492/2021 के वांछित वारंटी अमर राजभर को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी अमर राजभर (उम्र 30 वर्ष), पिता गरजू राजभर, ग्राम सौंदा डी, थाना पतरातू (भुरकुंडा), जिला रामगढ़ को शनिवार को विधिसम्मत प्रक्रिया के तहत माननीय न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। पुलिस की यह कार्रवाई आपराधिक मामलों में फरार चल रहे अभियुक्तों की गिरफ्तारी को लेकर जारी अभियान का हिस्सा बताया गया।

कटहाडीह गांव में गोकशी की योजना का भंडाफोड़, एक अभियक्त गिरफ्तार

कोडरमा : कोडरमा पुलिस अधीक्षक को गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि जयनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम-कटहाडीह के सफीक खान एवं सकीर खान के यहाँ बड़ी संख्या में मवेशी लाकर उनका वध करने की नियत से छुपाकर रखा गया है। उक्त सूचना के सत्यापन एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु पु0अ0नि0 बबलू कुमार, थाना प्रभारी जयनगर के नेतृत्व में एक विशेष टीम का गठन किया गया। गठित टीम द्वारा त्वरित कार्रवाई करते हुए ग्राम-कटहाडीह स्थित सफीक खान के बाड़े में छापामारी की गई। छापामारी के दौरान एस. के. राजा नामक एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त से पूछताछ करने पर ज्ञात हुआ कि वे मवेशियों को छुपाकर यहाँ रखते हैं एवं जानवरों का मांस बेचते है तथा अन्य कोई व्यापारी मिलता है तो उसे जानवर भी बेच देते हैं। पुलिस द्वारा बाड़े की जाँच की गई तो वहाँ एक लकड़ी का कुंदा एवं एक लोहे का चाकू बरामद किया गया। इसके संबंध में पूछे जाने पर एस. के. राजा खान द्वारा बताया गया कि ये सभी वस्तुएँ मवेशी का वध करने हेतु रखी गई थीं। इस संबंध में जयनगर थाना कांड संख्या- 136/25, दिनांक 07.06.2025, धारा 317 (2) बी.एन.एस. झारखंड गोवंशीय पशु वध प्रतिषेध अधिनियम, 2005 एवं 12(1) (3) एवं 11 (1) दर्ज कर अग्रतर कार्रवाई की जा रही है।

नया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन किया गया

सिल्ली : सिल्ली प्रखंड अंतर्गत शनिवार के दिन सिल्ली विधायक अमित कुमार के पहल पर सिल्ली प्रखंड के नागेडीह पंचायत अंतर्गत बुढ़ाबेहरा (महतो टोला) गांव में नया ट्रांसफार्मर का उद्घाटन झामुमो सिल्ली प्रखंड अध्यक्ष बलराम महतो उर्फ राधिका, सचिव अनिल चन्द्र महतो एंव लोटा पंचायत मुखिया प्रतिनिधि रवींद्रनाथ मुंडा के उपस्थिति में मो.भादरी देवी के हाथों विधिवत पूजा पाठ एवं फीता काट कर संपन्न कराया गया। मौके पर झामुमो कार्यकर्ता केशव चंद्र महतो, रामपदो महतो,परीक्षित महतो, घनेश्याम महतो एवं गांव के दर्जनों ग्रामीण उपस्थित रहे।

अवैध हथियारों की खरीद-बिक्री में 2 गिरफ्तार 2 पिस्टल, 1 देसी कट्टा और कई सामान बरामद

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : रांची के पुलिस उप-महानिरीक्षक सह वरीय पुलिस अधीक्षक को रात लगभग 01:15 बजे गुप्त सूचना प्राप्त हुई कि सुखदेवनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत पहाड़ी मंदिर के समीप कुछ लोग अवैध आग्नेयास्त्र की खरीद-बिक्री के उद्देश्य से एकत्र होने वाले हैं। उक्त सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देशन में तथा पुलिस उपाधीक्षक कोतवाली के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने पहाड़ी मंदिर के पास संदेहास्पद स्थिति में दो व्यक्तियों को हिरासत में लिया। पूछताछ में पकड़े गए व्यक्तियों ने अपना नाम क्रमशः 1. अनिल गाड़ी (उम्र लगभग 24 वर्ष), पिता स्व. सोमरा गाड़ी, निवासी कौंगे जयपुर, थाना कांके, जिला राँची तथा 2. आकाश मिर्धा (उम्र लगभग 25 वर्ष), पिता राजेश मिर्धा, निवासी कौंगे जयपुर, थाना कांके, जिला रांची बताया। वहीं, आकाश मिर्धा के पास से एक लोहा का बना पिस्टल बरामद किया गया। उक्त दोनों व्यक्तियों से पूछताछ करने पर उन्होंने स्वीकार किया कि ये हथियार उन्होंने आकाश कुमार वर्मा उर्फ बालकटी (पिता दीपक वर्मा, निवासी शास्त्री चौक मधुकम, थाना सुखदेवनगर, जिला राँची) और संदीप कुमार प्रसाद उर्फ धाबूस (पिता सहदेव प्रसाद, निवासी गंगानगर मधुकम, थाना सुखदेवनगर, जिला राँची) से खरीदे थे। दोनों ने आगे बताया कि वे कांके क्षेत्र में जमीन का व्यवसाय करते हैं और इसी कार्य में उपयोग के लिए हथियार और 30 गोलियों की व्यवस्था करने के लिए पहाड़ी मंदिर के पास पहुँचे थे।

इस मामले में अनिल गाड़ी और आकाश मिर्धा को विधिवत गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके साथ-साथ आकाश कुमार वर्मा उर्फ बालकटी और संदीप कुमार प्रसाद उर्फ धाबूस के विरुद्ध सुखदेवनगर थाना कांड संख्या-298/25 आर्म्स एक्ट के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। गिरफ्तार अभियुक्त अनिल गाड़ी, उम्र लगभग 24 वर्ष, पिता स्व. सोमरा गाड़ी, सा. कौंगे जयपुर, थाना कांके, जिला राँची। आकाश मिर्धा, उम्र लगभग 25 वर्ष, पिता राजेश मिर्धा, सा. कौंगे जयपुर, थाना कांके, जिला राँची।

बरामद समान

- एक लोहा का बना पिस्टल, जिसकी मैगजीन से एक मिसफायर गोली प्राप्त हुई।
- एक लोहे का देसी कट्टा, लकड़ी का बट और तार लिपटा हुआ।
- रेडमी कंपनी के दो स्मार्टफोन।
- नकद 7200/-, पल्सर मोटरसाइकिल।
- चार जिंदा कारतूस जिन पर केएफ7.65 अंकित है।

छापामारी टीम में शामिल पुलिस पदाधिकारी व कर्मी

प्रकाश सोय, पुलिस उपाधीक्षक, कोतवाली रांची, दुसरु बान सिंह, परि. पुलिस उपाधीक्षक, राँची, मनोज कुमार, पु.नि., थाना प्रभारी, सुखदेवनगर थाना, मनीष कुमार, प्रभारी, पंडरा ओपी।, पु.अ.नि. साहवीर उरांव, सुखदेवनगर थाना, पु.अ.नि. बबलु बेसरा, सुखदेवनगर थाना, स.अ.नि. बिरेन्द्र राम, सुखदेवनगर थाना, आरक्षी 1818, मुन्ना लाल गुप्ता, अंगरक्षक, सुखदेवनगर थाना।

एक नजर

मोदी सरकार के 11 वर्षों की उपलब्धियों पर 'संकल्प से सिद्धि' कार्यशाला आयोजित

रांची : भारतीय जनता पार्टी, रांची महानगर जिला के तत्वावधान में आज 7 जून को मोदी सरकार के 'सेवा, सुशासन एवं गरीब कल्याण' के स्वर्णिम 11 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में राष्ट्रव्यापी कार्यक्रम 'संकल्प से सिद्धि' के तहत एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। यह कार्यशाला महानगर अध्यक्ष वरुण साहू की अध्यक्षता में संपन्न हुई। कार्यशाला को प्रदेश उपाध्यक्ष एवं कार्यक्रम के संयोजक राकेश प्रसाद, रांची विधायक सीपी सिंह, हटिया विधायक नवीन जयसवाल, महानगर अध्यक्ष वरुण साहू, बलराम सिंह एवं जितेंद्र वर्मा ने संबोधित किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष राकेश प्रसाद ने कहा कि केंद्र में मोदी सरकार के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होना ऐतिहासिक उपलब्धि है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, और इस संकल्प को साकार करने में भाजपा कार्यकर्ताओं को अग्रिम भूमिका निभानी होगी। रांची विधायक सीपी सिंह ने कार्यकर्ताओं से 'संकल्प से सिद्धि' कार्यक्रम में उत्साहपूर्वक भागीदारी कर इसे आम जनता तक पहुंचाने की अपील की। हटिया विधायक नवीन जयसवाल ने कहा कि मोदी सरकार के 11 वर्षों में गरीब कल्याण के जितने कार्य हुए, उतने पिछले 17 वर्षों में भी नहीं हुए थे। उन्होंने केंद्र की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने पर बल दिया। महानगर अध्यक्ष वरुण साहू ने कहा कि महानगर को जो भी कार्यक्रम सौंपे गए हैं, उनमें कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी और हर कार्यक्रम को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाएगा। कार्यशाला में राजू सिंह, अनीता वर्मा, बसंत दास, सुरेश प्रसाद, विनय सिंह, अजीत भगत, वीणा मिश्रा, विकास रवि, आशुतोष गिरी, रोशन शर्मा, सोनू सिंह, विशाल अग्रवाल, पायल सोनी, रवि मुंडा, प्रकाश साहू, युवराज पासवान, इंद्रजीत यादव, सुबेश पांडेय, अशोक मिश्रा, उमेश यादव, रामजी प्रसाद, ओम प्रकाश पांडे, राम मनोज साहू, पप्पू जयसवाल, वियूष विजयवर्गीय, रणधीर सिंह, विनोद महतो, सुभाष अग्रवाल, ऋषभ गखड़, आनंद वर्मा सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए कला एकीकरण पर हुआ प्रशिक्षण कार्यशाला

रांची : ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में आज शिक्षकों के लिए कला एकीकरण पर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य कक्षा शिक्षण को रचनात्मकता और सांस्कृतिक जुड़ाव के माध्यम से और अधिक प्रभावशाली एवं समृद्ध बनाना था। इस पहल के अंतर्गत शिक्षकों को यह प्रशिक्षण दिया गया कि वे किस प्रकार विभिन्न कला-रूपों को अपने शिक्षण पद्धति में शामिल कर विद्यार्थियों के सीखने के अनुभव को अधिक प्रभावशाली और समग्र बना सकते हैं। कार्यशाला का संचालन विद्यालय के अंग्रेजी विभाग के शिक्षक खुशी राम झा द्वारा किया गया। उन्होंने संवादात्मक सत्र, रोल-प्ले, प्रेरक वीडियो और सामूहिक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षकों को यह प्रेरणा दी कि वे कैसे प्रभावी ढंग से कला को अपने पाठ्यक्रम में समाहित कर सकते हैं। इस अवसर पर विद्यालय की शैक्षणिक निदेशक डॉ। सिमी मेहता, प्राचार्य रंजीत कुमार ठाकुर, शैक्षणिक समन्वयक रवि शेखर और जूनियर विंग प्रभारी राज किशोर शर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहे। विद्यालय के सभी शिक्षकगण इस प्रशिक्षण में उत्साहपूर्वक सम्मिलित हुए।

हाई कोर्ट से लघु सिंचाई विभाग के तत्कालीन चीफ इंजीनियर को मिली राहत

रांची : झारखंड हाई कोर्ट से लघु सिंचाई विभाग के तत्कालीन मुख्य अभियंता शिवाजी शर्मा को बड़ी राहत मिली है। वर्ष 2002 में गिरिडीह के लघु सिंचाई प्रमंडल अंतर्गत कोदई बांध परियोजना में नहर टूटने की घटना को लेकर पेंशन में 50 फीसदी कटौती के मामले में राज्य सरकार की अपील (एलपीए) पर झारखंड हाईकोर्ट ने निर्णय सुनाया है। मुख्य न्यायाधीश एम. एस. रामचंद्र राव की अध्यक्षता वाली खंडपीठ ने राज्य सरकार की अपील को खारिज करते हुए एकल पीठ के आदेश को यथावत रखा है। हाईकोर्ट की एकल पीठ ने 28 अगस्त 2019 को शिवाजी शर्मा की रिट याचिका पर सुनवाई करते हुए फैसला दिया था, जिसमें सरकार द्वारा उनकी पेंशन में की गई 50 फीसदी कटौती को रद्द कर दिया गया था और उन्हें पूरी पेंशन राशि का भुगतान करने का निर्देश दिया गया था। मामला वर्ष 2002-03 का है, जब गिरिडीह स्थित लघु सिंचाई प्रमंडल के तहत कोदई बांध परियोजना का कार्य शुरू हुआ था।

झारखंड भवन में कमरा नहीं मिलने से नाराज विधायक ने मंत्री इरफान के आश्वासन पर धरना किया समाप्त

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : पांकी से भाजपा विधायक डॉ. शशिभूषण मेहता को दिल्ली स्थित झारखंड भवन में कमरा आवंटित न हो पाने की स्थिति से क्षुब्ध होकर उन्होंने भवन के रिसेप्शन काउंटर पर प्रतीकात्मक धरना दिया। इस मामले को लेकर मंत्री डॉ. इरफान अंसारी ने उनसे तुरंत संवाद स्थापित कर पूरी स्थिति को शांति एवं सम्मान के साथ सुलझाया।

उन्होंने विधायक शशिभूषण मेहता को आश्वस्त करते हुए कहा, आप दो बार के विधायक और एक वरिष्ठ नेता हैं, ऐसे में मेरा आपसे निवेदन है कि इस विषय को यहीं समाप्त करें। व्यवस्था में थोड़ी दिक्कत है, जिसे शीघ्र दुरुस्त किया जाएगा। इसका मैं व्यक्तिगत रूप से आश्वासन देता हूं।

मंत्री डॉ. अंसारी ने आगे कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन को जैसे ही इस स्थिति की जानकारी मिली, उन्होंने मुझसे संपर्क कर तत्काल समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हमारी सरकार सभी विधायकों का समान रूप से सम्मान करती है, चाहे वे किसी भी दल से हों। हम निष्पक्षता में विश्वास रखते हैं और यही हमारी सरकार की पहचान है। व्यवस्था को दुरुस्त करने में थोड़ा समय लग रहा है। नया झारखंड भवन बनकर तैयार है, और जल्द ही ऐसी समस्याएं नहीं आएंगी। इस मौके पर डॉ. अंसारी ने उन्हें ईद-उल-अजहा की हार्दिक शुभकामनाएं भी दीं और अपने आवास पर आमंत्रित करते हुए कहा, दिल्ली से लौटने के बाद आप मेरे घर आइए, जहां मैं स्वयं आपको स्वादिष्ट मांसाहारी व्यंजन परोसूंगा। इस पर्व पर हम सभी मिल-बैठकर भाईचारे और सद्भावना का संदेश देंगे।

शशिभूषण मेहता को कमरा नहीं मिलने पर सांसद दीपक प्रकाश ने जताई नाराजगी

रांची : दिल्ली स्थित झारखंड भवन में पांकी के विधायक कुशवाहा शशिभूषण मेहता को कमरा आवंटित नहीं किए जाने पर वे धरने पर बैठ गए। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक हलकों में हलचल पैदा कर दी है। विधायक मेहता ने बताया कि उन्होंने अपने दिल्ली प्रवास की सूचना पहले ही झारखंड भवन को दे दी थी, बावजूद इसके जब वे भवन पहुंचे तो उन्हें ठहरने के लिए कमरा उपलब्ध नहीं कराया गया। इसको लेकर उन्होंने विरोधस्वरूप भवन परिसर में ही धरना शुरू कर दिया। इस पूरे मामले पर राज्यसभा सांसद दीपक प्रकाश ने सोशल मीडिया पर अपनी नाराजगी जाहिर की। उन्होंने लिखा पांकी के लोकप्रिय विधायक शशि भूषण मेहता को दिल्ली प्रवास के क्रम में पहले से सूचना दिए जाने के बावजूद भी उन्हें झारखंड भवन पहुंचने पर कमरा न देना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। यह हेमंत सरकार के पदाधिकारियों की घोर कर्तव्यहीनता को दशार्ता है। दीपक प्रकाश ने सरकार से मांग की है कि इस मामले की तत्काल जांच कर दोषी अधिकारियों और कर्मियों पर कार्रवाई की जाए।

अनुसंधानकर्ताओं को मिलेगा लेटेस्ट फोन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : अनुसंधान कार्य हेतु अनुसंधानकर्ताओं को मोबाइल फोन की सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 के अंतर्गत जारी संकल्प में संशोधन किया गया है। इस संबंध में गृह विभाग द्वारा एक संशोधित संकल्प जारी किया गया है। यह संशोधन पुलिस मुख्यालय के प्रस्ताव के आधार पर किए गए हैं। गृह विभाग ने इस संबंध में संकल्प जारी किया है। संशोधित प्रावधानों के अनुसार, यदि किसी अनुसंधानकर्ता को राज्य सरकार की किसी अन्य योजना के अंतर्गत मोबाइल सेट की सुविधा अनुमोदित है, तो वह अनुसंधानकर्ता केवल एक ही स्रोत से मोबाइल फोन प्राप्त करने के पात्र होंगे। हालांकि, यदि किसी अनुसंधानकर्ता को पूर्व में राज्य सरकार की किसी योजना के तहत मोबाइल फोन उपलब्ध कराया गया है, परंतु वह फोन एंड्रायड वर्जन-13 से कमतर संस्करण का है, तो ऐसे अनुसंधानकर्ता इस योजना के अंतर्गत नया मोबाइल फोन क्रय करने के लिए अनुमन्य होंगे।

इसके अतिरिक्त, यदि किसी अनुसंधानकर्ता के पास पूर्व में प्राप्त मोबाइल फोन उनके पदनाम से संबंधित है, जिसे स्थानांतरण के उपरांत संबंधित पदाधिकारी को सौंपना होता है, तो वे अनुसंधानकर्ता भी इस योजना के अंतर्गत मोबाइल फोन क्रय करने के पात्र होंगे। यह सुविधा केवल उन्हीं अनुसंधानकताओं को प्रदान की जाएगी जिनकी सेवा संपुष्ट हो चुकी है तथा क्रय की तिथि से उनकी न्यूनतम चार वर्षों की शेष सेवा होनी चाहिए। हालांकि, झारखंड पुलिस मुख्यालय द्वारा इस संबंध में जारी किए जाने वाले विस्तृत दिशा-निर्देश की तिथि से यदि कोई अधिकारी पिछले दो वर्षों से लगातार अनुसंधान कार्य में संलग्न नहीं रहा है, अथवा वह अनुसंधान का कार्य नहीं कर रहा है या अनुसंधानकर्ता की भूमिका में नहीं है, तो ऐसे पदाधिकारी इस योजना के अंतर्गत मोबाइल फोन प्राप्त करने के पात्र नहीं होंगे।

आदिवासी अधिकारों पर हमले के खिलाफ भाकपा-माले का सम्मेलन आज से

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भाकपा-माले और आदिवासी संघर्ष मोर्चा ने शनिवार को एक संयुक्त प्रेस वार्ता की, जिसमें आदिवासी अधिकारों पर बढ़ते हमलों के खिलाफ आवाज उठाई गई। इस मौके पर भाकपा के राज्य सचिव मनोज भगत, केंद्रीय समिति सदस्य क्लिफटन डी. रोजारियो और आदिवासी संघर्ष मोर्चा से सुशीला टिग्गा, देवकी नंदन बेदिया तथा सुखदेव प्रसाद मौजूद थे।

क्लिफटन डी। रोजारियो ने आरोप लगाया कि मोदी सरकार कंपनियों के हित में आदिवासियों की जमीन हड़पने का काम कर रही है और खनन व पर्यटन के नाम पर जंगलों को सौंपा जा रहा है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों की संस्कृति और एकता को तोड़ने की साजिशें हो रही हैं। उन्होंने छत्तीसगढ़ में माओवादियों के नाम पर चल रहे अभियान को आदिवासियों को डराने और विस्थापित करने का हथियार बताया प्रेस वार्ता में बताया गया कि इन मुद्दों को लेकर 8 जून को भाकपा-माले की राष्ट्रीय परिषद की बैठक होगी, जिसमें देशभर से पार्टी प्रतिनिधि शामिल होंगे। 9 जून को एसडीसी सभागार में एक राष्ट्रीय कन्वेंशन का आयोजन होगा, जिसमें भाकपा-माले के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य भी भाग लेंगे।

घटिया सड़क निर्माण मामले में आमने-सामने हुए भाजपा और जेएमएम, मिट्टी के ऊपर ढलाई कर बनाई जा रही थी खराब रोड

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : लोहरदगा जिले के पेशरार गांव में सड़क निर्माण को लेकर बड़ा राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा करते हुए हेमंत सरकार पर सड़क निर्माण में बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार का आरोप लगाया। उन्होंने लिखाः हेमंत सरकार में भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हैं कि सड़कों के नाम पर घोटाले की परतें बिछाई जा रही हैं। पथ निर्माण विभाग मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन स्वयं संभाल रहे हैं, तो यह विभाग भ्रष्टाचार में कैसे पीछे रह सकता है? वैसे यहाँ पथ निर्माण विभाग में ठेकेदारों के चयन से लेकर टेंडर लेने-देने का काम कैसे होता, यह सर्वविदित है। अगर टेंडर नए न्यूनतम दर में भी एलाट होता है तो बाद में ज्यादा काम दिखाकर पेमेंट बढ़ा देने एवं इसके लिये मनमाना वसूली का खेल किसी से छिपा नहीं है। लगता है हेमंत जी ने ठान लिया है कि जब तक गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स वाले आकर सबसे ज्यादा घोटाले करने का रिकॉर्ड उनके नाम नहीं कर देते, वे रुकने वाले नहीं हैं। लोहरदगा ज़िले के पेशरार गांव में जिस 'सड़क' का निर्माण हो रहा है, वहाँ सड़क की गिट्टी, डामर या जीएसबी (ग्रैन्युलर सब-बेस) का नामोनिशान नहीं है। सीधे मिट्टी डाली जा रही है, और ऊपर से खानापूर्ति के लिए थोड़ा बहुत मसाला छिड़ककर सबकी आँखों में धूल झोंकी जा रही है। सड़क निर्माण में जीएसबी वह नींव होती है, जिस पर पूरी सड़क की ताकत टिकी होती है, पर यहाँ तो नींव ही गायब है! खैर, जिस सरकार की नींव ही घोटालों और भ्रष्टाचार पर टिकी हो, वहाँ ये छोटी-मोटी सड़कें तो बारिश में बहने के लिए ही बनती हैं। मुख्यमंत्री जी इसकी जांच कराइये और दोषी लोगों पर कठोर कार्रवाई करिये।

इस ट्वीट के बाद जेएमएम नेता विनोद पांडेय ने बाबूलाल मरांडी के आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पलटवार किया। उन्होंने कहाः मरांडी जी का वीडियो ज्ञान तथ्यहीन आरोपों का पुलिंदा है। भाजपा शासनकाल की देन है वो जर्जर सड़कें जिनका हवाला अब दिया जा रहा है। हेमवत सरकार के कार्यों से भाजपा बौखलाहट में है। मुख्यमंत्री स्वयं पथ निर्माण विभाग को देख रहे हैं ताकि पारदर्शिता और जवाबदेही लाई जा सके। भाजपा को तकलीफ ठेकेदारी घोटालों पर लगाम लगने से हो रही है। झूठ और अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई होगी, क्योंकि लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का मतलब झूठ फैलाने की छूट नहीं होती। हालांकि, बाद में बाबूलाल मरांडी ने एक और ट्वीट कर अपनी पूर्व पोस्ट में तथ्यात्मक सुधार की बात स्वीकारी।

संक्षिप्त खबरें

बारिश नहीं होने से गर्मी की हुई वापसी, 10 के बाद बदलेगा मौसम

रांची : राज्य भर में बारिश नहीं होने से फिर से गर्मी की वापसी हुई है। बारिश नही होने से तापमान में बढोत्तरी हुआ है और उमस भी बढ़ गया है। 10 जून के बाद मौसम में बदलाव होने की सम्भावना मौसम विभाग ने व्यक्त किया है। मौसम विभाग ने आठ जून को राज्य के पूर्वी जिले और इससे लगे मध्यवर्ती इलाकों में गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने की सम्भावना है। वहीं नौ जून को उत्तर-पश्चिमी हिस्सों को छोड़कर शेष हिस्सों में भी गर्जन के साथ हल्के दर्जे की बारिश होने की संभावना है। वहीं पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक बारिश गोड्डा के पथरगामा में 4.2 मिमी बारिश दर्ज की गई। वहीं सबसे अधिक अधिकतम तापमान डालटेनगंज में 37.1 डिग्री और सबसे कम न्यूनतम तापमान गुमला में 20.2 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 35 डिग्री, जमशेदपुर में 34.8, डालटेनगंज में 37.1, बोकारो में 36.5 और चाईबासा में तापमान 35.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

श्याम भंडारे में श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से पाया प्रसाद

रांची : श्री श्याम मित्र मंडल की ओर से हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 159 वां श्री श्याम भंडारा का आयोजन किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, अरुण खेमका, मीरा खेमका और परिवार के सदस्यों ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। उपस्थित सैकड़ों भक्तों ने भक्ति भावना ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश, बजरंगबली, शिव परिवार, लड्डू गोपाल जी, शालिग्राम जी और गरुड़ जी गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। खेमका परिवार ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। खाटूनरेश की जय जयकारों से मंदिर परिसर गूंज रहा था। प्रथम देव गणेश महाराज के जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया। भंडारे में अजवायन कचौड़ी, आलू कद्दू गोभी की सब्जी, आमरस, खीर चूरमा का प्रसाद वितरण किया गया और श्रद्धालुओं ने भक्ति भाव से प्रसाद ग्रहण किया। इसके पूर्व भोग लगने के बाद हर भंडारे में मंडल के सदस्य रतन शर्मा एवं मंदिर के सहयोगी रांची गौशाला में जाकर गौमाता को भोजन कराया। श्री श्याम भंडारे में अध्यक्ष सुरेश सरावगी, महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया, मंडल के पूर्व राज्यसभा सांसद अजय मारू, अरुण खेमका, मीरा, आयुष, वर्षा, यस्तिका, रिशित खेमका, उपाध्यक्ष श्रवण ढानढनिया, मंत्री श्याम सुंदर शर्मा मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने सहयोग किया।

आय से अधिक संपत्ति मामला : सीबीआई जांच के दायरे में ईसीएल के तत्कालीन चीफ मैनेजर

रांची : केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के आरोप में गोड्डा स्थित ईस्टर्न कोलफील्ड लिमिटेड के राजमहल एरिया के तत्कालीन चीफ मैनेजर (खनन) परमेश्वर यादव के खिलाफ जांच शुरू कर दी है। सीबीआई की रांची स्थित भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने इस मामले में प्राथमिकी दर्ज की है। सीबीआई द्वारा दर्ज प्राथमिकी के अनुसार, परमेश्वर यादव पर 1 जनवरी 2019 से 22 मई 2025 की अवधि के बीच अपनी वैध आय के ज्ञात स्रोतों से 54 लाख से अधिक की संपत्ति अर्जित करने का आरोप है। सीबीआई को जानकारी मिली है कि एक जनवरी 2019 से 22 मई 2024 की अवधि के दौरान परमेश्वर यादव को सभी ज्ञात स्रोतों से 1.57 करोड़ रुपया का आय हुआ। इस अवधि में उन्होंने 1. 21 करोड़ रुपये खर्च किया। सीबीआई को जांच में पता चला कि इस खर्च के अलावा उन्होंने इस अवधि में 90 लाख 37 हजार 643 रुपये की चल-अचल संपत्ति या तो अपने या अपने परिवार के सदस्यों के नाम पर अर्जित की है। इस प्रकार उन्होंने अपनी आय से 54 लाख 572 रुपये अधिक की संपत्ति अर्जित की है। अर्जित संपत्ति के संबंध में उन्होंने संतोषजनक हिसाब नहीं दिया है।

जेवियरियन ट्राइबल एलुमनी एसोसिएशन की बैठक संपन्न, विद्यार्थियों को एकसूत्र में बांधने पर जोर

रांची : रांची स्थित गोस्सनर हाई स्कूल में जेवियरियन ट्राइबल एलुमनी एसोसिएशन की दूसरी बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में आदिवासी समाज के विकास पर चर्चा की गयी। साथ ही जेवियर्स कॉलेज के विद्यार्थियों को एकसूत्र में बांधने पर जोर दिया गया। स्कूल के प्रभारी प्रधानाध्यापक कुलदीप गुड़िया ने संगठन के उद्देश्य का संक्षिप्त परिचय देकर बैठक की शुरूआत की। उन्होंने बताया कि यह संगठन पूर्व और वर्तमान में संत जेवियर्स कॉलेज, रांची में अध्ययनरत आदिवासी छात्रों को एक सूत्र में बांधने का कार्य करेगा। कुलदीप गुड़िया ने बीएसएफ इंस्पेक्टर सजित टोप्पो का आभार प्रकट किया, जिन्होंने कश्मीर बॉर्डर पर ड्यूटी में होने के बावजूद बैठक के आयोजन की प्रेरणा दी। भारतीय वायुसेना के सेवानिवृत्त ग्रुप कैप्टन अल्बर्ट बा ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए संगठन के उद्देश्यों को बताया। उन्होंने कहा कि यह मंच आदिवासी युवाओं के सर्वांगीण विकास के लिए एकजुटता का प्रतीक है। उन्होंने बैठक में एक अंतरिम कमेटी के गठन का भी प्रस्ताव रखा, जिसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, तीन सचिव और दो कोषाध्यक्ष शामिल होंगे।

एक नजर

शिमला कॉलोनी चाकूबाजी मामले में घायल युवक की मौत

बोकारो : सिटी थाना क्षेत्र अंतर्गत सेक्टर 1 स्थित शिमला कॉलोनी में कुछ दिन पूर्व आपसी विवाद में हुई चाकूबाजी की घटना में घायल युवक की आज इलाज के दौरान मौत हो गई। मृत युवक का इलाज रांची के एक अस्पताल में चल रहा था, जहाँ आज सुबह उसकी मौत हो गई। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मृतक के परिजनों से मिलने पहुँची, लेकिन परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों का आरोप था कि मात्र एक आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजना पर्याप्त नहीं है, घटना में पूरा परिवार शामिल था, सभी की गिरफ्तारी होनी चाहिए। गौरतलब है कि घटना के बाद पुलिस ने आरोपी युवक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, वहीं घायल को बेहतर इलाज के लिए रांची रेफर किया गया था। आज सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने परिजनों को समझा-बुझाकर मामला शांत कराया और डेड बॉडी का पोस्टमार्टम कराकर उसे परिजनों को सौंप दिया। इस घटना के बाद शिमला कॉलोनी इलाके में तनाव का माहौल है, लेकिन पुलिस ने सतर्कता बरतते हुए स्थिति पर नियंत्रण बनाए रखा है। सिटी थाना प्रभारी ने बताया कि मामले की तथ्यात्मक जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षकों का इन हाउस प्रशिक्षण कार्यशाला का हुआ आयोजन

बोकारो : डॉ राजेन्द्र प्रसाद पब्लिक स्कूल रानीपोखर में शनिवार को शिक्षकों का सीबीएसई इन हाउस प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन स्कूल हॉल में किया गया। इस कार्यशाला की रिसोर्स पर्सन सीबीएसई की कंचन सिंह ने स्कूल के शिक्षकों को एक्टिव लर्निंग के माध्यम से छात्रों को पढ़ाने की विधि के बारे में बताई। इसके पूर्व रिसोर्स पर्सन के साथ स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार व उप प्राचार्य आलोक चतुर्वेदी ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यशाला का शुभारंभ किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में अनेकों प्रकार की क्रियाकलाप, शिक्षकों की ओर से करवा कर उन्हें द पावर ऑफ एक्टिव लर्निंग के महत्व को समझाया गया। इस अवसर पर उपस्थित शिक्षकों को एक्टिव लर्निगं के माध्यम से बच्चों को पाठ्यक्रम को लेकर अपनी ओर आकर्षित करते हुए उन्हें समझाने की विधि को बताया। जिससे बच्चे उस विषय को अच्छी तरह से समझकर पढ़ाई में रूची दिखा सकें। मौके पर स्कूल की शिक्षिका बिंदु सिंह, सरिता सिन्हा, गीता सिंह, विभा कुमारी, राखी कुमारी, साक्षी कुमारी, अनु सिंह, वीणा कुमारी,शकुंतला कुमारी आदि शामिल रहे। कार्यक्रम के समापन पर प्राचार्य मुकेश कुमार ने उन्हें धन्यवाद देते हुए उपहार देकर सम्मानित किया।

राशन वितरण व्यवस्था का हुआ औचक निरीक्षण

बोकारो : झारखंड मुक्ति मोर्चा के बोकारो महानगर अध्यक्ष मंटू यादव के निर्देश पर शनिवार को चास नगर निगम वार्ड संख्या 14 में राशन वितरण व्यवस्था का औचक निरीक्षण किया गया। इस निरीक्षण दल का नेतृत्व चासनगर उपाध्यक्ष दिनेश यादव एवं युवा क्रांतिकारी सुमन वर्मा ने किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वार्ड के सभी कार्डधारकों की सूची का अवलोकन किया और राशन वितरण की प्रक्रिया की बारीकी से जांच की। निरीक्षण के उपरांत उपाध्यक्ष दिनेश यादव ने बताया कि इस माह सभी पात्र कार्डधारियों को तीन माह का राशन एक साथ वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि किसी भी लाभुक को राशन मिलने में कोई कठिनाई न हो, इसके लिए प्रशासन पूरी तरह सजग है।

बोकारो जिला में फिर से आजसू संगठन होगा मजबूत : संतोष महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : आजसू पार्टी बोकारो जिला कार्यसमिति की बैठक आज बालीडीह स्थित जी.एम. हाई स्कूल परिसर में संपन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता बोकारो जिला अध्यक्ष सचिन महतो ने की, जबकि संचालन कमलेश महतो द्वारा किया गया। बैठक में पार्टी संगठन को जमीनी स्तर पर और सशक्त करने को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। इस दौरान जिला संयोजक संतोष महतो ने कहा कि सभी प्रखंडों एवं पंचायतों में कार्यरत कमेटियों की समीक्षा की जाएगी एवं आवश्यकतानुसार पुनर्गठन किया जाएगा। पार्टी अध्यक्ष सुदेश महतो जी की विचारधारा को हर कार्यकर्ता और जनमानस तक पहुँचाना हमारी प्राथमिकता है।वहीं जिला अध्यक्ष सचिन महतो ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को पूरी मुखरता के साथ उठाया जाएगा, और जरूरत पड़ने पर उन्हें आंदोलन का रूप दिया जाएगा। आजसू पार्टी सदैव जनता की आवाज बनकर कार्य करती आई है और आगे भी करती रहेगी।₹ इस अवसर पर केंद्रीय सचिव दुर्गा चरण महतो, संतोष महतो, बुच्चु सिंह, नवीन महतो, केंद्रीय सदस्य टिकैत महतो, सुरेश महतो, जिला कार्यकारी अध्यक्ष अशोक महतो, रंजीत बरणवाल, जिला उपाध्यक्ष अनिल झा, संतोष कुमार महतो, बंकू बिहारी सिंह, विकाश महथा, तपेश महतो, तपन महतो, राजेश बोराल, लखिन्दर महतो, ज्योति लाल महतो, अर्जुन महतो, सुखदेव महतो, दिनेश महतो, भृगु महतो, समरेश महतो, नूनी गोपाल महतो, बाबू लाल महतो, अमर पाल, बिरेंद्र हरि समेत सभी प्रखंडों के अध्यक्षगण एवं कई वरिष्ठ कार्यकर्ता उपस्थित थे। बैठक के अंत में सभी कार्यकताओं ने संगठन को और अधिक मजबूती देने का संकल्प लिया।

सड़क दुर्घटना में बाइक सवार दो युवकों की दर्दनाक मौत, एक गंभीर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : ईस्ट बसुरिया ओपी क्षेत्र के बड़की बौआ रंगलाल चौक के समीप दो बाइक आपस में जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक चला रहे दोनों बाइक चालकों की दर्दनाक मौत हो है। जबकि एक बाइक सवार गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है ।वारदात में एक बाइक सवार की पहचान नहीं हो पाई है। जबकि एक बाइक सवार की पहचान पथराकुल्ही निवासी सौरव बेलदार के रूप में हुई है। घटना के बाद उनके परिजन अस्पताल पहुंच गए हैं। घटना के संबंध में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि शुक्रवार की रात लगभग 9 बजे ईस्टबसुरिया ओपी क्षेत्र के बड़कीबौआ एट लाइन पर दो बाइक पल्सर और अपाची में जोरदार टक्कर हो गई। इस दौरान दोनों बाइक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिसे स्थानीय लोगों की मदद से इलाज के लिए धनबाद के एसएनएमएमसीएच दिया गया। जहां डॉक्टरों ने जांच के बाद दो युवकों को मृत घोषित कर दिया, वहीं एक की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। घायल युवक की पहचान पथराकूल्ही चौहान बस्ती निवासी कृष्ण कुमार के रूप में हुई है। जिसे गंभीर स्थिति में एसएनएमएमसीएच से अशर्फी अस्पताल रेफर कर दिया गया है। जहां उनका इलाज चज रहा है। जबकि एक युवक की पहचान पथराकुली चौहान बस्ती निवासी स्व. नारायण बेलदार के पुत्र सौरव बेलदार के रूप में हुई है, उसकी मौत की खबर पाकर उसके परिजन अस्पताल पहुंचे, परिजनों को रो रो कर बुरा हाल है ।खबर लिखे जाने तक दूसरे मृतक की पहचान नहीं हो पाई है।

समाज को समाज से जोडने का सुत्र, स्नेह मिलन : कौशल किशोर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : सर्व विदित है कि सामाजिक संस्था संकल्प सृजन समाज में एक सेतु की भूमिका निर्वह्न करता है। स्नेह -मिलन उसी सेतु की एक कडी है तो स्नेह के डोर से दो विषम समाज को जोडती है। यह डोर संभ्रात समाज के सुधि व परहितचिंतक जनों को अभिवंचित समाज से जोडने का प्रयास करती है। उक्त बातें कौशल किशोर राय ने अरूणोदय आश्रम (कार्यालय संकल्प सृजन) परिसर सेक्टर 9 ए, क्वार्टर नं० 530 में आयोजित स्नेह मिलन कार्यक्रम में बतौर अभिभावक कहे। संचार सौयोजिका इंदू देवी ने स्नेह मिलन के संबंध में जानकारी देते हुए कहा कि संभ्रात समाज के सुधि जन अपने घर में होने वाले मांगलिक या प्रसन्नता के अवसर सहित अपने पुण्यात्मा पुर्वजों की जयंती अथवा पुण्यतिथि के अवसर पर स्नेह-मिलन का आयोजन करते हैं। आयोजन का मूख्य उद्देश्य अभिवंचित वर्ग के बच्चों के साथ कुछ समय बिताना और उनके अनुकूल प्रतियोगिता आयोजित कर बच्चों का उत्साह बढाना होता है। कार्यक्रम संयोजिका अनिता देवी ने बताया कि स्नेह मिलन की आज 171वीं कडी है, जिसमें हमारे साथ विशिष्ट सेवाभावी नितीन त्रिपाठी, प्राची त्रिपाठी एवं परिजन उपस्थित होकर बच्चों के साथ पूरी तरह घूलमिलकर खेल और दोहा वाचन प्रतियोगिता से बच्चों को भरपूर स्नेह देने के साथ ही ज्ञान-दर्शन भी कराए। कार्यालय प्रभारी नेहा देवी ने बताया कि नितीन त्रिपाठी जी अपने पिता स्मृतिशेष श्रीनारायण त्रिपाठी जी के पुण्य तिथि पर यहाँ उपस्थित हुए और बच्चों के बीच स्वादिष्ट व पौष्टिक भोजन के साथ ही फल, मिठाई एवं पुरस्कार स्वरूप पठन-पाठन सामग्री भेंट किए। त्रिपाठी परिवार की पुत्रवधु जो स्वयं बच्चों की शिक्षा क्षेत्र से जुडी हैं, प्राची त्रिपाठी ने क्वीज एवं दोहा, कविता-वाचन प्रतियोगिता करवाकर बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

नवजीवन एकेडमी ने फिर रचा इतिहास बोर्ड परीक्षा में शत-प्रतिशत सफलता

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

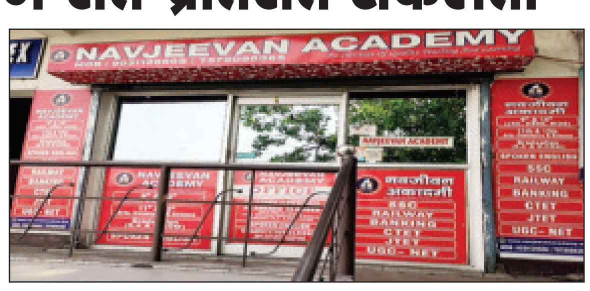

झरिया : शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता की मिसाल कायम करते हुए नवजीवन एकेडमी नुनुडीह ने झारखंड बोर्ड की 10वीं एवं 12वीं वार्षिक परीक्षा में शत-प्रतिशत सफलता हासिल कर एक बार फिर अपना परचम लहराया है। संस्थान के छात्रों ने तीनों संकायों- कला, वाणिज्य एवं विज्ञान में बेहतरीन प्रदर्शन कर संस्था की साख को और मजबूत किया है। कला संकाय के विद्यार्थियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए उच्च अंक अर्जित किए। छात्रा खुशबू कुमारी 420 अंक, रामजीत कुमार 398 अंक, अंजली कश्यप 396 अंक, भूमि कुमारी 393 अंक, अभिषेक कुमार महतो 386 अंक, साक्षी पांडेय 384 अंक, राहुल महतो 376 अंक, रानी कुमारी 321 अंक, निलाम कुमारी 300 अंक प्राप्त किया। वाणिज्य संकाय के छात्रों ने भी ज्ञान और मेहनत का शानदार परिचय दिया। छात्रा नेहा कुमारी 403 अंक, रोहित साधु 401 अंक, मो. सादाब 383 अंक, माही कुमारी 332 अंक, दलजीत कौर 328 अंक, प्रिया कुमारी 318 अंक, काजल कुमारी 310 अंक, रोशनी टुडू 300 अंक प्राप्त किया है। नवजीवन एकेडमी के निदेशक मिथलेश दास ने सभी सफल विद्यार्थियों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सफलता हमारे छात्रों की कड़ी मेहनत, शिक्षकों के मार्गदर्शन और अभिभावकों के विश्वास का परिणाम है। नवजीवन एकेडमी अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा का पर्याय बन चुका है और हम इसे भविष्य में और ऊँचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह परिणाम इस बात का प्रमाण है कि हमारा संस्था न केवल विद्यार्थियों को बेहतर परीक्षा परिणाम दिला रहा है, बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर, जागरूक और जिम्मेदार नागरिक बनाने की दिशा में भी निरंतर प्रयासरत है।

बोकारो में बकरीद हर्षोल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : बताते चले की बोकारो के जारंगडीह, कथारा, गोमिया, पेटरवार, कसमार सहित बोकारो थर्मल मे आज ईदुल अजहा का पवित्र पर्व हर्षोउल्लास और अकीदत के साथ मनाया गया जिसमें जारंगडीह बाजार, बाबू क्वाटर, माइंस क्वार्टर, 12 नंबर, 16 नंबर, बड़वा बेड़ा, खेतको, असना पानी सहित तमाम जगहों से आए और इमाम के द्वारा मस्जिदों में आज सुबह ईदुल अजहा की नमाज अकीदत के साथ पढ़ी गई और वतन मे देश में अमन, चैन, शांति, की खास दुआ की और ईदुल अजहा या कुबार्नी या बकरीद जैसे और कई नामो से इस पवित्र पर्व को जाना जाता है आज सात बजे से आठ बजे तक ईदगाह मे ईदुल अजहा की नमाज पढ़ी गई और मुस्लिम समाज के लोगो ने देश मे अमन, चैन, शांति की विशेष दुवाएं की गई और नमाज अदा करने के बाद तमाम मुस्लिम समुदाय मौजूद लोग ने एक दूसरे से गला मिल कर बधाई व शुभकामनाए दी और एक दूसरे को बकरीद की बधाई भी दी।

श्रम विभाग के अधिकारियों एवं कंपनी के अधिकारियों की आपस में साठ गांठ है : मजदूर

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

धनबाद : आर के कोल माइनिंग सलानपुर में मजदूरों की समस्याओं से रूबरू होने आए श्रम प्रवर्तन अधिकारी अपनी कागजी कार्रवाई खत्म करने के बाद पत्रकारों के सवाल सुनकर ही भाग खड़े हुए कंपनी के मजदूरों ने बताया कि श्रम विभाग से आए अधिकारियों ने एक-एक करके मजदूरों से उनकी समस्याओं के बारे में जानकारी ली कंपनी में कार्य कर रहे मजदूरों ने भारत सरकार के श्रम विभाग, धनबाद के अधिकारियों को बताया कि हम मजदूरों को कंपनी में ना तो एचपीसीए के तहत वेतन भुगतान किया जाता है, ना ही मेडिकल कार्ड बना है, ना ही मेडिकल सुविधाएं दी जाती है, न ही पे स्लीप दिया जाता है। इतना ही नही मजदूरों ने बताया कि किसी भी मजदूर को नियुक्ति पत्र भी नही दिया गया है जबकि काम किये हुए लगभग 2 वर्ष बीत चुके हैं। मजदूरों ने यह भी बताया कि प्रबंधन के द्वारा एक नोटिस मिला है जिसके तहत किया बताया गया है कि मजदूरों को अब 30 दिन की जगह महीने में 15 दिन ही काम मिलेगा। इस बात से सभी मजदूर आक्रोशित है। आक्रोशित मजदूरों के साथ कंपनी के अधिकारियों की नोंक झोंक भी हो गई। अधिकारियों ने सबकी कंप्लेन को लिखित रूप से अंकित किया। इसके बाद अंडरग्राउंड में काम करने के लिए भेजे जाने पर यदि कभी चोट आदि लगता है तो अपने पैसे से मजदूर इलाज करते हैं। मौके पर उपस्थित पत्रकारों ने जब मामले को लेकर श्रम विभाग के अधिकारियों से जानकारी लेनी चाही तो अधिकारी ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देने से साफ-साफ मना कर दिया। पत्रकारों के सवालों के बीच ही अधिकारी अपने वाहन पर बैठ कर भाग खड़े हुए। वहीं कंपनी के मैनेजर मुकेश कुमार ने बताया कि मजदूरों के द्वारा लगाए गए सभी आप बी बुनियाद है सभी मजदूरों को बीटीसी ट्रेनिंग भी कराया गया है और नियुक्ति पत्र भी दिया गया है मजदूरों से 30 दिन के जगह 15 दिन काम काम करवाया जाएगा इस पर अभी कंपनी के मोहर नहीं लगी है जिन मजदूरों को कम करने के दौरान चोट लगता है उन्हें कंपनी के द्वारा इलाज करवाया जाता है हालांकि उन्होंने मेडिकल कार्ड बनाने की बात से इनकार किया बता दे कि श्रम विभाग के अधिकारियों के जाने के बाद सभी मजदूर अपने आप को ठगे महसूस करने लगे। लोगों ने श्रम विभाग के अधिकारियों एवं कंपनी के अधिकारियों के साठ गांठ होने की बात कही। मौके पर सहदेव रवानी, मोहम्मद फैज, चंदन महतो, सुमित सिंह, रोहित महतो, राहुल शर्मा, संजय रवानी, संजीत दास, झरी महतो, चिंटू महतो, साजन महतो, गौतम कालंडी, तन्मय सिंह, शशि महतो, विक्की चौधरी, गौरव महतो, हसन, अली अकबर, शहजाद आदि मजदूर उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

भारत विकास परिषद ने निकाला गौरवशाली तिरंगा यात्रा

धनबाद : शनिवार को भारत विकास परिषद धनबाद मुख्य शाखा की ओर से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता के उपलक्ष्य में एक भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ आई.एस.एम परिसर से हुआ, जो पुलिस लाइन, कंबाइंड बिल्डिंग, सिटी सेंटर, सिंफर गेट होते हुए सिंफर कॉलोनी तक पहुँची। यात्रा के दौरान पूरा क्षेत्र भारत माता की जय, वंदे मातरम और जय हिंद के नारों से गुंजायमान हो उठा। आईएसएम और सिंफर के सैकड़ों छात्र, कर्मचारी व नागरिकों ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक इस यात्रा में भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य देश की तकनीकी शक्ति, ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और राष्ट्रभक्ति की भावना को जन-जन तक पहुँचाना था। इस अवसर पर सोमनाथ पृथी,पूर्व अध्यक्षकिशन गोयल,अध्यक्ष सुदीप चक्रवर्ती सचिव, पवित्र तुलस्यान कोषाध्यक्ष, पंजक कुमार,पूर्व सचिव संजय अग्रवाल पर्यावरण प्रमुख एवं अनेक सदस्यगण उपस्थित थे। साथ ही आईएसएम से डी. डायरेक्टर धीरज कुमार, खेल विभाग अध्यक्ष, संजय मंडल, स्पोर्ट्स ऑफिसर, अभिषेक वैश्य, अनिता कुमारी तथा सिंफर से डायरेक्टर अरविंद कुमार मिश्रा, डॉ. आदित्य राणा एवं अन्य वैज्ञानि सादस्यगन की गरिमामयी उपस्थिति रही। यह यात्रा राष्ट्रप्रेम, एकता और तकनीकी गौरव का अद्वितीय प्रतीक बनकर धनबादवासियों के दिलों में अमिट छाप छोड़ गई।

भाकपा-माले व बीसीकेयू की हुई संयुक्त बैठक

धनबाद : शनिवार को केशलपुर फुटबॉल मैदान में भाकपा-माले व बी सी के यू कि संयुक्त बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता ठाकुर महतो ने किया। बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा-माले पोलित ब्यूरो सदस्य हलधर महतो ने कहा कि केंद्र की सरकार मजदूर, किसान विरोधी सरकार है सार्वजनिक उद्योग को निजी कंपनी के हाथों बेच रही हैं। इसके विरोध में 9 जुलाई को देशव्यापी हड़ताल होने जा रही है। जिसकी तैयारी को लेकर विभिन्न जगहों पर बैठक मीटिंग एवं प्रचार अभियान भाकपा-माले के और से चलाया जा रहा है। कामरेड एके राय के जन्मदिवस के अवसर पर धनबाद से मजदूर संघर्ष संदेश जत्था भाकपा-माले महासचिव कामरेड दीपांकर भट्टाचार्य के हाथों से हरा झंडा दिखाकर जत्था को रवाना करेंगे। संदेश जत्था गोविंदपुर, बलियापुर, सिंदरी, कलियासोल, चिरकुंडा, मैथेन, पंचेत, निरसा, झरिया, धनबाद, बाघमारा, चंद्रपुरा, फुसरो, बेरमो, नावादीह, गोमिया, कसमार, बैंकमोड, सिवडीह, बोकारो स्टील सिटी गेट, बालीडीह, चास बाजार, चंदनक्यारी, अमलाबाद सहिद,हजारीबाग, रामगढ़ तक 15 जून से लेकर 4 जुलाई तक अभियान चलेगी। कामरेड एके राय का विचार जन-जन तक पहुंचाया जाएगा। जिसमें श्रम कानून, निजीकरण, विस्थापन, स्थानीय नीति, नियोजन नीति, भ्रष्टाचार इन मुद्दों को लेकर जनता के बीच संदेश पहुंचाया जाएगा। बैठक में सुनील कुमार महतो, रॉबिन महतो, दिलीप महतो, शंकर महतो, चेतू साव, उपेन गोप, रामासय सिंह, मानिक महतो, भैरवनाथ महतो आदि उपस्थित थे।

इंटरमीडिएट कला की परीक्षा में शहिद शक्तिनाथ महतो कॉलेज का अनु कुमारी ने किया नाम रोशन

धनबाद : इंटरमीडिएट कला की परीक्षा में शहिद शक्तिनाथ महतो स्मारक इंटर कॉलेज सिजुआ की छात्रा अनु कुमारी 445 अंक लाकर अपना और कॉलेज का नाम रोशन किया है। पुराना क्वार्टर की भाजपा राजगंज मंडल अध्यक्ष रंजीत सिंह ने अनु कुमारी को शॉल , बुके एवं मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। अनु ने जिले में सातवां स्थान हासिल किया है। एवं उज्जवल भविष्य की ढेर सारी शुभकामनाएं दी। मौके पर अमरेश कुमार, अजय साहनी, लक्ष्मण कुमार, लक्ष्मीकांत सिन्हा, महेश यादव, संजय सिंह, सुबोध सिंह, डब्लू कुमार, प्रदीप सिंह, सतेंद्र सिन्हा, मुकुंन सिंह, जुगल यादव, आदि उपस्थित थे।

बीएसएल ने ठेकेदारों के लिए सेवा अनुबंध प्रावधानों पर जागरूकता कार्यक्रम का हुआ आयोजन

बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग में शनिवार को सेवा अनुबंध के विभिन्न पहलुओं की समझ विषय पर 70 से अधिक ठेकेदारों के लिए एक जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बीएसएल में कार्यरत ठेकेदारों को सेवा अनुबंध की प्रमुख शर्तों, वैधानिक अनुपालनों की सटीक जानकारी प्रदान करना था, जिससे आउटसोर्स कार्य का निष्पादन कुशल, पारदर्शी एवं विधिसम्मत ढंग से सुनिश्चित किया जा सके। आज के औद्योगिक परिदृश्य में जब अनुपालन, पारदर्शिता एवं जोखिम प्रबंधन अत्यंत महत्वपूर्ण हो गए हैं यह पहल संविदात्मक जोखिमों को कम करने ठेकेदारों के साथ सहयोगात्मक संबंध सुदृढ़ करने तथा बीएसएल के परिचालन मानकों एवं दीर्घकालिक रणनीतिक लक्ष्यों के अनुरूप कार्य निष्पादन को सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कार्यक्रम में श्री शुभम वर्मा, वरीय प्रबंधक (ठेका प्रकोष्ठ - संकार्य) एवं सुजय दत्ता, उप महाप्रबंधक (मानव संसाधन -ठेका श्रमिक प्रकोष्ठ) ने बतौर संकाय सहभागिता करते हुए सेवा अनुबंध प्रबंधन से संबंधित महत्वपूर्ण बिंदुओं पर अपने बहुमूल्य अनुभव साझा किए। यह कार्यक्रम बीएसएल की उस प्रतिबद्धता का भी प्रतीक है जिसके अंतर्गत एक सजग, कानूनी रूप से सक्षम एवं सुरक्षा के प्रति संवेदनशील ठेकेदार कार्यबल का निर्माण किया जा रहा है, जो बीएसएल की संचालन उत्कृष्टता की दिशा में सहायक सिद्ध हो रहा है। कार्यक्रम का समन्वयन अमित आनंद, सहायक महाप्रबंधक (ज्ञानार्जन एवं विकास) के द्वारा किया गया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के ऋषिकेश रंजन, पर्यवेक्षक एवं सिधो चरण मुर्मू, प्रशिक्षक का सराहनीय योगदान रहा।

एक नजर

जनजातीय डिग्री महाविद्यालय में परीक्षा प्रवेश पत्र का वितरण शुरू

साहिबगंज: प्रखंड के शिबू सोरेन जनजातीय डिग्री महाविद्यालय बोरियो के 10 जून से प्रारंभ होने वाले यूजी सेमेस्टर-2 एवं सेमेस्टर-3 (पुराना कोर्स के विशेष परीक्षा) का प्रवेश पत्र महाविद्यालय में आ गया है। सभी छात्र छात्राओं के बीच परीक्षा प्रवेश पत्र महाविद्यालय के परीक्षा विभाग द्वारा वितरित किया जा रहा है। वहीं प्राचार्य मो. नजरुल इस्लाम ने अविलंब परीक्षा प्रवेश पत्र वितरण का निर्देश परीक्षा सहायक भोला साहा को दिया है।

गंगा विहार पार्क में मारपीट, युवक घायल

साहिबगंज: शहर के बड़ी झरना स्थित गंगा विहार पार्क में शनिवार को लड़की के साथ छेड़खानी करने के मामले को लेकर हुई मारपीट की घटना में एक युवक घायल हो गया। घायल युवक को इलाज के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। मिली जानकारी के अनुसार घायल युवक छोटी कोदरजन्ना गांव निवासी मो दिलदार का 19 वर्षीय पुत्र मो तौकीर खान है। घायल तौकीर खान का सर फट गया है। मामले को लेकर घायल तौकीर खान के दोस्त मो कादिर ने बताया कि बकरीद को लेकर हम तीन दोस्त अपनी बहन को लेकर पार्क घूमने आये थे हम तीनो दोस्त अलग घुम रहे थे। बहन व उनकी सहेली अलग घूम रही थी। इसी दौरान महादेवगंज के चार युवकों ने बहन व उनकी सहेली के साथ छेड़खानी करने लगा। हमलोग मना किये तो उन चारों लड़को ने मारपीट कर बांस से मो तौकीर खान का सर में वार कर बुरी तरह घायल कर दिया।

पुलिस ने वाहन सघन जांच अभियान चलाया

उधवा: बकरीद पर्व के मद्देनजर और क्षेत्र में अपराध नियंत्रण के उद्देश्य से, राधानगर पुलिस ने शनिवार देर शाम को उधवा-बरहरवा एनएच-80 पर थाना के सामने एक सघन एंटी-क्राइम वाहन चेकिंग अभियान चलाया। थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज के नेतृत्व में पुलिसकर्मियों ने सड़क से गुजर रहे सभी दोपहिया और चारपहिया वाहनों की बारीकी से तलाशी ली। वाहनों के कागजात की जांच के साथ-साथ, संदिग्ध गतिविधियों पर भी पैनी नजर रखी गई। पुलिस ने बताया कि इस अभियान का मुख्य मकसद आपराधिक तत्वों पर लगाम लगाना और त्योहार के दौरान शांति व सुरक्षा व्यवस्था बनाए रखना था। बताया कि ऐसे अभियान नियमित रूप से चलाए जाएंगे ताकि क्षेत्र में अपराध को नियंत्रित किया जा सके।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में तीन घायल

साहिबगंज: तालझारी थाना क्षेत्र अंतर्गत महाराजपुर तीनपहाड़ मुख्य सड़क के बीच तालझारी थाना अंतर्गत मदनशाही पुल के समीप शनिवार को सड़क दुर्घटना में तीन लोग घायल हो गए। मिली जानकारी के अनुसार महाराजपुर मीना बाजार निवासी दीनानाथ महतो 22 वर्षीय, अपनी मां रीना देवी 40 वषीर्या एवं भतीजी कुसमा कुमारी 20 वषीर्या के साथ अन्य रिश्तेदारों के लिए कपड़ा खरीदने महाराजपुर मीना बाजार से तालझारी के रास्ते तीनपहाड़ जा रहे थे। मोटरसाइकिल की रफ्तार तेज होने के कारण अनियंत्रित होकर मदनशाही पुल के पास लोहे के गाढ़वाल से टकरा गया। जिसके कारण तीनों मोटरसाइकिल से गिर गए और गंभीर रूप से घायल हो गए। कुसमा कुमारी के चेहरे पर गंभीर चोट लगने से सर फट गया और खून बहने लगा। उसी रास्ते कल्याणचक से तालझारी आ रहे है स्थानीय निवासी अहमद अली उर्फ गुड्डू ने जब सड़क किनारे सभी को घायल अवस्था में देखा तो तुरंत सड़क सुरक्षा योद्धा प्रजापति प्रकाश बाबा को इसकी सूचना दी।

ज्वेलरी दुकान लूट कांड में पुलिस ने तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राजमहल अनुमंडल कार्यालय कक्ष में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जानकारी दि कि दिनांक- 04 जून 2025 को राजमहल थाना में सूचना प्राप्त हुआ कि कल्याणचक बाजार स्थित अजीत शर्मा के ज्वेलरी दुकान में दो मोटरसाईकिल पर सवार कुछ अज्ञात व्यक्तियों के द्वारा चाँदी के जेवरात लूटकर भागने की घटना हुई है। तत्काल इस सूचना को वरीय पदाधिकारी को दी गई। एसपी अमित कुमार सिंह साहेबगंज के द्वारा कांड के उद्वेदन एवं अभियुक्तों की गिरफ्तारी हेतु अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल के द्वारा इस घटना में प्रयुक्त होने वाले दोनों मोटरसाईकिल एवं तीन (3) अभियुक्तों राजेश मंडल उर्फ मिथुन उम्र 31 वर्षीय, पिता स्वर्ग दशरथ मंडल, साकिन बांसकोला, थाना तालझारी, सुबोध मंडल उम्र 22 वर्षीय, पिता सीमाराम मंडल, साकिन शांतिनगर, थाना जिरवाबाड़ी, सागर मंडल उम्र 22 वर्षीय, पिता जगधर मंडल, साकिन चानन, थाना जिरवाबाड़ी, तीनों का जिला साहिबगंज को विधिवत पुलिस ने गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल अन्य सभी अभियुक्तों की पहचान की जा चुकी है। इस सबंध में राजमहल थाना कांड संख्या-174/25, दिनांक- 04 जून 25, धारा-300 (4) /115 (2)/351(2) बीएनएस एवं 27 आर्म्स एक्ट दर्ज कर अनुसंधान करने के उपरांत इस कांड में गिरफ्तार तीनों अभियुक्तों को न्यायिक हिरासत में भेजा जेल भेज दिया गया है। मौके पर छापामारी दल में विमलेश कुमार त्रिपाठी, अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल, श्याम लाल हाँसदा, पुलिस निरीक्षक राजमहल प्रभाग, अमित कुमार गुप्ता पुलिस निरीक्षक-सह-नगर थाना प्रभारी, नितेश कुमार पाण्डेय थाना प्रभारी तालझारी, मृत्युंजय कुमार पाण्डेय थाना प्रभारी तीनपहाड़, शशि सिंह थाना प्रभारी जिरवाबाड़ी, लव कुमार थाना प्रभारी गंगा नदी थाना, पुजा कुमारी महिला थाना प्रभारी राजमहल, पुअनि विक्रम कुमार राजमहल थाना, पुअनि विकास सेठ राजमहल थाना, पुअनि अनीश कुमार पाण्डेय नगर थाना, और अन्य सशस्त्र बल शामिल थे।

पुलिस ने 2.2 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को किया गिरफ्तार, भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : राधानगर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए प्रतिबंधित 2.2 किलोग्राम गांजा के साथ एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। उसे शनिवार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया है। मामले को लेकर थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज ने प्रेस कांफ्रेंस कर मामले का खुलासा किया। उन्होंने बताया कि पुलिस अधीक्षक साहिबगंज को गुप्त सूचना मिली थी कि राधानगर गाँव में हेमंत मंडल अवैध रूप से गांजा बेच रहा है। सूचना के सत्यापन और आवश्यक कार्रवाई के लिए अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी राजमहल और प्रखंड विकास पदाधिकारी उधवा के नेतृत्व में एक छापामारी दल का गठन किया गया। छापामारी दल ने राधानगर गाँव में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान हेमंत मंडल पिता स्व. भद्दु मंडल के कच्चे मकान में विधिवत तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान पुलिस ने कुल 2 किलो 200 ग्राम गांजा के साथ आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। मामले को लेकर थाना कांड संख्या 198/25 धारा 20/27 एनडीपीएस के तहत हेमंत मंडल के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई। गिरफ्तार अभियुक्त को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया। छापामारी दल मे अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी विमलेश कुमार त्रिपाठी,प्रखंड विकास पदाधिकारी जयंत कुमार तिवारी, थाना प्रभारी अमर कुमार मिंज,सअनि रविशंकर झा, उमेश तिवारी, मनोज कुमार पासवान, आरक्षी 300 बिनोद टुडू, 06 रामविलास पासवान आदि शामिल थे।

मोटरसाइकिल दुर्घटना में दो घायल, एक की मौत

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरहेट : थाना क्षेत्र अंतर्गत शनिवार को गोपलाडीह के समीप गोपलाडीह गांव निवासी अजमेश अंसारी उम्र 30 वर्षीय एवं उसके साथी जियाउर अंसारी उम्र 19 वर्षीय, इम्तियाज अंसारी उम्र 18 वर्षीय तेज गति मोटरसाइकिल से बरहेट की और आ रहा था। वहीं मोटरसाइकिल का संतुलन बिगड़ने के कारण मोटरसाइकिल दुर्घटना ग्रस्त हो गया। तीनो मोटरसाइकिल सवार को ग्रामीणों के मदद से सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बरहेट लाया गया। जहां डॉक्टर संतोष टुडू ने प्राथमिक उपचार किया। वहीं बेहतर इलाज हेतु तीनो को हायर सेंटर रेफर कर दिया गया। इस संबंध में बताया जा रहा कि इलाज करवाने हेतु पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा था। इसी दौरान रास्ते में अजमेश अंसारी की मौत हो गई। उनके घर वाले ने बताया की अजमेश अंसारी का दो छोटा छोटा बच्चा है। वहीं अजमेश के परिवार में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा जिससे पूरा गांव में मातम पसर गया है।

समदा गंगा घाट पर नहाने के दौरान किशोर हुआ लापता, जांच में जुटी पुलिस

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : गंगा नदी थाना क्षेत्र के समदा नाला गंगा घाट पर शनिवार की सुबह करीब साढ़े दस बजे तालझारी थाना क्षेत्र के बोहा परताबाड़ी निवासी गोपाल पासवान के 16 वर्षीय पुत्र आदित्य कुमार पासवान अपने घर से स्कूटी पर सवार होकर गंगा नदी में स्नान करने के लिए आया हुआ था। जहां गंगा नदी में स्नान करने के दौरान गहरे पानी में चले जाने के कारण किशोर लापता हो गया। उधर स्थानीय लोगों को घटना की जानकारी मिलने के बाद इसकी सूचना गंगा नदी थाना क्षेत्र की पुलिस को दी गई जिसके बाद प्रभारी थाना प्रभारी फुलेश्वर कुमार अकेला अपने दलबल के साथ समदा नाला गंगा घाट पहुंचकर पूरे मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। वही गंगा नदी में लापता किशोर के खोजबीन के लिए गोताखोरों की मदद ली जा रही है। उधर इस घटना के बाद से लापता किशोर के परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है।

साहिबगंज में धूमधाम से ईद-उल-अजहा बकरीद पर्व मनाया गया

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में पूरे धूमधाम से बकरीद पर्व को मनाया गया। जहां सुबह 7:15 बजे स्टेडियम रोड स्थित कब्रिस्तान में ईद उल अजहा का नवाज अदा किया गया। मौलाना बताते हैं कि ईद अल-अधा, जुलहिज्जा के 10वें दिन और इस्लामी कैलेंडर के 12वें महीने में मनाया जाता है। इस मौके पर ईदगाह या मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की जाती है। इस पर्व पर इस्लाम धर्म के लोग साफ-पाक होकर नए कपड़े पहनकर नमाज पढ़ते हैं और उसके बाद कुबार्नी देते हैं। पूरे साहिबगंज जिले में बकरीद का त्योहार बहुत ही धूमधाम से मनाया गया। बकरीद को ईद-उल-अजहा, ईद उल जुहा, अथवा ईद उल बकरा के नाम से भी जाना जाता है। यह त्योहार त्याग और इंसानियत का प्रतीक माना जाता है। इस्लाम धर्म में इसे यानी 'कुबार्नी का त्योहार' भी कहा जाता है। इस्लामिक कैलेंडर के मुताबिक, हर साल की ईद की तारीख चांद की स्थिति पर आधारित होती है। जुलहिज्जा की 10वीं तारीख को ईद-उल-अजहा मनाई जाती है, जो कि रमजान खत्म होने के 70 दिन बाद आता है। वहीं पूरे जिले के ईदगाह में नमाज अदा करने के बाद एक दूसरे को गले लगा कर ईद-उल-अजहा (बकरीद) पर्व का बधाई दिया। जहां पुलिस प्रशासन की ओर से ईदगाह, मस्जिद, चौक चौराहे, गली, मोहल्ले, अन्य जगहों पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी।

ईस्टर्न झारखंड चेंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के बैनर तले अभिनंदन समारोह का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : ईस्टर्न झारखंड चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के बैनर तले अ.म.ख. पंचायत भवन बड़ी धर्मशाला में शनिवार को अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। जिसमें जेएमएम केंद्रीय प्रवक्ता पंकज मिश्रा का भव्य स्वागत चेंबर संरक्षक सज्जन कुमार पोद्दार, सुनील कुमार भरतीया, नवीन भगत, आफताब आलम, अध्यक्ष राजेश अग्रवाल, महासचिव अंकित केजरीवाल, सह सचिव मो जाहिद व अजय डोकानिया, कोषाध्यक्ष विवेक कुमार, उपाध्यक्ष मोहित, चंद्रदेश्वर प्रसाद सिन्हा उर्फ बोदी सिन्हा, डॉ विजय कुमार, डॉ सुमित, डॉ भीमराव अंबेडकर मंच के संरक्षक अनूप लाल हरि, रतन साह, शुभम तिवारी, चन्दन रॉय सहित शहर के गणमान्य लोगों, राजनीतिक पार्टी सदस्यों ने अंग वस्त्र व पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया। वही मंच संचालन चेंबर ऑफ कॉमर्स के संरक्षक नवीन भगत ने किया। स्वागत भाषण चेंबर अध्यक्ष राजेश अग्रवाल व समापन भाषण सचिव अंकित केजरीवाल ने किया। मौके पर मो अनवर अली, प्रो कमल महावर, बार काउंसिल सचिव अधिवक्ता विजय कर्ण, डॉ रविशंकर झा, पिंटू साह, सोने लाल गुप्ता, मो सद्दाम हुसैन, ब्रह्म कुमारी सेवा केंद्र संचालिका बिंदु दीदी, नीतू दीदी व सुशीला दीदी, काशीनाथ शर्मा, पवन अग्रवाल, अनिल कुमार सिंह, केशव तमाखूवाला, नवल किशोर मंडल, सोनू गुप्ता, अजय यादव, डॉ के के महावर, सुरेश प्रसाद साह, सहित शहर के व्यवसाई और गणमान्य नागरिक व राजनीतिक दल के सदस्य उपस्थित थे।

श्री परशुराम अखाड़ा ने प्रसिद्ध मानस पाठ कर्ता पंडित अभिषेक पाठक को किया सम्मानित

साहिबगंज : देशभर में अपने सुंदर भोजपुरी रस युक्त भजन के लिए प्रसिद्ध रामचरितमानस पाठ करता पंडित अभिषेक पाठक अपनी मंडली के साथ दो दिन से साहिबगंज आए हुए हैं। वे शहर के प्रसिद्ध लेखक डॉ रामजन्म मिश्र के परिवार में बालक हर्ष के उपनयन संस्कार के शुभ अवसर पर आयोजित संपूर्ण रामचरितमानस पाठ के लिए पधारे हैं। 6 जून के मध्य बेला से शुरू हुआ मानस पाठ 7 जून को हवन आरती एवं भजन कीर्तन के साथ समापन हुआ। इस अवसर पर श्री परशुराम अखाड़ा के सदस्यों ने उन्हें अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया। अखाड़ा युवा संयोजक अंकित पाण्डेय ने कहा कि पंडित अभिषेक पाठक का साहिबगंज आना अपने आप में गर्व की बात है उनके मुख वाणी से मानस पाठ को सुनकर यहां के लोग आनंदित हो गए। मौके पर नरेंद्र तिवारी, डॉ सच्चिदानंद मिश्रा, जंग बहादुर ओझा, अंकित भार्गव एवं शहर के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

ईदगाह व मस्जिद पर पहुंचे डीसी-एसपी लोगों से मिलकर दी बधाईयां

पाकुड़ : ज़िले में शनिवार को बकरीद के मौके पर उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी ने गांधी चौक स्थित मस्जिद, मालपहाड़ी रोड स्थित कब्रिस्तान आदि मस्जिदों एवं चौक चौराहों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान लोगों को ईद उल अजहा की तहेदिल से बधाईयां दी। उपायुक्त ने कहा कि ईद उल अजहा में आपसी भाईचारे का खास महत्व है तथा लोग गिले- शिकवे भुलाकर एक दूसरे को गले लगाते हैं। ईद उल अजहा के इस खास मौके पर उपायुक्त व पुलिस अधीक्षक ने सभी मस्जिदों और चौक चौराहों पर सुरक्षा के मद्देनजर दण्डाधिकारी के साथ पुलिस बल को तैनात किया गया है ताकि लोग खुशी से बेफिक्र होकर पर्व मनाए। वहीं सभी बीडीओ, सीओ, प्रतिनियुक्त दंडाधिकारी और थाना प्रभारी को निर्देश दिया गया कि सुरक्षा व्यवस्था में कोई चूक न हो। सभी अपने-अपने कार्य क्षेत्र में मुस्तैदी के साथ तैनात रहे। विशेष मानिटरिंग के लिए जिला कंट्रोल रूम से गतिविधियों पर नजर रखे गए। जगह-जगह ड्रोन कैमरों से निगरानी की जा रही है। अमन चैन के इस पर्व पर उपायुक्त एवं पुलिस अधीक्षक ने आमजनों को बधाई संदेश दिए।

परीक्षा में पिछड़े हुए बच्चों को फिर से तैयार करने के लिए हुई चर्चा

पाकुड़ : ज़िले में मैट्रिक एवं इंटर परीक्षा में जिन बच्चों का रिजल्ट आशा के अनुरूप नहीं आया वैसे बच्चों, उनके अभिभावकों एवं शिक्षकों के साथ समीक्षा बैठक कृषि उत्पादन बाजार समिति पाकुड़ में उपायुक्त मनीष कुमार व पुलिस अधीक्षक निधि द्विवेदी की संयुक्त अध्यक्षता में आहूत की गई। इसमें कुल 251 छात्रों के अभिभावक, शिक्षक उपस्थित थे। उपायुक्त ने सभी अभिभावकों एवं शिक्षकों को कहा कि परीक्षा में पिछड़े बच्चों को पुन: परीक्षा की तैयारी कराते हुए कम्पाटमेंटल परीक्षा में फार्म भराया जाय तथा परीक्षा पास करने का सुझाव दिया गया। साथ ही बच्चों को प्रतिदिन स्कूल भेजने का निर्देश दिया गया ताकि जिला का रिजल्ट शत प्रतिशत हो।

एकल महिलाओं को समाज में दिलाएंगे पहचान : कुमार दिलीप

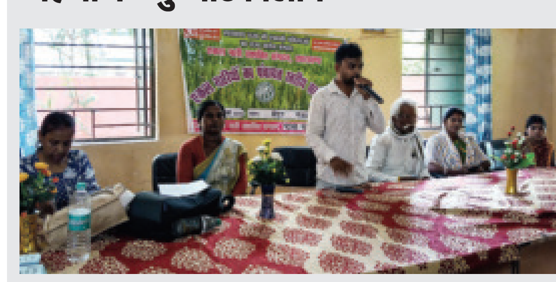

पटमदा: बिडरा पंचायत भवन में एकल नारी सशक्ति संगठन, झारखंड की ओर से पंचायत स्तरीय सम्मेलन संपन्न हुआ। इस पंचायत सम्मेलन में पंचायत के लगभग सैकड़ो एकल महिलाएं शामिल हुई। सम्मेलन में कुमार दिलीप ने कहा की एकल नारी सशक्ति संगठन, झारखंड 2005 में बनी है। तब से लेकर आज तक लगातार इन 20 वर्षों में 34000 से ज्यादा एकल महिला संगठन में सीधे तौर पर जुड़ी है। संगठन की उपलब्धियां को बताते हुए प्रीति गुड़िया ने कहा कि केंद्र सरकार अब तक हमें पेंशन के रूप में मात्र 200 देती है, बाकी 800 राज्य सरकार द्वारा दी जाती है। कुल मिलाकर हम एकल महिलाओं को 1000 मात्र पेंशन मिल रही है। हिमानी महतो में कहा कि हमने संगठन के तरफ से अलग-अलग समस्याओं का निदान के लिए संगठन को प्रति पंचायत लगातार विस्तार कर रहे हैं। पिछले 6 महीना में महुलबना पंचायत, कुमीर पंचायत में संगठन का विस्तार हुई है और प्रति महीना 9 तारीख और 10 तारीख को बैठक होती है। सामाजिक कार्यकर्ता विश्वनाथ महतो ने कहा कि एकल महिलाएँ किसी से कम नहीं हैं। वे न केवल अपने लिए, बल्कि अपने परिवार, समाज, और देश के लिए भी एक मजबूत आधार बन सकती हैं। सावित्रीबाई फुले, कल्पना चावला, और किरण बेदी जैसी अनेक महिलाओं ने अकेले अपने दम पर इतिहास रचा है। आइए, हम सब मिलकर एक ऐसे समाज का निर्माण करें जहाँ हर एकल नारी अपनी शक्ति को पहचान सके, अपने सपनों को उड़ान दे सके, और जीवन में हर ऊँचाई को छू सके। हमें यह याद रखना होगा कि एक सशक्त नारी ही एक सशक्त समाज की नींव है।

बकरीद का त्योहार तिरुलडीह और चौड़ा में सादगी व शांतिपूर्ण संपन्न

कुकड़ू: त्याग और बलिदान का प्रतीक पवित्र त्योहार ईद-उल-अजहा (बकरीद) शनिवार को कुकड़ू प्रखंड क्षेत्र के तिरुलडीह और चौड़ा में पूरे उत्साह और सादगी के साथ मनाया गया। इस अवसर पर मुस्लिम समुदाय के लोगों ने मस्जिदों और ईदगाहों में निर्धारित समय पर सामूहिक रूप से नमाज अदा की और एक-दूसरे को गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। नूरी मस्जिद, तिरुलडीह में पेशे इमाम कारी समीउल्लाह ने अकीदत के साथ नमाज अदा करवायी। नमाज के बाद उन्होंने देश में अमन, चैन और तरक्की की दुआ मांगी। कारी समीउल्लाह ने बताया कि बकरीद का त्योहार हजरत इब्राहिम अलैहिस्सलाम की सुन्नत को याद करते हुए मनाया जाता है, जिसमें मुस्लिम समुदाय कुबार्नी की परंपरा निभाता है। इस मौके पर समुदाय के लोगों ने अपने घरों में कुर्बानियां पेश कीं और सामाजिक एकता का संदेश दिया। बकरीद, जो ईद-उल-फितर के लगभग 70 दिन बाद ज़िलहिज्जा महीने की 10वीं तारीख को मनाई जाती है, मुस्लिम समुदाय के लिए विशेष महत्व रखती है। यह त्योहार न केवल बलिदान की भावना को दशार्ता है, बल्कि भाईचारे और परोपकार को भी बढ़ावा देता है।

राष्ट्रीय एकता का सूत्र अद्वैत

जीवन संघर्ष नहीं है। संघर्षपूर्ण जीवन तनाव देता है। पूरे जीवन को संघर्ष मानने का मूल द्वैतवाद है। द्वैतवाद का अर्थ है कि यहां इस जगत में दो प्रमुख पक्ष हैं। एक मैं हूं और दूसरा यह संसार। मैं हूं और दूसरे आप। मैं और तुम दो हैं। आध्यात्मिक तल पर ईश्वर एक है, दूसरा मैं हूं। भक्त और भगवान दो हैं। प्रकृति में प्रकाश और अंधकार का द्वैत है। शीत और ताप का द्वैत है। सब तरफ दो का दर्शन। सृष्टि में अनेक जीव हैं। वनस्पतियां हैं। सबके रूप भिन्न-भिन्न हैं। जैव विविधता खूबसूरत है। सामाजिक क्षेत्र में पंथिक विभाजन हैं। आर्थिक आधार पर गरीब और धनी में द्वैत है। जाति विभाजन में द्वैत है ही। लेकिन भारत में इस द्वैत के भीतर अद्वैत के दर्शन का विकास हुआ। अद्वैत का अर्थ है दो नहीं। दसों दिशाओं में व्याप्त एक ही परम तत्व भिन्न-भिन्न रूपों में रूप प्रतिरूप हो रहा है। पूरे अस्तित्व को एक जानने की अनुभूति ऋग्वेद के रचनाकाल में प्रकट हुई। उपनिषदों में व्यापक हुई। ब्रह्मसूत्रों में सिद्धांत बनी। बादरायण ने व्यवस्था दी। शंकराचार्य ने अद्वैत दर्शन का अभियान बनाया। रूप, लिंग, कुल, वंश, विश्वास, पंथ के आधार पर विभक्त समाज को अविभक्त देखने की दृष्टि अद्वैत कही गई। यह दर्शन निर्विकल्प है।

शंकर के अद्वैत का मूल अर्थ है इस अस्तित्व का प्रत्येक रूप और अंश उस एक ब्रह्म का ही रूप है। बृहदारण्यक उपनिषद में बहुत खूबसूरत ढंग से पूर्ण का अर्थ समझाया गया है। ऋषि कहते हैं, "यह पूर्ण है। वह पूर्ण है। यह पूर्ण उस पूर्ण का विकास है। पूर्ण में पूर्ण घटाओ तो पूर्ण ही बचता है। पूर्ण से पूर्ण का गुणा करने पर भी पूर्ण पूर्ण ही रहता है।" बहुत आश्चर्यजनक है यह पूर्ण। इसी पूर्ण के बोध में आनंद ही आनंद है। आचार्य शंकर के शब्दों में कहें तो उपनिषदों का आनंद सत चित आनंद है। यही सच्चिदानंद है। आनंद का अपना आनंद है।

तैत्तिरीय उपनिषद के ऋषि ने आनंद की मीमांसा की है और बताया है कि मनुष्य की तरुणाई, श्रेष्ठ आचरण, शील और बल संवृद्धि और धरती पर अधिकार यहां आनंद देता है। यहां आनंद के सारे स्रोत भौतिक हैं। ऋषि आगे जोड़ते हैं, "लेकिन इच्छारहित ज्ञानी को यह आनंद स्वाभाविक रूप से प्राप्त है।" फिर कहते हैं, "इस आनंद का 100 गुना आनंद गंधर्व आनंद है। गंधर्व आनंद संस्कृति का पर्यायवाची है। संस्कृति से जुड़े लोग साधारण मनुष्य की तुलना में 100 गुना आनंद पाते हैं।" लेकिन यह आनंद भी इच्छाशून्य ज्ञानी को स्वाभाविक रूप से प्राप्त है। आनंद के अनेक तल हैं। फिर पूर्वजों और पितरों के स्मरण को आनंदपूर्ण बताया गया है। यह भी अभिलाषाशून्य ज्ञानी को सहज प्राप्त है। आनंद अभीप्सु है। आनंद सब की प्यास है।

कठोपनिषद के ऋषि ने ठीक कहा है कि यह आत्मतत्व प्रवचन से नहीं मिलता और बुद्धि से भी नहीं। शंकराचार्य इसी ज्ञान को भारत के कोने-कोने तक पहुंचाने में संलग्न थे। उन्होंने अपने शिष्यों के साथ देश के प्रसिद्ध तीर्थों का दर्शन किया। तीर्थ केन्द्रों पर भी वेदांत विषय पर उन्होंने आमजनों का प्रबोधन किया और कड़ाई के साथ वैदिक परंपरा के विरोधियों की बातों का खंडन किया। उनके दिग्विजय अभियान में दक्षिण में सेतुबंध पहला पड़ाव था। मार्ग में उन्हें अनेक संतों विद्वानों से मिलने का अवसर मिला।

उन्होंने विद्वानों के प्रश्नों के उत्तर दिए। शंकर ने रामेश्वरम में पूजा की। फिर वह पांड्य और चोल क्षेत्रों की ओर बढ़े। जगह-जगह पर शास्त्रार्थ होते थे और वह सदाचरण व वेदांत को श्रेष्ठ बताते रहे। हस्तगिरि पर्वत पर अवस्थित कांचीनगर में आचार्य ने देवी के मंदिर की स्थापना की। फिर वे विदर्भ पहुंचे। राजा ने उनका स्वागत किया। वहां भैरवमातावनुयायियों की संख्या ज्यादा थी। आचार्य ने उन सबके बीच भी वेदांत दर्शन का विचार रखा। कर्नाटक प्रवास में आचार्य का सामना कापालिक मतानुयायियों से हुआ। इस मत का मुखिया आचार्य का विरोधी था। 'आदि शंकराचार्य जीवन और दर्शन' नामक पुस्तक में जयराम मिश्र ने लिखा है, "कापालिकों की पराजय हुई। आचार्य शंकर ने स्वयं भी महाकापाली भैरव की स्तुति की। फिर आचार्य पश्चिमी समुद्र के प्रसिद्ध तीर्थ गोकरना पहुंचे। शंकर और नीलकंठ का शास्त्रार्थ हुआ।" नीलकंठ और आचार्य के मध्य हुआ प्रश्नोत्तर दर्शन की अमूल्य निधि है। अंततः नीलकंठ ने आचार्य का शिष्यत्व स्वीकार कर लिया। आचार्य शंकर ने शिष्यों के साथ सौराष्ट्र क्षेत्र का भी भ्रमण किया।

सूडोकु नवताल- 7454

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7453 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

जिनकी हर पात में सेवा एवं संवेदना की झंकार हैं

ललित गर्ग

आप एक सेतु बन सकते हैं, जीवन-मुस्कान का, जिन्दगी बचाने वाला एवं सेवा करने वाला पुल। हम एक साथ मिलकर जीवन को बचा सकते हैं, जीवन में आने वाली बाधाओं को दूर कर सकते हैं, अंधेरों के बीच रोशनी बन सकते हैं। इसी सोच के साथ 'अक्षय सेवा' के संयोजक डॉ. रामअवतार किला पिछले दो दशकों से जरूरतमंद मरीजों को परामर्श, दवा एवं ईलाज की सुविधाएं उपलब्ध कराने में सतत रूप से कार्यरत हैं। उनके नेतृत्व में चलाए जा रहे 'हॉस्पिटल फूड ड्राइव' के अंतर्गत अप्रैल 2017 से दिल्ली के प्रमुख सरकारी अस्पतालों एम्स, सफदरजंग, राममनोहर लोहिया एवं 2023 से लेडी हार्डिंग मेडिकल कॉलेज के बाहर प्रतिदिन लगभग 2500 लोगों को निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। डॉ. किला के नेतृत्व में गत आठ वर्षों में अब तक 70 लाख से अधिक लोगों को इस पहल के अंतर्गत भोजन वितरित किया जा चुका है। इसके अतिरिक्त, एम्स पावरग्रिड विश्राम सदन सहित देश के छह अन्य शहरों पटना, लखनऊ, झज्जर आदि में रोगियों एवं उनके परिजनों के लिए 2000 से अधिक बिस्तरों की विश्राम सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है। ऋषिकेश में निमार्णाधीन ह्यमाधव सेवा विश्राम सदनह्ण, जिसमें 500 बिस्तरों की व्यवस्था होगी, जो जल्द ही जनसेवा के लिए समर्पित किया जाएगा। इस तरह डॉ. किला जिन्दगियों को बचाने वाले खूबसूरत पुलों का निर्माण करते हैं। उनकी जिन्दगी की हर पात में सेवा एवं परोपकार की झंकार सुनी जा सकती है।

समय की शिला पर मान, यश, सृजन-सेवा, निष्ठा-आस्था से भरी अनूठी कहानी हैं डॉ. रामअवतार किला की। प्रख्यात समाजसेवी,, गौसेवक, कर्मयोद्धा एवं जुझारू व्यक्तित्व के धनी डॉ. किला एक प्रसिद्ध चार्टर्ड एकाउंटेंट, कंपनी सेक्रेटरी एवं कॉर्पोरेट सलाहकार हैं, जिन्होंने अपने कैरियर में वित्तीय परामर्श और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में अद्वितीय योगदान दिया है। मूल रूप से राजस्थान के चुरू जिले से ताल्लुक रखने वाले डॉ. किला वर्ष 1977 में उच्च अध्ययन एवं कैरियर निर्माण के उद्देश्य से दिल्ली आए। उन्होंने वर्ष 1982 में कंपनी सेक्रेटरी (सीएस) तथा 1983 में चार्टर्ड एकाउंटेंसी (सीए) की डिग्रियां प्राप्त की। वित्तीय सेवाओं के क्षेत्र में अपनी अद्वितीय व्यावसायिक दक्षता, ईमानदारी एवं दूरदर्शिता के बल पर डॉ. किला ने 'परफेक्ट ग्रुप' के माध्यम से कॉर्पोरेट परामर्श में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। वह वर्तमान में परफेक्ट ग्रुप के चेयरमैन हैं। इसके अतिरिक्त वे कई सामाजिक एवं धार्मिक संगठनों के साथ सक्रिय भूमिका में जुड़े हुए हैं। वे समाज एवं परिवार के लिए एक प्रेरणा हैं, साहस के प्रतीक हैं, एक प्रकाश हैं और संवेदनाओं के पुंज सेवार्थी एवं परोपकारी व्यक्तित्व हैं। वक्त के अलग-अलग अवसरों पर इस दिव्य व्यक्तित्व की कहानी को सब कोई घटते हुए देख रहे हैं, एक इतिहास बनते हुए देख रहे हैं, एक सृजनात्मक जीवनगाथा को गुंथते हुए देख रहे हैं। डॉ. किला एक अनूठा एवं विलक्षण व्यक्तित्व है, जो उन्हें ठीक लगता है, वही करते हैं। वे बेचैन रहते हैं किसी के अभाव को देखकर। वे खिल उठते हैं किसी की मुस्कान को देखकर।

जैसे सूर्य की किरणें निर्ब्याज भाव से सभी को आलोकित करती है, ऊष्मा पहुंचाती है और चांद की किरणें सभी जगह फैलती है तथा सभी को अपने धवल-शीतल आगोश में सहलाती और तापमुक्त करती है, कुछ ऐसा ही व्यक्तित्व है डॉ. किला का। उनके ज्ञान, सेवा और स्नेह की निर्ब्याज और सतत प्रवाहित स्रोतस्विनी में जिसे भी एक बार अवगाहन करने का सुयोग मिला, वह इस अनुभूति से कृतार्थता का अनुभव किए बिना नहीं रह सका। उनके सान्निध्य से आदमी अचानक तापमुक्त और ऊंचा अनुभव करने लगता हैं। डॉ. किला को देखकर ही मैंने जाना कि आदमी इतना बड़ा होकर भी इतना निरहंकारी, सादगीमय एवं सरल होता है। उन्होंने अपने कर्म क्षेत्र में अनेक नये आयाम गढ़े और वित्त के क्षेत्र को भी अनेक रचनात्मक दिशाएं दी हैं।

गरीब एवं निर्धन वर्ग की सेवा में समर्पित डॉ. किला जैसे व्यक्तित्व विरल होते हैं, जिनकी सारस्वत साधना की सुरभि चतुर्दिक व्याप्त है तथा जिनकी यशोपताका सर्वत्र फैली हुई है, तथापि जो अपने व्यक्तित्व को सर्वथा सहज, अकृत्रिम एवं निष्कलुष बनाकर रखे हुए है। मधुरभाषी, व्यवहारकुशल, कुशल प्रशासक, जीवनदृष्टि को समझने में सजग एवं पटु डॉ. किला का जीवन समाजसेवा एवं संवेदनाओं से सराबोर है। 'कभी नहीं हारेगी जिन्दगी' के संकल्प के साथ जरूरतमंदों एवं अभावग्रस्त लोगों की जिन्दगी में रोशनी बनने वाले डॉ. किला 'भाऊराव देवरस सेवा न्यास' के संस्थापक ट्रस्टी एवं कोषाध्यक्ष है। डॉ. किला की प्रकृत-ऊर्जा विलक्षण हैं। वे कितने सारे सामाजिक, धार्मिक अनुष्ठानों, जिम्मेदारियों और सांस्कृतिक गतिविधियों से जुड़े हैं कि सेवा एवं परोपकार की कितनी शाखाओं और कितनी धाराओं से उनका परिचय रहा, यह देखकर आश्यचर्यचकित रह जाना पड़ता है। उनकी ज्ञान-पिपासा, कर्मठता और निरालस्य सजगता युवकों को चुनौती देने वाले गुण हैं। वे एक समर्थ सामाजिक कार्यकर्ता, चिंतक, मर्मज्ञ और संस्कृतिपुरुष के रूप में एक प्रेरणास्त्रोत बने हुए हैं। डॉ. किला शिक्षा के क्षेत्र में भी अग्रणी भूमिका निभा रहे हैं। वे 'अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच दक्षिणी दिल्ली' के संस्थापक अध्यक्ष हैं। मंच के तत्वाधान में राजस्थान से आने वाले छात्रों के लिये सुपर 30 कार्यक्रम के रूप में संचालित छात्रावास का संचालन करने के साथ ही सीए किला पिछले 25 वर्षों से अधिक समय से सैकड़ों चार्टर्ड अकाउंटेंट और एमबीए छात्रों का मार्गदर्शन भी कर रहे हैं। निम्न वर्ग के विद्यार्थियों हेतु निःशुल्क भोजन, आवास एवं शिक्षा की सुविधा भी प्रदान की जाती है व राष्ट्रीय स्तर पर रक्तदान, कैलिपर कैम्प, क्लेफ्ट लिफ्ट, अंगदान और पोलियो उन्मूलन शिविर आदि जैसे विभिन्न सामाजिक कार्यों में भी सक्रिय रूप से शामिल हैं। वे बड़े से बड़ा कार्य करते हैं लेकिन किसी सामान्य या छोटा-सा काम करने में जरा सा संकोच नहीं करते। अपने उच्च-स्थान का लाभ उठाने का लोभ उन्हें छू भी नहीं पाया। वे जो कुछ हैं, अपनी प्रतिभा, जिजीविषा, संकल्प, भक्ति और संघर्षजन्य शक्ति के बल पर हैं। उन्हें जीवन में अनेक बार कटु अनुभव भी हुए थे, किन्तु उनके व्यक्तित्व में उनका कोई दंश शेष नहीं, अपितु उनके जीवन में सतत-सात्विक मधुरता ही बढ़ती ही जा रही है। डॉ. किला को कभी भी परेशानियों ने विचलित नहीं किया। वे कहते हैं, मुझे लगता है, मुझे ईश्वर का आशीर्वाद प्राप्त हैं, जो कुछ करना चाहता हूं, वह कर रहा हूं। उनका जीवन साधन-सम्पन्न लोगों एवं जरूरतमंदों के बीच एक सेतु हैं, एक पुल है। आशा का पुल, सेवा का पुल, शांति का पुल, जिन्दगी की मुस्कान का पुल। सचमुच वे प्रेरणास्पद हैं और उनमें बड़े मानुष का बड़प्पन झलकता हैं। वे परिवार और समाज के साथ-साथ गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए स्नेह के छांव देने वाले बरगद ही हैं।

अनेक पुरस्कारों से सम्मानित डॉ. किला एक उच्च मूल्य मानकों को जीने वाले व्यक्तित्व हैं। उनके व्यक्तित्व में एक संपूर्ण मनुष्य के सारे गुण समाहित हैं। उनकी सहज आत्मीयता, खुलापन एवं मुक्त अट्टहास अनोखा हैं। उनके मुख पर सदैव मंद-मंद स्मिति ही विलसती हुई देखी जाती है। ऐसा प्रतीत होता है कि मानो उनका समग्र जीवन वित्त-विशेषज्ञता को समर्पित होकर भी सेवा के विविध आयामों से जुड़ा है। वे सामाजिकता की एक अनूठी मिसाल है। यही कारण है कि डॉ. रामअवतार किला को हाल ही में राजस्थान फाउंडेशन द्वारा दिल्ली चैप्टर का अध्यक्ष मनोनित किया है। इस संस्था के साथ साथ वह अन्य संस्थाओं में भी अपनी भूमिका निभा रहे है जिनमें मुख्य रूप से ट्रस्टी राजस्थान मित्र मंडल, श्री मथुरा वृंदावन हासानन्द गोचर भूमि ट्रस्ट, सदस्य अखिल भारतीय प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, पूर्व अध्यक्ष अखिल भारतीय वैश्य महासम्मेलन दक्षिणी दिल्ली, पूर्व अध्यक्ष रोटरी क्लब ऑफ दिल्ली वसंत वैली, संस्थापक परफेक्ट फाउंडेशन एवं परफेक्ट इंस्टिट्यूट ऑफ रिसर्च एंड डेवलपमेंट तथा सक्रिय सदस्य लॉयन्स क्लब, माहेश्वरी क्लब, दिल्ली पैनोरमा क्लब, राजस्थान रत्नाकर, रामकृष्ण सेवा संस्थान आदि। वे राजस्थान के होकर दिल्ली में राजस्थानी संस्कृति को जीवंतता देने में जुटे हैं।

विचारों, सामाजिक चेतना, धर्मनिष्ठा में गहरे रमे हुए डॉ. किला के जीवन और परिवार में अद्भुत सादगी और सात्विकता की व्याप्ति दिखायी पड़ती है। उनके बच्चे धार्मिक संस्कारों में शिक्षित-दीक्षित होकर आज अव्वल मुकामों पर अपने होने का अहसास करा रहे हैं। तमाम आधुनिक परिवेश के बावजूद डॉ. किला के संस्कारों के कारण उनमें सौम्यता और शालीनता दिखायी पड़ती है। लगता है डॉ. किला के व्यक्तित्व की सादगी, धर्मनिष्ठा, सामाजिकता एवं आध्यात्मिकता पूरे पारिवारिक परिवेश में व्याप्त है। सीए डॉ. किला एक ऐसे समर्पित व्यक्तित्व हैं, जिन्होंने न केवल अपने पेशेवर जीवन में अपूर्व ऊंचाइयां प्राप्त की हैं, अपितु सामाजिक सेवा को भी अपने जीवन का उद्देश्य बना लिया है। उनका जीवन वास्तव में आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत है।

मानवी हस्तक्षेप से दूषित पर्यावरण अब बना जीवसृष्टि के विनाश का कारण

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड में केवल पृथ्वी पर ही जीवन सम्भव है, क्योंकि यहाँ जीवन के लिए आवश्यक घटकों का बेहतर समन्वय स्थापित हुआ। हमारे आस-पास का पर्यावरण मानव विकास में सहयोगी है, लेकिन मनुष्य ने सभी सीमाएं लांघकर उन पर्यावरणीय घटकों को बेहद नुकसान पहुंचाया है, जिसके कारण पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया और यह अब मानव जीवन के लिए खतरनाक होता जा रहा है। प्राकृतिक संसाधनों का अत्यधिक दोहन, मिलावटखोरी, जहरीले रसायनों का अत्यधिक इस्तेमाल, यांत्रिक संसाधनों पर बढ़ती निर्भरता, बढ़ता इलेक्ट्रॉनिक अपशिष्ट, प्रदुषण, शोर, अशुद्धता, जंगल कटाई, सिमेंटीकरण, बढ़ता शहरीकरण, सरकारी नियमों की अवहेलना, वन्यजीवों के प्राकृतिक आवासों का नुकसान, ओजोन परत की क्षति, प्रकृति से छेड़छाड़ जैसी घटनाएं पर्यावरण को बर्बाद कर रही है, जिसके कारण प्राकृतिक आपदाओं में बेहद वृद्धि हुयी है। तापमान लगातार बढ़ रहा है, जिससे ग्लोबल वार्मिंग की समस्या बहुत तेजी से बढ़ी, जिसका सीधा असर जैव विविधता पर पड़ रहा है। पर्यावरण में अत्यधिक मानवीय हस्तक्षेप से समस्त जीवसृष्टि को आघात पहुंचा है। अब धीरे-धीरे इसका गंभीर परिणाम सबको भुगतना पड़ रहा है। युद्धस्तर पर हमें तत्काल पर्यावरणपूरक कार्यक्रलापों पर ध्यान देने की आवश्यकता है, वर्ना जीवसृष्टि का विनाश तो चल ही रहा है। पर्यावरण के प्रति जागरूकता हेतु हर साल 5 जून को विश्व पर्यावरण दिवस दुनियाभर में मनाया जाता है। इस वर्ष 2025 की थीम है, वैश्विक प्लास्टिक प्रदूषण समाप्त करें। यह विषय प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने और टिकाऊ विकल्पों को बढ़ावा देने की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण मौसम के ऋतुओं का चक्र बिगड़ गया है, अभी गर्मी में बारिश, बारिश में ठंडी, ठंडी में गर्मी तो कभी बारिश होती है, जिसका बुरा असर फसलों और स्वास्थ्य पर पड़ता है। फसलें खराब होती है, कहीं बाढ़ तो कहीं सूखे की गंभीर स्थिति उत्पन्न होती है, जिसका सबसे बड़ा खामियाजा किसान, छोटे व्यापारी और गरीबों को होता है, साथ ही वन्यजीव और जलचर प्राणी जगत को भी नुकसान पहुँचता है। शुद्ध जल से निर्मित हिमखंड पिघल कर समुद्र में समा जाते है, जिससे समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है और तापमान में लगातार वृद्धि जारी है। मानवी स्वास्थ्य बदलते मौसम के साथ लगातार कमजोर होता जा रहा है, जानलेवा घातक बीमारियां तेजी से जकड रही है, रोगप्रतिकारक क्षमता क्षीण हो रही है। अभी गर्मी में बढ़ती आर्द्रता दम घोटने वाली साबित हो रही है, जो शरीर को अंदर से उबाल रही है, ऐसा महसूस होता है। जीवसृष्टि के लिए वरदान ओजोन परत को लगातार नुकसान होने के कारण अब हमें खतरा निर्माण हो रहा है, इस शोर-शराबे और प्रदूषित वातावरण के कारण हमारा मानसिक स्वास्थ्य भी तेजी से बिगड़ता है।

आनेवाली पीढ़ी के हिस्से का प्राकृतिक संसाधन हमने पहले ही खत्म करना शुरू कर दिया है, ऊपर से जहरीले वातावरण में लगातार वृद्धि कर रहे है। हम अपने स्वार्थ में इतने अंधे हो चुके है, कि हमारे घर के बाहर कोई हराभरा वृक्ष है, जो हमें शुद्ध ऑक्सीजन, छाया, फल, फूल, नमी देता है फिर भी हम ये सोचते है कि इस वृक्ष को काटकर उस जगह पर अतिक्रमण कर लें। मनुष्य की ऐसी हरकतों के कारण ही चहचहाते पंछियों ने घनी आबादियों से दुरी बना ली। शहरों से बहने वाली नदियां अब गंदगी भरी नालों में तब्दील हो चुकी है। बहुत बार देखा जाता है कि, अधिकारियों या निविदा पर काम करनेवाले ठेकेदारों की लापरवाही का नतीजा आम जनता को भुगतना पड़ता है, जैसे :- थोडीसी बारिश में ही बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो जाती है और सरकार के दावों की पोल खोल देती है। बरसात आते ही सड़कों पर पानी जमा हो जाता है, हर तरफ खड्डे पड़ जाते है, कही रास्तों पर दिन में पथदीप शुरू और रात को बंद रहते है, तो कही ट्रैफिक सिग्नल बंद रहते है, तो कही सड़कों पर नल का पानी बहता रहता है, तो कहीं ठेकेदार रास्तों पर गड्डे खोदकर छोड़ देते है। प्रतिबंधित प्लास्टिक बैग और घातक रसायनों का धड़ल्ले से प्रयोग नजर आता है। कहीं खुले में कचरा जलाया जाता है, तो कहीं सड़क किनारे ही कचरे का ढेर लग जाता है। अनेक बस्तियों में सड़क पर मवेशी, कुत्ते डेरा जमाए हुए रहते है। कहीं बरसों तक एक ही काम धीमी रफ्तार से चलता रहता है और जनता परेशान होती रहती है। मनुष्य की गैरजिम्मेदाराना हरकते और लालच ने अब मनुष्य जीवन को ही तबाह करना शुरू कर दिया है।

अमेरिका स्थित एक स्वतंत्र गैर-लाभकारी अनुसंधान संगठन, हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीट्यूट द्वारा जारी एक रिपोर्ट में पाया गया कि 2021 में दुनिया भर में 8.1 मिलियन मौतें वायु प्रदूषण के कारण हुईं। इन मौतों के अतिरिक्त, लाखों लोग गंभीर दीर्घकालिक बीमारियों से पीड़ित हैं, जो स्वास्थ्य देखभाल प्रणालियों, अर्थव्यवस्थाओं और समाजों पर भारी दबाव डाल रही हैं। 2021 में, वायु प्रदूषण के कारण पांच वर्ष से कम आयु के 700,000 से अधिक बच्चों की मृत्यु हुई, जिससे यह कुपोषण के बाद, इस आयु वर्ग में मृत्यु के लिए विश्व स्तर पर दूसरा सबसे बड़ा जोखिम कारक बन गया। इनमें से 500,000 बच्चों की मृत्यु, मुख्यतः अफ्रीका और एशिया में, प्रदूषणकारी ईंधन का उपयोग करके घर पर खाना पकाने के कारण उत्पन्न वायु प्रदूषण के कारण हुई। विश्व आर्थिक मंच अनुसार, जलवायु संकट के कारण 2050 तक 14.5 मिलियन लोगों की मृत्यु हो सकती है, यदि उत्सर्जन को कम करने के प्रमुख उपायों में सुधार नहीं किया गया। 2050 तक 1.1 ट्रिलियन डॉलर का अतिरिक्त व्यय होने का अनुमान है। औसत तापमान पूर्व-औद्योगिक स्तर से 2.5° से 2.9° सेल्सियस तक बढ़ने की संभावना है। पाया गया कि बाढ़ से मौसम जनित मृत्यु दर का सबसे अधिक खतरा है, जिससे 2050 तक 8.5 मिलियन लोगों की मृत्यु हो जाएगी। सूखा, जो अप्रत्यक्ष रूप से अत्यधिक गर्मी से जुड़ा हुआ है, मृत्यु का दूसरा सबसे बड़ा कारण है, जिससे 3.2 मिलियन लोगों की मृत्यु होने की आशंका है। उत्पादकता में कमी के कारण, वर्ष 2050 तक गर्म लहरों के कारण सबसे अधिक आर्थिक नुकसान होगा, जो अनुमानित रूप से 7.1 ट्रिलियन डॉलर होगा। वायु प्रदूषण से होने वाली अत्यधिक मौतें, जिनमें सूक्ष्म कण पदार्थ और ओजोन प्रदूषण से होने वाली मौतें भी शामिल हैं, समय से पहले होने वाली मौतों का सबसे बड़ा कारण होने की आशंका है, जिसके कारण हर साल लगभग 9 मिलियन मौतें होती हैं। पर्यावरण की सुरक्षा ही जीवसृष्टि का आधार है, इसकी सुरक्षा हम सबकी जिम्मेदारी है। वायु और जल प्रदूषण को कम करने के उपायों को प्रभावी ढंग से लागू करना, उत्सर्जन नियमों को कड़ा करना, नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देना और अपशिष्ट प्रबंधन में सुधार करना। ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करने और जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने के लिए कदम उठाना, ऊर्जा दक्षता में सुधार करना और वनों की सुरक्षा करना। पारिस्थितिक तंत्र का संरक्षण एवं पुनर्स्थापन, वनों की कटाई में कमी, तथा टिकाऊ भूमि प्रबंधन प्रथाओं को बढ़ावा देना।

साहित्यिक बाजार और संवेदना का सौदा

डॉ. सत्यवान सौरभ

साहित्य आज साधना नहीं, सौदेबाजी का बाजार बनता जा रहा है। नकली संस्थाएं 1000 से 2500 रुपये लेकर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय' पुरस्कार बांट रही हैं। यह केवल साहित्य नहीं, भाषा की भी हत्या है। सहयोग राशि के नाम पर सम्मान बिक रहा है और सच्चे साहित्यकारों की साधना उपेक्षित हो रही है। ऐसे आयोजनों का बहिष्कार और पदार्फाश करने का समय आ गया है।साहित्य को बाजारू अपवित्रता से बचाने का यह सही वक्त है। यदि कोई पुरस्कार सहयोग राशि से खरीदा जा सकता है, तो वह पुरस्कार नहीं, एक बाजारू तमाशा है। साहित्य आत्मा की भाषा है, ना कि ट्रॉफियों की भीड़। नकली आयोजनों से हिन्दी ही नहीं, साहित्य की आत्मा घायल हो रही है।

साहित्य, आत्मा की पुकार है। वह सर्जक की साधना का फल होता है। वह तप, त्याग और संवेदना की अभिव्यक्ति है। आजकल सोशल मीडिया, व्हाट्स ऐप और ई-मेल पर साहित्यिक आयोजनों के नाम पर संदेश आते हैं कि सहयोग राशि से पुरस्कार पाएं। कुछ तथाकथित संस्थाएं और व्यक्ति राष्ट्रीय, अंतरराष्ट्रीय, गौरव, रत्न जैसे भारी-भरकम शब्दों से सजे पुरस्कारों का जाल बिछाकर साहित्यप्रेमियों को लुभाते हैं। सच्चाई यह है कि पुरस्कार नहीं, सम्मान की नीलामी हो रही है। इन आयोजनों के अधिकांश आयोजक एक जैसी वेबसाइटें, नकली अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं के नाम और सोशल मीडिया प्रचार का सहारा लेकर लोगों को भ्रमित करते हैं। वे एक निश्चित शुल्क लेकर एक ट्रॉफी, सर्टिफिकेट और कभी-कभी एक ऑनलाइन समारोह की व्यवस्था करते हैं, जो केवल आत्मप्रशंसा का साधन होता है, न कि वास्तविक मान्यता।

इन आयोजनों के पीछे अकसर एक चतुर चाल होती है। इसे सहयोग राशि या प्रेस रिलीज खर्च कहकर नैतिक जामा पहनाया जाता है। पुरस्कार एक साधक को उसके योगदान पर दिया जाना चाहिए, ना कि उसकी जेब देखकर। जब कोई लेखक अपनी मेहनत से एक रचना गढ़ता है, तो वह अपने समय, जीवन और संवेदना का अंश उड़ेलता है। और फिर कुछ लोग आते हैं-पैसा दो, पुरस्कार लो। क्या यह साहित्य की आत्मा का अपमान नहीं? यहां साहित्य एक उत्पाद बन गया है और लेखक उपभोक्ता। पुरस्कार की शर्तें रचनात्मक मापदंड पर तय नहीं होतीं, बल्कि यूपीआई भुगतान और स्क्रीनशॉट की पुष्टि पर होती हैं। ऐसे आयोजनों के जरिए न सिर्फ साहित्य को ठगा जा रहा है, बल्कि हिन्दी और अन्य भारतीय भाषाओं के नाम पर योजनाबद्ध गिरावट फैलाई जा रही है। जो सम्मान कभी राष्ट्रगौरव का प्रतीक होता था, वह अब टिकट खरीदकर पाई जाने वाली वस्तु बन गया है। यह भाषायी संस्कृति पर हमला है, जिसका संगठित बहिष्कार आवश्यक है। अनेक फर्जी अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार विदेशी नामों की आड़ में भारत के भीतर ही संचालित हो रहे हैं। इन आयोजनों का एक ही उद्देश्य होता है-नाम की आड़ में पैसा कमाना और साहित्यिक गंभीरता का शोषण करना।

सच्चा साहित्यकार पुरस्कार के लिए नहीं, समाज के लिए लिखता है। वह पुरस्कार के पीछे नहीं भागता, पुरस्कार उसकी साधना के पीछे भागते हैं। आज जरूरत है ऐसे छलछंद को उजागर करने की है, जो साहित्य को सिर्फ एक सेल्फी इवेंट बना रहे हैं। पुरस्कारों की गारंटी देने वाले लोग दरअसल साहित्य की आत्मा के हत्यारे हैं। ऐसे पुरस्कारों से ना केवल साहित्यिक गरिमा घटती है, बल्कि युवा लेखकों को एक गलत प्रेरणा मिलती है। इसलिए पुरस्कार पाने से पहले नामांकन शुल्क या सहयोग राशि मांगी जाए तो सतर्क हो जाइए। आयोजनों के पीछे कोई प्रतिष्ठित संस्थान ना हो, केवल फेसबुक पेज या गूगल फॉर्म हो-वे संदिग्ध होते हैं। किसी भी इंटरनेशनल पुरस्कार का आयोजन यदि केवल भारत के छोटे शहरों में हो रहा हो, तो जांच जरूरी है। वेबसाइट पर संस्थापक या निर्णायक मंडल की पारदर्शिता ना हो, तो यह लाल झंडी है।

भाषा की गरिमा बचानी है तो ऐसे नकली संस्थानों से मुक्ति पानी होगी। साहित्य कोई काजल की कोठरी नहीं कि कोई भी चला आए, काजल लगा ले और चला जाए। यह साधना है, सेवा है, संघर्ष है। साहित्य की दुनिया में यह जो बनावटी रोशनी जगाई जा रही है, वह दरअसल एक अंधेरा है। सच्चे लेखक और पाठक ही मिलकर इस अंधकार को मिटा सकते हैं। अगर साहित्य की आत्मा को जीवित रखना है, तो जरूरी है कि हम ऐसे नकली पुरस्कारों के खिलाफ आवाज उठाएं। यह न केवल लेखन की प्रतिष्ठा की रक्षा करेगा, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को भी सिखाएगा कि पुरस्कार नहीं, सृजन और संवेदना ही साहित्य की असली पूंजी है।

हम साहित्य के उस युग में प्रवेश कर रहे हैं जहां आत्मा से अधिक महत्वपूर्ण पुरस्कारों का बॉयोडेटा हो गया है। आवश्यकता है उस धैर्य, विवेक और विवेचना की जो सच्चे रचनाकार को भीतर से मजबूत करे। ऐसे माहौल में सच्चे साहित्यकारों का मौन अपराध होगा। वे ही यदि इन नकली मंचों को अस्वीकार करेंगे, तभी मूल्यों की पुनर्स्थापना संभव होगी। यह सिर्फ बहिष्कार नहीं, एक सांस्कृतिक पुनर्जागरण की शुरूआत होगी। जहां पुरस्कार नहीं, विचारों की गूंज महत्वपूर्ण होगी। साहित्य की साधना को बचाने का यही समय है। आज नहीं बोले, तो कल शायद भाषा ही नहीं बचेगी।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

दैनिक पंचांग

8 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

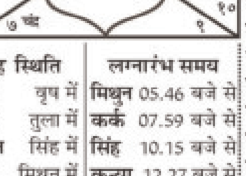

रविवार 2025 वर्ष का 159 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास ज्येष्ठ **पक्ष** शुक्ल
तिथि द्वादशी 07.18 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 12.42 बजे को समाप्त।
योग परिघ 12.18 बजे को समाप्त।
करण बालव 07.19 बजे तदनन्तर कौलव 20.29 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 11.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 22° 51'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872369
जूलियन दिन 2460834.5
कलियुग संवत् 5125
कल्यारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 11
विशेष प्रदोष व्रत।

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृष में	मिथुन	05.46 बजे से
चंद्र	तुला में	कर्क	07.59 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	10.15 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	12.27 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.38 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.53 ब.से
शनि	मीन में	धनु	19.09 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	21.14 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	23.00 बजे से
राहुकाल	4.30 से 6.00 बजे तक	मीन	00.33 बजे से
		मेष	02.04 बजे से
		वृष	03.44 बजे से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

गाजियाबाद में बकरीद पर केक काटा

चंदौली में नमाजियों की गाड़ी तोड़ी, संभल सांसद के घर के बाहर खून बिखरा मिला

लखनऊ। यूपी में कड़ी सुरक्षा के बीच आज ईद-उल-अजहा (बकरीद) मनाई गई। मस्जिद और ईदगाह में सुबह से नमाजी पहुंच गए। गाजियाबाद में लोगों ने बकरे की फोटो के साथ केक काटकर सांकेतिक कुर्बानी दी। मुस्लिमों ने कहा कि हमने भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर की अपील पर ऐसा किया। चंदौली में किसी ने नमाजियों की कार का शीशा तोड़ दिया। नाराज नमाजियों ने सड़क पर जाम लगा दिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। संभल में सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर के बाहर खून बिखरा मिला। इसे लेकर इलाके के लोगों ने विरोध प्रदर्शन किया। ईदगाह और जामा मस्जिद में नमाज के दौरान भारी संख्या में फोर्स तैनात रही। सीएम योगी, मायावती और अखिलेश यादव ने प्रदेशवासियों को बकरीद की बधाई दी। बरेली में इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष शहाबुद्दीन रजवी ने मौलानाओं से बकरीद पर आतंकवाद के खिलाफ तकरीर करने की अपील की। आगरा के ताजमहल में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज पढ़ी। प्रदेश में बकरीद पर करीब 30 हजार मस्जिद और 40 हजार ईदगाहों में नमाज अदा की गई। कानपुर, प्रयागराज, लखनऊ में ड्रोन से निगरानी की जा रही है। कानपुर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह मरकजी ईदगाह पहुंचे। वहां नमाजियों को बधाई दी। इससे पहले, सोमवार शाम सीएम योगी ने लॉ एंड ऑर्डर की बैठक की थी। इसमें कहा था बकरीद पर किसी भी प्रतिबंधित पशुओं जैसे गाय-नीलगाय और ऊंट की कुर्बानी नहीं होनी चाहिए। कुर्बानी के लिए जिलों में तय स्थान है। उससे अलग कहीं कुर्बानी हो तो कार्रवाई करें। आस्था का सम्मान होना चाहिए। उपद्रव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इसे देखते हुए पूरे प्रदेश में पुलिस अलर्ट मोड पर है। जगह-जगह पुलिस पैदल मार्च कर रही है। ताकि, सड़कों पर कुर्बानी न हो। सीएम के आदेश के मुताबिक, अगर कहीं विवाद की स्थिति बनती है तो पुलिस तहरीर मिलने का इंतजार न करे। तत्काल कदम उठाए। संभल के खग्गू सराय में सपा सांसद जियाउर्रहमान बर्क के घर बाहर गंदगी होने पर लोगों का गुस्सा भड़क गया। लोगों ने कहा- नगर पालिका की लापरवाही से सफाई व्यवस्था की पोल खुल गई है। डीएम डॉ. राजेंद्र पैंसिया ने बताया कि मामले की शिकायत मिलते ही संबंधित अधिकारियों को मौके पर भेजा गया। साफ-सफाई कराने के साथ हिदायत भी दी गई कि सड़क पर गंदगी बिल्कुल न दिखाई दे। सफाई कराने के लिए नगर पालिका परिषद संभल ईओ सहित सभी अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं। ईद-उल-जुहा पर सुरक्षा एवं गंदगी न हो, इसके लिए जोनल मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट एवं सब-मजिस्ट्रेट की तैनाती की गई है। गाजियाबाद के लोनी में कई मुस्लिम परिवारों ने अनोखे तरीके से बकरीद मनाई। उन्होंने केक पर बकरे की तस्वीर लगाकर सांकेतिक कुर्बानी दी। लोगों ने कहा कि हमने भाजपा विधायक नंदकिशोर गुर्जर की अपील पर ऐसा किया। विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने कहा- सभी वार्डों में लोगों ने उत्साह के साथ इको फ्रेंडली बकरीद मनाई है। दुनिया के कई देशों में कुर्बानी पर प्रतिबंध है। संभल एसपी केके. बिश्नोई ने कहा- जिले में हमारे पास 5 सर्किल हैं। सभी सर्किल में ईद की नमाज संपन्न कराई गई। ढअउ की 5 कंपनियां, फ्फ्रह के जवान के साथ निगरानी के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया गया। टीमों को तैनात किया गया है ताकि कुर्बानी की रस्मों के बाद अवशेषों का समय पर निपटान किया जा सके। ईद-उल-अजहा बहुत शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जा रहा है। किसी भी तरह की समस्या होने पर टोल-फ्री नंबर दिए गए हैं। शांति समिति की बैठकों में लोगों को सलाह दी गई है कि वे कानून-व्यवस्था को अपने हाथ में न लें। एक समय सीमा निर्धारित की गई है। शांति समिति की बैठकों के दौरान भी यही बताया गया है। सभी इसका पालन कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर उचित निगरानी रखी जा रही है। लखनऊ में झखढ के राज्यसभा सांसद दिनेश शर्मा ऐशबाग ईदगाह पहुंचे। उन्होंने कहा-सरकार की गाइडलाइन का पूरी तरीके से कमेटी के द्वारा पालन किया जा रहा है। मैं इस चीज की सराहना करता हूं। वहां देश की तरक्की को लेकर नमाज में पहली दुआ मांगी गई। दूसरी दुआ में अपनी आर्मी की मजबूती की कामना की गई। प्रयागराज में ईद-अल-अजहा पर सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पुलिस अलर्ट मोड पर रही। उढढ अभिषेक भारती ने पुलिस फोर्स के साथ घूमकर सुरक्षा का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा-सोशल मीडिया पर मॉनिटरिंग की जा रही है। बरेली में आज ईद-उल-अजहा की नमाज शांतिपूर्वक संपन्न हुई। हजारों लोगों ने एक साथ नमाज अदा की। ईदगाह पर देश की खुशहाली, अमन शांति और तरक्की के लिए एक साथ हजारों हाथ उठे। इस मौके पर छोटे-छोटे बच्चे भी रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर नमाज अदा करते नजर आए। ईद-उल-अजहा पर मस्जिदों में सुबह ईद की नमाज अता की गई। इसके बाद लोगों ने एक दूसरे को बधाई दी। लोगों ने एक दूसरे को ईदी भी दी। इस मौके पर देश में अमन और शांति की दुआ मांगी। नोएडा के सेक्टर-8 स्थित जामा मस्जिद में ईद की नमाज अता की गई। जिसमें हजारों लोग शामिल हुए। मुरादाबाद में ईद-उल-अजहा यानी (बकरीद) की नमाज कड़ी सुरक्षा के बीच अदा की गई।

नमाज को सकुशल सम्पन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए थे। ईदगाह के अलावा शहर की तमाम मस्जिदों में बकरीद की नमाज अदा की गई। शहर में शांति और सौहार्द का माहौल बना रहा और नमाज बाद लोगों ने एक दूसरे को गले मिलकर बधाई दी। ईदगाह में नायब शहर इमाम मुफ्ती फहद अली ने ईद उल अजहा की नमाज अदा कराई।

रोटरी बेंगलुरु जयानगर और रोटरी कुशीनगर ने अपने अनुभव किए साझा

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। अंतर्राष्ट्रीय सामाजिक संगठन रोटरी क्लब के दो अलग-अलग प्रांतों कर्नाटक के रोटरी क्लब बेंगलुरु जयानगर, डिस्ट्रिक्ट - 3191 एवं उत्तर प्रदेश के रोटरी क्लब कुशीनगर, डिस्ट्रिक्ट 3120 ने 'इंटर डिस्ट्रिक्ट-इंटर क्लब मीटिंग 'का आयोजन शनिवार को कुशीनगर के एक स्थानीय होटल में किया। बैठक का उद्देश्य रोटरी सदस्यों के बीच आपसी मेलजोल एवं सामाजिक कार्यों में नए विचार, योजनाओं एवं उपलब्धि के विषय में चर्चा करना था। रोटरी क्लब बेंगलुरु जयानगर के सचिव मोहम्मद फिरोज एवं रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष 'वाहिद अली' ने सभी सदस्यों का परिचय कराया तथा रोटरी फ्लैग का आदान-प्रदान किया। दोनों क्लबों ने अपने सामाजिक कार्यों का विस्तार पूर्वक उल्लेख किया।इस अवसर पर रोटरी क्लब बेंगलुरु जयानगर के सचिव मोहम्मद फिरोज, रोटरी क्लब कुशीनगर के अध्यक्ष वाहिद अली, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय गुप्ता, कोषाध्यक्ष दुर्गेश चतुर्वेदी, सह कोषाध्यक्ष सदरे आलम, अमरेन्द्र नारायण सिंह एवं आदिल खान उपस्थित रहे।

बिजली बिल को लेकर छोटे भाई की हत्या

कानपुर। 2000 रुपए बिजली बिल जमा करने को लेकर बड़े भाई ने छोटे भाई का मर्डर कर दिया। आरोपी ने पहले छोटे भाई के सिर पर 5 डंडे मारे। चीख सुनकर पिता मौके पर पहुंचे। पिता ने छोटे बेटे को पकड़ा। इसी दौरान जितेंद्र घर से बर्फ तोड़ने वाला सूजा उठा लाया और छोटे भाई के सीने में घोंप दिया। परिजन उसे उर्सला अस्पताल ले गए। जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस और फोरेंसिक टीम मौके पर पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। पुलिस ने बाप-बेटे को अरेस्ट कर लिया है। घटना बादशाहीनाका थाना क्षेत्र के हुसैन अफसर तिराहा के गुलियाना मोहल्ले की है। गुलियाना मोहल्ले में रहने वाले पवन यादव दिव्यांग हैं। वह बर्फ बेच कर घर चलाते हैं। उनके चार बेटे विजेंद्र, जितेंद्र, शेखर और राजेंद्र यादव हैं। पवन पिछले कुछ साल से परिवार से अलग किराए के मकान में रहते हैं। जबकि उनका बड़ा बेटा जितेंद्र भी मोहल्ले में ही किराए के मकान में 3 साल से अलग रहता है। वह चाय की दुकान चलाता है। पवन की पत्नी राजकुमारी देवी 3 बेटों विजेंद्र, जितेंद्र और शेखर के साथ रहती हैं। विजेंद्र पशु पालन करता था। बहन मेनका ने बताया कि घर में प्रीपेड मीटर लगा हुआ है। पिछले दो महीने से घर का बिजली बिल जमा नहीं हुआ था। इस वजह से इस महीने बिजली का बिल माइनस 2000 हजार हो गया था। चार दिन पहले कनेक्शन कट गया। घर की बिजली कटने के कारण घर में लोग परेशान थे। शनिवार सुबह करीब 8 बजे जितेंद्र घर पहुंचा। वहां छोटे भाई विजेंद्र से कहा- बिजली का बिल क्यों नहीं जमा किया? छोटे भाई विजेंद्र ने कहा- मीटर सभी के नाम है, इसलिए सभी लोग अपने-अपने हिस्से का पैसा दें, ताकि बिल जमा हो जाए। जितेंद्र ने बिल देने से मना कर दिया। इसके बाद दोनों में मारपीट शुरू हो गई। जितेंद्र ने विजेंद्र के सिर पर 5 डंडे मारे।

ढाढा चीनी मिलः गन्ना गोष्ठी में पेड़ी प्रबंधन, कीट नियंत्रण, सर्वेक्षण की दी जानकारी

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। गन्ना विकास समिति कसया क्षेत्र के नगरपालिका परिषद कुशीनगर अंतर्गत के मुंडेरा रत्न पट्टी में गन्ना फसल सुरक्षा पेड़ी प्रबंधन गोष्ठी ढाढा चीनी मिल द्वारा आयोजित की गई। जिसमें अधिकारियों और कृषि विशेषज्ञों ने किसानों को पेड़ी प्रबंधन, गन्ने में लगने वाले कीट के नियंत्रण, गन्ना फसल सर्वेक्षण, चीनी मिल की गन्ना विकास योजनाओं की जानकारी दी गई। शनिवार को आयोजित गोष्ठी में उत्तर प्रदेश गन्ना किसान संस्थान प्रशिक्षण केंद्र पिपराइच गोरखपुर के पूर्व सहायक निदेशक गन्ना वैज्ञानिक ओम प्रकाश गुप्ता ने बताया कि जहां गन्ना होगा वही विकास होगा। कसया गन्ना समिति परिक्षेत्र में 3500 कृषकों ने 4.69 लाख कुंतल गन्ना चीनी मिल को बेचा। जिसका 1712 लाख रुपए गन्ना मूल्य भुगतान मिल द्वारा किया गया। कहा कि किसानों के खुशहाली का राज ₹गन्ना फसल₹ है। अच्छी फसल के लिए सुझाव दिया कि जो किसान अभी तक गन्ना फसल में यूरिया के प्रयोग अंतिम मात्रा नहीं किये है, सिंचाई कर 50 केजी प्रति एकड़ युरिया शाम को प्रयोग करें। मुड़िया कीट नियंत्रण के लिए नेटजन या कोराजन मात्रा 150 मिली को 400 लीटर पानी में घोल कर जड़ों के पास डेन्चीग करें, दूसरे दिन सिंचाई करें, चीनी मिल ढाढा द्वारा कीटनाशक दिया जा रहा है। ढाढा चीनी मिल के अधिशासी अध्यक्ष करण सिंह के संदेश को बताया कि गन्ने की खेती अब ट्रैक्टर चलित मशीन से होगी। मजदूरों की समस्या दूर होगी, लागत घटेगी, उपज बढ़ेगा। मिल के गन्ना प्रबंधक गया शंकर शर्मा व वरिष्ठ अधिकारी दीपक तिवारी ने गन्ना सर्वेक्षण के विषय में बताया। कसया गन्ना समिति के सचिव सुरेंद्र कुमार चौहान ने बताया कि गन्ना मूल्य का भुगतान हो गया है। गन्ना सर्वे हो रहा है लगभग 15 से 20% गन्ना क्षेत्रफल घटने का अनुमान है। कृषि विशेषज्ञ जितेंद्र दुबे ने घास के नियंत्रण के लिए रक्षक -115- मिली और स्कूप -500ग्राम मिलकर 150 लीटर पानी के साथ सिंचाई के बाद छिड़काव की सलाह दी।अध्यक्षता प्रगतिशील किसान श्री रामनयन सिंह ने किया। इस अवसर पर भारी संख्या में किसान मौजूद रहे।

आईएमए ने भी दिया पीएमएस संघ को समर्थन

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन शाखा कुशीनगर की आपात कालीन बैठक में विगत 22 मई को सीएचसी तमकुही में प्रसव के बाद हुई प्रसूता की मौत को लेकर परिजनों व स्थानीय नागरिकों एव राजनैतिक व्यक्तियों द्वारा हो रहे गैर कानूनी धरना प्रदर्शन एवं डॉक्टर के खिलाफ एफआई आर व गिरफ्तारी की माँग को लेकर आईएमए कुशीनगर के डॉक्टरों के बीच आक्रोश दिखा एवं उक्त चिकित्सक के विरुद्ध किसी भी प्रकार की कार्यवाही होने की पर पूरे जनपद के आईएमए डॉक्टर के द्वारा आंदोलन करने की धमकी दी गई । उक्त प्रकरण पर चर्चा करते हुए आईएमए कुशीनगर अध्यक्ष डॉ ज्ञान प्रकाश राय ने कहा कि डॉक्टर समाज का एक जिम्मेदार व्यक्ति होता है। मेडिकल साइंस ने मौत पर विजय प्राप्त नहीं किया है ,डॉक्टर हर संभव अपने मरीज को बचाने की कोशिश करता है।उक्त मरीज की दुर्भाग्यवश हुई मौत पर हम सभी भी दुखी हैं।लेकिन इस प्रकरण पर हो रही राजनीति एवं डॉक्टर की गिरफ्तारी के लिए प्रशासन पर अनावश्यक दबाव स्वीकार नहीं है। आईएमए सचिव डॉ वाई के मद्देशिया ने कहा की अगर इस तरह का परिपाटी रहा तो इसका विपरीत असर समाज पर ही पड़ेगा। कोई भी डॉक्टर गंभीर मरीजों का इलाज करना नहीं चाहेगा। हम सभी की संवेदना मरीज के परिजनों के साथ है और आईएमए उनसे अनुरोध करता है की वे इस तरह प्रदर्शनों को तत्काल प्रभाव से समाप्त कर दें। बैठक में मुख्य रुप से डॉ अजय शुक्ला डॉ संदीप अरुण श्रीवास्तव , डॉ वी के सिंह , डॉ राजीव मिश्रा, डॉ अशोक सिंह , डॉ रामायण सिंह ,डॉ सी पी गुप्ता, डॉ विवेक सिंह , डॉ आर एस यादव, डॉ कमलेश ,डॉ आफताब , डॉ संजय पटेल , डॉ अनिल श्रीवास्तव, डॉ ए.समद, डॉ गिरिजेशजायसवाल,डॉ शुभ लाल , डॉ वी एस सिंह,आर के गुप्ता आदि मुख्य रूप से उपस्थित थे । सभी ने इन प्रदर्शनों की निंदा की और इसे तत्काल प्रभाव से समाप्त करने की अपील की, अन्यथा की स्थिति में आईएमए के डॉक्टर भी चुप नहीं बैठेंगे ।आईएमए ने प्रशासन से भी मांग किया कि इस तरह के प्रदर्शनों से डॉक्टर की छवि धूमिल हो रही है और इसे तत्काल प्रभाव से बंद होना चाहिए ।

मयादर्ा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन चरित को जीवन में उतारेः पीएन पाठक

संवाददाता

कुशीनगर। अहिरौली राजा में चल में चल रहे श्रीराम महायज्ञ के पांचवें दिन मुख्य अतिथि कुशीनगर विधायक पीएन पाठक व विशिष्ट अतिथि नगर पालिका परिषद अध्यक्ष प्रतिनिधि राकेश जायसवाल ने कथा व्यास गद्दी का पूजन किया गया और कथा वाचक को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। विधायक श्री पाठक ने कहा कि मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन चरित को जीवन में उतारने से जीवन सुखमय हो जाता है। कथा वाचक पंडित वीरेंद्र तिवारी ने राजा हरिश्चन्द की कथा का प्रसंग भक्तों को श्रवण कराया।

कहा कि अयोध्या के राजा हरीशचंद बहुत ही दानी राजा थे। उनके दान के चर्चे चारों तरफ थे पर उनकी कोई संतान नही थी। संतान की प्राप्ति के लिए वह अपने गुरु वशिष्ठ के पास पहुंचे तब गुरु वशिष्ठ ने वरुणदेव की आराधना की। वरुणदेव ने राजा को शर्त पर पुत्र प्राप्ति का वरदान दिया। उन्होंने कहा कि तुम्हे अपने पुत्र की बलि देनी होगी। राजा ने उस समय हां कर दी पुत्र प्राप्ति के बाद राजा ने घमंड में पुत्र की बलि नहीं दी। जबकि वरुणदेव ने कई बार राजा को अपने बचपन का स्मरण कराया। तब वरुणदेव ने उन्हें बीमारी का श्राप दे दिया।

वहीं गुरु वशिष्ठ को अपने राजा हरिश्चन्द्र के दानी होने पर गर्व था। एक दिन गुरु विश्वामित्र राजा हरिश्चन्द के दरबार मे पहुंचे और सारा राजपथ सहित सब कुछ मांग लिया। जब गुरु विश्वामित्र विदा में मांगते है। तब राजा पर कुछ नहीं बचता और वह खुद अपनी पत्नी व बेटे को बेचकर गुरु विश्वामित्र को विदा करते हैं। राजा हरिश्चन्द की दानवीरता सत्यनिष्ठ की कथा का प्रसंग सुन भक्त भाव विभोर हो जाते हैं। इस अवसर पर मण्डल अध्यक्ष राजेश राव अनिल प्रताप राव, विधायक प्रतिनिधि रूद्र प्रकाश सिंह, राजकुमार यादव, शिबलू सिंह, अजय जायसवाल, अमरनाथ गुप्ता, अशोक पटेल, उपेंद्र मिश्र, दुर्गेश जयसवाल, शिवम मद्धेशिया, आदित्य तिवारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त डायरी

हमीरपुर की जलालपुर पुलिस ने फरार चल रहे अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संवाददाता

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर की जलालपुर पुलिस ने अपराधियों की धरपकड़ के लिये चलाये जा रहे अभियान के तहत धारा 363/366/376 आईपीसी व 5(L)/6 पोक्सो एक्ट के मामले में फरार चल रहे 26 वर्षीय बिलगांव निवासी अभियुक्त अजय कुमार पुत्र किशना को ग्राम पुरैनी तिराहा से गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया। अभियुक्त को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में एस आई लाल बाबु सहित कांस्टेबल यशवीर सिंह शामिल रहे।

दबंग मोरम माफिया ट्रैक्टरों से अवैध परिवहन कर लगा रहे हैं शासन को लाखों के राजस्व का चूना

संवाददाता

हमीरपुर । उत्तर प्रदेश के ईमानदार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सख्ती और रोक के बावजूद हमीरपुर के कलौलीतीर,बरदहा और सहंजना में बेखौफ दबंग माफिया मोरम का अवैध खनन करने के साथ ही ट्रैक्टरों के जरिये अवैध परिवहन कर शासन को लगा रहे हैं लाखों के राजस्व का चूना, जबकि हमीरपुर खनिज विभाग के जिम्मेदार जानकर बने हैं अंजान। वही दबंग मोरम माफिया बेतवा में बन रहे बाईपास पुल के पिलरों के पास भी मोरम का भारी तादाद में अवैध खनन कर पुल शुरू होने से पहले ही किसी बडे.खतरे को दे रहे हैं दावत।

बकरीद की नमाज अदा कर अल्लाह से की दुनिया की सलामती की दुआ

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। शनिवार को ईद उल अजहा (बकरीद) के पर्व पर मुस्लिम समुदाय ने नमाज अता कर अल्लाह से दुनिया की सलामती खुशहाली की दुआ मांगी और खुदा की राह में कुर्बानियां दी। मुस्लिमधर्म के सभी बड़े पर्व मे से एक ईद उल अजहा का पर्व है ' ईद उल अजहा का पर्व रमजान के ईद उल फित्र के लगभग 70 दिनों के उपरांत आता है ' इस पर्व को भी ईद की तरह नमाज अदा किया जाता है और बाद नमाज इस पर्व पर हैसियत मंद आपने हिसाब से अल्लाह की राह मे जैसा की कुरान व इस्लामी किताबों मे जिक्र है लोग कुर्बानिया पेश करते है और कुरबानी के जानवर का गोस्त पुरे दोस्त अहबाब, रिस्तेदार व मोहल्ले मे तक्सीम कर मिल बाटकर खाते है ' गरीबो मे जकात सदका करतें है ' आज बुधवार को ईद उल अजहा का पर्व मुस्लिम धर्म के लोगो द्वारा जनपद कुशीनगर सहित क्षेत्रो मे धूम धाम से मनाया गया ' बाद नमाज अदा करने के बाद लोगो ने अपने अपने हैसियत के मुताबिक खरीदे गये जानवरो की कुर्बानिया किये और अपने रिस्तेदारो, दोस्त, अहबाब पडोसी मुहल्लो मे प्यार के साथ मिल बाटकर खाये ' कसया नगर सहित पुरे तहसील क्षेत्र के विभिन्न गावों मल्लूडीह, जोकवा, मिश्रौली, पिपराहिया, भरौली, शामपुर हतवा, डिघवा, बेलवा, धुरिया सबया, पतया, आदि जगहों पर ईद उल अजहा का पर्व मनाते व कुर्बानी करतें देखा गया।

सहारनपुर ट्रेड फेयर में सिलेंडर में ब्लास्ट, भीषण आग:30 दुकानें जलकर राख

सहारनपुर। ट्रेड फेयर मेले में शनिवार सुबह सिलेंडर फटने से भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि कुछ ही मिनटों में पूरा मेला लपटों की चपेट में आ गया। 30 से ज्यादा स्टॉल जलकर राख हो गए। घटना थाना सदर बाजार में दिल्ली रोड किनारे की है। मेले की फायर एनओसी नहीं थी। मौके पर मौजूद लोगों के मुताबिक, सुबह करीब 7.30 बजे मेला परिसर में तेज धमाका हुआ और लपटें उठने लगीं। इसके बाद आसपास के इलाके में अफरा-तफरी मच गई। लोग पहुंचे तो पता चला कि सिलेंडर फटा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के समय ज्यादातर दुकानदार नमाज पढ़ने गए थे। जो लोग अंदर थे वो धमाके की आवाज सुनते ही निकल कर भाग गए। फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। थोड़ी देर में फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और आग बुझाने जुट गईं। मुख्य अग्निशमन अधिकारी प्रताप सिंह ने कहा- एक बड़ा सिलेंडर फटने से आग लगी है। आग बुझाने में दो गाड़ियां लगीं। ईद की नमाज के दौरान इन गाड़ियों को ड्यूटी पर लगाया गया था। आसपास होने की वजह से 10 से 15 मिनट में आग पर काबू पा लिया गया। आग में किसी तरह की जनहानि की सूचना नहीं है। लेकिन, व्यापारियों को भारी नुकसान हुआ है। स्टॉल्स में रखे लाखों रुपए का सामान जल गया। फायर ब्रिगेड अधिकारियों का कहना है कि पहले गैस लीक हुई। फिर सिलेंडर फटा। इससे आग लगी। ट्रेड फेयर संचालक सेठपाल हैं। यह ट्रेड फेयर 15 मई से चल रहा है। अभी 15 दिन और चलना था। इस फेयर में लकड़ी के सामान, प्लास्टिक के खिलौने, शोपीस के स्टॉल के अलावा करीब 120 स्टॉल लगे थे। इनमें से 30 से ज्यादा जल गए। ट्रेड फेयर के एकदम बीच में एक चाय-नाश्ते की दुकान पर सिलेंडर फटा। इससे आग चारों ओर जल्दी फैल गई। ट्रेड फेयर में लगे झूले सुरक्षित हैं। यहां तक आग नहीं फैल पाई। ट्रेड फेयर में दुकान लगाने वाले ज्यादातर मुस्लिम हैं। जो बकरीद की नमाज पढ़ने के लिए सुबह ही निकल गए थे। कुछ लोग ही बचे थे, जो साइड में सो रहे थे। जब आग लगी तो सब सुरक्षित बाहर निकल गए।

रूस के केंद्रीय बैंक ने की नीतिगत ब्याज दर में 1 फीसदी कटौती

नई दिल्ली।

रूस के केंद्रीय बैंक ने नीतिगत ब्याज दर में 1 फीसदी की कटौती कर दी है।` जिससे रूस की नई बेंचमार्क पॉलिसी रेट 21 से घटकर 20 फीसदी हो गई है। यह सितंबर 2022 के बाद पहली बार है जब रूस ने ब्याज दरों में कटौती की है। फरवरी 2022 से ही यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझे रूस की अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे संतुलित विकास की ओर लौट रही है। रूस में अप्रैल 2025 में मुद्रास्फीति दर 6.2 फीसदी दर्ज की गई, जबकि पहली तिमाही में यह औसतन 8.2 फीसदी थी। रूस की मुद्रा रूबल साल 2025 में डॉलर के मुकाबले दुनिया में सबसे बढ़िया प्रदर्शन करने वाली करंसी बन गई है। रूबल का बढ़ना और महंगाई का कम होना बताता है कि रूस द्वारा अपनाई गई सख्त मौद्रिक नीति अब असर दिखा रही है। हालांकि, केंद्रीय बैंक ने साफ किया है कि नीति अब भी सख्त रहेगी, जब तक कि महंगाई को 4 फीसदी के लक्ष्य तक नहीं लाया जाता। बैंक का कहना है कि घरेलू मांग अब भी आपूर्ति के मुकाबले ज्यादा है।

मुकेश अंबानी ने आईसीटी को 151 करोड़ अनुदान देने की घोषणा की

मुकेश अंबानी ने 1970 के दशक में यहीं से की थी स्नातक की पढ़ाई

मुंबई।

देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी ने मुंबई के इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी) को 151 करोड़ रुपये का बड़ा दान देने की घोषणा की। ये दान उन्होंने अपने पुराने शिक्षक प्रोफेसर एमएम शर्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए दिया। यहीं से उन्होंने 1970 के दशक में स्नातक की पढ़ाई की थी। हाल ही में आईसीटी के वरिष्ठ और सम्मानित प्रोफेसर एमएम शर्मा की जीवनी डिवाइन साइंटिस्ट के विमोचन समारोह में मुकेश अंबानी ने कहा कि प्रोफेसर शर्मा और जेबी जोशी मेरे प्रोफेसर थे। अन्य संस्कृतियों में गुरु केवल शिक्षक होता है, लेकिन भारतीय संस्कृति में गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही महेश्वर हैं...मुकेश अंबानी ने कहा, 70 के दशक के मध्य में जब मैं एक छात्र के रूप में यहां आया था, तब यह इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी नहीं था, यह यूनिवर्सिटी डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी था। मैंने जानबूझकर आईआईटी बॉम्बे की जगह यूडीसीटी को चुना था। आज भी मुझे प्रोफेसर शर्मा का पहला व्याख्यान याद है और उन्हें सुनने के बाद मुझे विश्वास हो गया कि मैंने सही चुनाव किया है।

एसबीआई एमएफ, गोल्डमैन सैक्स, अन्य ने बजाज फिनसर्व में खरीदी हिस्सेदारी

नई दिल्ली।

एसबीआई एमएफ, मॉर्गन स्टेनली और गोल्डमैन सैक्स सहित अन्य ने बजाज फिनसर्व में प्रवर्तक संस्थाओं से कुल 5,506 करोड़ रुपये में 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी। एनएसई पर थोक सौदों के आंकड़ों के अनुसार जेपी मॉर्गन इंडिया, सिटीग्रुप ग्लोबल, सोसाइटी जनरल, एसबीआई लाइफ, बोफा सिक्योरिटीज और बार्कलेज मर्चेंट बैंक (सिंगापुर) भी खरीदारों में शामिल थे। आंकड़ों के अनुसार इन संस्थाओं ने बजाज फिनसर्व में 1.8 प्रतिशत हिस्सेदारी 1,925.20 रुपये प्रति शेयर के औसत मूल्य पर खरीदी। इस तरह संयुक्त लेनदेन मूल्य 5,506.07 करोड़ रुपये हो गया। इस बीच बजाज फिनसर्व की प्रवर्तक इकाई बजाज होल्डिंग्स एंड इन्वेस्टमेंट और जमनालाल संस ने समान कीमत पर समान संख्या में शेयर बेचे। हिस्सेदारी बिक्री के बाद बजाज फिनसर्व में प्रवर्तकों की हिस्सेदारी 60.64 प्रतिशत से घटकर 58.84 प्रतिशत रह गई।

सरकार बनाएगी विदेशी दिग्गज फर्मों को टक्कर देने वाली कंपनी

भारत की कंपनी बनने से विदेशी परामर्श कंपनियों पर निर्भरता हो जाएगी कम

नई दिल्ली।

केंद सरकार भी दु निया की चार दिग्गज परामर्श एवं ऑडिट कंपनियों को टक्कर देने वाली कंपनी बनाने की योजना बना रहा है। कंपनी मामलों के मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी की अध्यक्षता में एक समिति ऐसी देसी कंपनी बनाने के लिए जरूरी कदमों पर विचार करेगी।

यह समिति जरूरत पड़ने पर नीतिगत उपाय भी सुझाएगी। इस सिलसिले में हाल ही में पहली बैठक प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में हुई थी। प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराज, राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव और गौर मुखर्जी समेत शीर्ष सरकारी अधिकारी शामिल हुए थे।

प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने इन शीर्ष अधिकारियों के समक्ष वैश्विक स्तर की एक ऐसी भारतीय कंपनी तैयार करने का खाका पेश किया। सूत्रों ने कहा कि इस बैठक से पहले भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) ने भी इस विषय पर अपनी सलाह कंपनी मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों को दी थी। चार बड़ी कंपनियों डेलॉयट, पीडब्ल्यूसी, ईवाई और केपीएमजी को विभिन्न सरकारी मंत्रालयों एवं विभागों से काफी काम मिलता है। अब सरकार चाहती है कि ऐसी कंपनियों पर निर्भरता कम कर देश में ही एक कंपनी तैयार की जाए, जो ये काम कर सके।

पीएनबी ने घटाई होम और ऑटो लोन की ईएमआई

ब्याज दरों में कटौती 9 जून से प्रभाव में आएगी

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के रेपो रेट में कटौती के बाद अब सार्वजनिक क्षेत्र के पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने होम और ऑटो लोन की ब्याज दरों में कटौती का ऐलान किया है। पीएनबी ने बताया कि बैंक ने रेपो लिंक्ड लेंडिंग रेट में 0.50 फीसदी की कमी की है, जो 9 जून 2025 से प्रभाव में आएगी। इसके तहत अब पीएनबी का होम लोन 7.45 फीसदी और ऑटो लोन 7.80 फीसदी सालाना की दर से शुरू होगा। बैंक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट करते हुए कहा` कि हमारे ग्राहकों के लिए खुशखबरी, आपकी ईएमआई को अब और भी सस्ता बना दिया गया है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की हालिया बैठक में रेपो दर को 0.50 घटाकर 5.50 फीसदी कर दिया गया, जो कि फरवरी से अब तक कुल एक फीसदी की कटौती है। यह दर पिछले तीन वर्षों में सबसे निचले स्तर पर पहुंच चुकी है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने उम्मीद जताई कि ब्याज दर में हुई कटौती से देश की आर्थिक प्रगति को नई गति मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि, इस निर्णय का असर वित्त वर्ष 2025-26 की दूसरी छमाही में स्पष्ट रूप से देखने को मिलेगा।

पाकिस्तान अंदर से खोखला, वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट से खुलासा

लगभग 44.7 फीसदी पाकिस्तानी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिता रही है

नई दिल्ली। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति और भी` बिगड़ गई है, जैसा कि वर्ल्ड बैंक की हाली हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। इस रिपोर्ट के अनुसार लगभग 44.7 फीसदी पाकिस्तानी आबादी अब गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिता रही है, जो कि चिंताजनक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति सिर्फ शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आमिस मुनीर की असफलता का ही परिणाम नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की स्वाभाविकता को भी दर्शाता है। पाकिस्तान ने आतंकी साजिशों की बढ़ती चपेट में आर्थिक सहायता और अन्य आंकड़ों पर निर्भर होने की स्थिति में विकास के मामले में पीछे हो जाना है। अंतरराष्ट्रीय कर्ज और राहत पैकेजों पर निर्भर रहने वाले पाकिरे तान की आज भी प्राथमिकता देश का विकास नहीं बल्कि आतंकवाद को पालने-पोसने की है। चाहे आईएमएफ हो या फिर चीन जैसे मित्र देश, हर जगह से पाकिरे तान को भर-भरकर अरबों डॉलर का कर्ज़ मिल रहा है। इसके बावजूद वहां आवाम के जीवन स्तर में कोई ठोस सुधार नहीं आ पाया है। पाकिस्तान की आधी से ज्यादा आबादी अब रोजाना 1200 रुपये से भी कम पर गुजारा कर रही है, जो इस बात को साफ करता है कि सत्ताधारी वर्ग की योजनाएं जमीनी सच्चाई से कोसों दूर हैं। विकास के बजाय पाकिस्तान की सबसे बड़ी चिंता आज भी उसकी सेना और आतंकवाद को समर्थन देना है। हालिया वर्षों में पाकिस्तान ने सेना के बजट में लगातार इजाफा किया है। इतना ही नहीं वहां शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों को नजरअंदाज कर दिया गया है। इस वर्ष भी पाकिस्तान की सेना को बजट में भर-भरकर पैसा दिया गया है, जबकि देश में 39.8 मिलियन लोग चरम गरीबी की मार झेल रहे हैं।

सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी रही

सेंसेक्स 746.95 अंक चढ़कर 82,188.99 पर बंद

निफ्टी 817.55 अंक चढ़कर 56,578.40 पर बंद

मुंबई।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रेपो रेट में 50 बे सिस अंकों और सीआरआर में 100 बे सिस अंकों की कटौती की वजह से लगातार दो सप्ताह से चली आ रही` गिरावट के ` सिले सिले को तोड़ते हुए 6 जून को समाप्त सप्ताह में सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी बढ़त के साथ बंद हुए। बीते सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी में एक फीसदी की तेजी देखी गई। शेयर बाजार सप्ताह में पहले और दूसरे ` दिन` गिरावट ले किन बाकी तीन` दिन बढ़त के साथ कारोबार देखा गया। शेयर बाजार में सप्ताह के पांच` दिन कारोबार इस प्रकार रहा- एशियाई बाजारों से मिलेजुले रूखे के बीच भारतीय शेयर बाजार जून महीने के पहले कारोबारी` दिन सोमवार को बड़ी गिरावट लेकर लाल निशान में खुले। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 200 से ज्यादा अंक गिरकर 81,214 पर खुला और 77.26 अंक गिरकर 81,373.75 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 भी गिरावट के साथ 24,669.70 अंक पर खुला और 34.10 अंक गिरकर 24,716.60 पर बंद हुआ। मंगलवार को शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 194.65 अंक गिरकर 81,179.10 पर खुला और 636.24 अंक की गिरावट के साथ 80,737.51 पर बंद हुआ। निफ्टी 62.35 अंक गिरकर 24,654.25 पर खुला और 174.10 अंक गिरकर 24,542.50 पर बंद हुआ। दो दिन की गिरावट के बाद घरेलू शेयर बाजार बुधवार को हरे निशान पर खुला। शुरुआती कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 192.73 अंक के साथ 80,930.24 पर खुला और 260.74 अंक या 0.32 प्रतिशत चढ़कर 80,998.25 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी 174.10 अंक गिरकर 24,542.50 पर खुला और 77.70 अंक बढ़कर 24,620.20 अंक पर बंद हुआ। गुरुवार को सेंसेक्स शुरुआती कारोबार में 197.83 अंक चढ़कर 81,196.08 पर खुला और 443.79 अंक चढ़कर 81,442.04 अंक पर बंद हुआ। एनएसई निफ्टी 71 अंक चढ़कर 24,691.20 पर खुला और 130.70 अंक बढ़कर 24,750.90 पर बंद हुआ। भारतीय रिजर्व बैंक की ओर एमपीसी के फैसलों के एलान के बाद घरेलू शेयर बाजार में खरीदारी लौटी। सेंसेक्स 755.89 (0.92 फीसदी) अंकों की बढ़त के साथ 82,197.93 पर खुला और 746.95 अंक या 0.92 प्रतिशत चढ़कर 82,188.99 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी बैंक में भी मजबूत खरीदारी दिखी और यह 849.55 (1.52 फीसदी) अंक मजबूत होकर 56,610.40 के स्तर पर खुला और 817.55 (1.47 फीसदी) अंक चढ़कर 56,578.40 के स्तर पर बंद हुआ।

चीन में इलेक्ट्रिक सेडान मैक्सट्रो एस 800 लॉन्च

नई दिल्ली।

चाइनीज कंपनी हुवावे ने अपने नए लग्जरी इलेक्ट्रिक सेडान मैक्सट्रो एस 800 को लॉन्च किया है, जिसकी कीमत लगभग 1.20 करोड़ रुपये यानी एक मिलियन युआन से अधिक है। यह कार शेन्जेन में पिछले सप्ताह पेश की गई और इसे मर्सिडीज-बेंज ईक्यूएस, रोल्स-रॉयस स्पेक्ट्रे और बेंटले जैसी अल्ट्रा-लक्जरी कारों के मुकाबले उतारा गया है। मैक्सट्रो एस 800 का डिजाइन मर्सिडीज-मेबैक की लक्जरी वाइब देता है, जिसमें फ्रंट पर स्लीक एलईडी हेडलैम्प और सिल्वर जाली लगी है। इसके बड़े मल्टी-स्पोक पहिये, क्रोम ट्रिम्स, फ्लश फिटिंग डोर हैंडल और कूपरूफलाइन इसे आकर्षक बनाते हैं। कार के विंडशील्ड पर लिडार पैनल भी मौजूद है, जो एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (अडास) का हिस्सा है। इंटीरियर की बात करें तो केबिन में क्रिस्टल शिमर सीलिंग है, जिसे रोल्स-रॉयस ने भी इस्तेमाल किया है, जिससे छत तारों भरे आसमान जैसी लगती है। तीन स्क्रीन वाला डैशबोर्ड और 32 से अधिक अडास सेंसर इस कार को तकनीकी रूप से अत्याधुनिक बनाते हैं। हुवावे ने पहले भी सेरेस ग्रुप के साथ ऑटोमोटिव सेक्टर में कदम रखा है और अब मैक्ट्रो एस 800 के साथ लग्जरी कार बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है।

यह मॉडल 838 बीएचपी की पीक पावर देने में सक्षम है और कई पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध होगा। इस लॉन्च के साथ हुवावे इलेक्ट्रिक लग्जरी कारों के क्षेत्र में मर्सिडीज, रोल्स-रॉयस और बेंटले जैसे ब्रांडों को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में है। बता दें कि चाइनीज कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां अब तेजी से इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर बाजार में कदम रख रही हैं और इस रेस में हुवावे ने भी अपनी एंट्री कर ली है।

पामतेल के शुल्क में कटौती से कीमत स्थिर करने में मदद मिलेगी:विशेषज्ञ

नई दिल्ली।

पाम, सोया और सूरजमुखी सहित खाने के तेलों पर आयात शुल्क में कटौती करने से एफएमसीजी कंपनियों को अपने मार्जिन में सुधार करने और लागत को स्थिर करने में मदद मिलेगी। विशेषज्ञों ने यह राय जताई है। उन्होंने कहा कि दैनें दिन की जरूरत का सामान बनाने वाली कंपनियां खाद्य पदार्थों में पाम तेल का उपयोग करती हैं। ` जिससे न केवल खाद्य कंपनियों को फायदा होगा, जिनके लिए पामतेल उनके कच्चे माल की लागत का लगभग 25-30 प्रतिशत है, बल्कि साबुन निर्माताओं द्वारा उपयोग किए जाने वाले उत्पाद पीएफएडी (पाम फैटी एसिड डिस्टिलेट) की कीमतें भी कम होंगी। सरकार ने पिछले सप्ताह कच्चे खाद्य तेलों पर मूल आयात कर में 10 प्रतिशत की कमी की थी। शुल्क में कटौती 31 मई, 2025 से प्रभावी है। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स लिमिटेड (जीसीपीएल), जो सिंथॉल और गोदरेज नंबर वन जैसे साबुन ब्रांडों का मालिक है, ने इसे एक सकारात्मक कदम बताया। वैश्विक पाम ऑयल की कीमतों में नरमी के शुरुआती संकेतों के साथ-साथ यह कदम लागत को स्थिर करने में मदद करेगा। नुवामा इंस्टीट्यूशनल इक्विटीज की एक रिपोर्ट के अनुसार 10 प्रतिशत शुल्क कटौती उपभोक्ता मासिक मुद्रास्फीति को कम करेगी और खाद्य कंपनियों की लागत को कम करेगी।

भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी से उभर रहा स्टील सेक्टर

वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक स्टील उत्पादन स्थिर रहा

नई दिल्ली।

टाटा स्टील के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने शेयरधारकों को एक पत्र लिखकर बताया कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभर रही अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुका है। उन्होंने जनसंख्या संरचना, ढांचागत सुधार, कम महंगाई और सरकारी छूटों के चलते देश की आर्थिक स्थिति की प्रशंसा की। चंद्रशेखरन ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक स्टील उत्पादन स्थिर रहा, जबकि भारत में स्टील का उत्पादन और खपत में वृद्धि हुई है। टाटा स्टील ने भी देश में अपनी प्रबल प्रतिष्ठा बनाई है। कंपनी ने देशभर में योगदान देते हुए अपनी स्थिरता और विश्वसनीयता साबित की है। उन्होंने बताया कि टाटा स्टील ने सबसे ज्यादा कच्चा इस्पात उत्पादन किया और भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का समर्थन किया है। कंपनी ने ओडिशा में भारत का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस शुरू किया है, जिससे उनके पूर्वानुमान के अनुसार स्टील उत्पादन में वृद्धि होगी। इसके साथ ही, नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड ने भी अच्छे प्रदर्शन किया है। टाटा स्टील ने भारत में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी ने देशभर में अपनी फैक्ट्रियों को लगभग पूरी क्षमता पर चलाया और अब तक का सबसे ज्यादा कच्चा इस्पात उत्पादन किया, जो 21.7 मिलियन टन रहा। इस दौरान 20.9 मिलियन टन स्टील की डिलीवरी भी की गई। कंपनी ने ओडिशा के कलिंगनगर में देश का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस शुरू किया है, जो 27,000 करोड़ की फेज-2 विस्तार योजना का हिस्सा है। इसके अलावा, नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी ने 1,000 करोड़ का ऐ बिटा दर्ज किया और सकारात्मक फ्री कैश फ्लो भी हासिल किया।

इलेक्ट्रिक एसयूवी वीएफ 6 और 7 की टेस्टिंग शुरू

नई दिल्ली।

इलेक्ट्रिक एसयूवी निर्माता कंपनी विनफास्ट ने अपनी ऑल-इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी वीएफ6-7 की भारत में टेस्टिंग शुरू कर दी है। विनफास्ट की मुंबई समेत कई बड़े शहरों में टेस्टिंग जारी है, जिसमें कंपनी अपने वीएफ6 और वीएफ7 मॉडल की सार्वजनिक चार्जिंग नेटवर्क के साथ अनुकूलता और रियल-रंग रेंज का आकलन कर रही है। इसका मकसद यह समझना है कि ये वाहन भारत के विभिन्न इलाकों में उपलब्ध चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ कितना अच्छा तालमेल बिठा पाते हैं। विनफास्ट की योजना है कि वे इस साल के फेस्टिव सीजन में भारत में अपने इलेक्ट्रिक एसयूवीएस को लॉन्च करें। कंपनी ने भारत में अपनी सहायक कंपनी वी-ग्रीन चार्जिंग समाधान लाने की भी घोषणा की है, जो 60केडब्ल्यू से लेकर 300केडब्ल्यू तक की क्षमता वाले डीसी फास्ट चार्जर उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा, विनफास्ट ने टाटा पावर जैसे स्थानीय चार्जिंग पार्टनर के साथ भी सहयोग किया है, ताकि चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत बनाया जा सके और ग्राहकों को बेहतर सुविधा मिले। विनफास्ट की एसयूवीएस भारत के लिए विशेष रूप से अनुकूलित होंगी और कंपनी 5-स्टार भारत एनकैप सुरक्षा रेटिंग के लिए भी काम कर रही है। वीएफ6 और वीएफ7 दोनों ही 5-सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवीएस हैं, जिनमें 75.3 केडब्ल्यूएच की बैटरी लगी है। वीएफ7 में सिंगल मोटर वाला फ्रंट-व्हील ड्राइव 201 बीएचपी की पावर और 310 एनएम का टॉर्क देता है, जबकि डुअल मोटर वाला ऑल-व्हील ड्राइव वैरिएंट 348 बीएचपी पावर और 500 एनएम टॉर्क के साथ आता है। दोनों मॉडलों की रेंज लगभग 431 से 450 किलोमीटर के बीच है। कारें 35 मिनट में डीसी फास्ट चार्जर से 10 से 70 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती हैं। विनफास्ट ने भारतीय बाजार के लिए विशेष फीचर्स जैसे लेवल 2 अडास, एडजस्टेबल सीटें, और बड़े इंफोटेनमेंट डिस्प्ले दिए हैं।

विंडसर ईवी ने 6,304 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

नई दिल्ली।

जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने मई 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6,304 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। कंपनी की यह बिक्री पिछले साल के मुकाबले 40 प्रतिशत ज्यादा रही। विंडसर ईवी को लॉन्च के बाद से ही ग्राहकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। यह बढ़ोतरी एमजी की मजबूत ईवी पोर्टफोलियो, खासकर विंडसर ईवी और उसके प्रो वेरिएंट्स की बदौलत संभव हो पाई है। हाल ही में लॉन्च हुई विंडसर ईवी प्रो सीरीज ने इस रफ्तार को और तेज किया है। कंपनी ने एसेंस प्रो और एक्सक्लूसिव प्रो जैसे वेरिएंट्स उतारे हैं, जो 52.9 केडब्ल्यूएच की बैटरी से लैस हैं और एक बार चार्ज करने पर 449 किमी तक की प्रमाणित रेंज देती हैं। इनमें लेवल 2 अडास, व्हीकल-टू-व्हीकल (वी2वी) और व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं, जिससे ये कारें सुरक्षा और तकनीक के मामले में काफी आगे हैं। एमजी ने ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैट्री-एस-ए-सर्विस (बीएएएस) मॉडल भी पेश किया है, जिसमें ग्राहक बैटरी खरीदने की बजाय किराये पर ले सकते हैं। इससे वाहन की शुरुआती कीमत घटती है और ज्यादा लोगों तक ईवी पहुंच बनती है। कंपनी आने वाले महीनों में तीन नए इलेक्ट्रिक व्हीकल—सायबस्टेर, एम9 एमपीवी और माजेस्टेर एसयूवी लॉन्च करने की योजना में है। एमजी की लगातार बढ़ती बिक्री दर्शाती है कि अब ग्राहक सिर्फ ब्रांड नहीं, बल्कि तकनीक, रेंज और वैल्यू को प्राथमिकता दे रहे हैं।

टू-व्हीलर बिक्री में हीरो ने होंडा को पीछे छोड़ा

नई दिल्ली।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो ने होंडा को मासिक और वार्षिक दोनों आधार पर पीछे छोड़ दिया है। जारी आंकड़ों के मुताबिक, मई 2025 में टू-व्हीलर सेगमेंट में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। मई में हीरो ने 4,88,997 वाहन बेचे, जो अप्रैल 2025 में उसके 2,88,254 से लगभग 70प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्शाता है। वहीं, होंडा की बिक्री मई में 4,17,256 रही, जो अप्रैल के 4,22,931 की तुलना में करीब 1.34प्रतिशत की गिरावट है। सालाना आधार पर होंडा को मई 2024 की तुलना में 7.4प्रतिशत की गिरावट का सामना करना पड़ा। टॉप टू-व्हीलर ब्रांडों की बात करें तो टीवीएस ने मई 2025 में 3,09,287 बाइकें बेचीं, जो पिछले साल की तुलना में 14प्रतिशत की बढ़ोतरी है, जबकि बजाज की बिक्री में मामूली वृद्धि के साथ 1.63प्रतिशत की वार्षिक ग्रोथ दर्ज की गई। सुजुकी ने भी 17प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के साथ 1,07,780 इकाइयां बेचीं। वहीं, रॉयल एनफील्ड ने सबसे बड़ी सालाना ग्रोथ दिखाई, जिसकी बिक्री मई 2025 में 75,820 रही, जो पिछले साल की 63,531 से 19.34प्रतिशत अधिक है। मासिक आधार पर देखें तो बजाज और सुजुकी ने क्रमशः 1.48प्रतिशत और 13.2 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की, जबकि टीवीएस और रॉयल एनफील्ड की बिक्री में थोड़ी गिरावट देखी गई। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय टू-व्हीलर बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होती जा रही है, जहां हीरो ने अपनी पकड़ मजबूत करते हुए होंडा को चुनौती दी है।

बिहार में बकरीद की नमाज अता की गयी, अमन-चैन की मांगी दुआ

तिरंगा लेकर नमाज अदा करने पहुंचा युवकः पटना, भागलपुर, अररिया, मुंगेर बेगूसराय सहित पूरे बिहार में रही ईद की धूम

पटना। बकरीद के मौके पर राजधानी पटना के गांधी मैदान में आज हजारों की संख्या में नमाजियों ने नमाज अदा किया। सुबह से ही लोगों का हुजूम गांधी मैदान की ओर बढ़ने लगा था और निर्धारित समय पर सामूहिक नमाज शुरू हुई। जिला प्रशासन ने बकरीद को लेकर सुरक्षा के कड़े इंतजाम हैं। पटना जिलाधिकारी त्याग राजन सहित अन्य अधिकारी गांधी मैदान पहुंचे और बकरीद की बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि पहले से ही सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर निर्देश जारी किए थे। गांधी मैदान में 5 जून की शाम से लेकर 8 जून दोपहर 12 बजे तक आम लोगों का प्रवेश बंद कर दिया गया था, ताकि केवल नमाज अदा करने वाले ही यहां आ सकें। DM ने कहा कि इसके अलावा गांधी मैदान की निगरानी के लिए 128 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए थे और एक अस्थायी थाना भी स्थापित किया गया था। पूरे पटना में करीब 450 मजिस्ट्रेट और 1200 पुलिसकर्मी तैनात किए गए थे। किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए डॉक्टरों की टीम, एम्बुलेंस और अन्य मेडिकल सुविधाएं भी मौजूद थीं। प्रशासन ने आम लोगों के लिए हेल्पलाइन नंबर भी जारी किए थे, ताकि किसी भी तरह की समस्या या आपात स्थिति में तत्काल सहायता मिल सके। साथ ही सफाई व्यवस्था, पानी की उपलब्धता और ट्रैफिक कंट्रोल पर भी विशेष ध्यान दिया गया था। जिसके बाद आज हजारों लोगों ने शांतिपूर्ण तरीके से नमाज अदा की है। मुंगेर के आर एंड डीजे कॉलेज स्थित ईदगाह में शनिवार को ईद-उल-अजहा की नमाज अदा की गई। खानकाह रहमानी के सज्जादानशीं और ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के सचिव मौलाना अहमद वली फैसल रहमानी ने नमाज अदा कराई। पांच हजार से अधिक नमाजियों ने इस मौके पर कौम और देश की तरक्की की दुआ मांगी। नमाज में शामिल लोगों ने वक्फ बिल कानून 2025 का विरोध करते हुए बांह में काला पट्टी बांधी। मौलाना रहमानी ने अपने संबोधन में बकरीद के महत्व को समझाया। उन्होंने कहा कि यह त्योहार हजरत इब्राहिम और हजरत इस्माईल की कुबार्नी की याद में मनाया जाता है। यह त्योहार अल्लाह की रजा के लिए त्याग का संदेश देता है। उन्होंने हजरत इब्राहिम की परीक्षा का जिक्र किया। अल्लाह ने उनसे सबसे प्यारी चीज की कुबार्नी मांगी। हजरत इब्राहिम ने अपने बेटे इस्माइल की कुबार्नी देने का फैसला किया। लेकिन जब उन्होंने आंखें खोलीं तो देखा कि बेटे की जगह एक दुम्बा था और बेटा उनके पास बैठा मुस्कुरा रहा था। नमाज के बाद सभी लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर बकरीद की मुबारकबाद दी। डिप्टी मेयर खालिद हुसैन, श्रीमतपुर मुखिया प्रतिनिधि महफूज आलम, खेल प्रवक्ता महमूद आलम, जफर अहमद, मोहम्मद चांद मोहम्मद अली मोहम्मद सूफी, मिर्जापुर बरदह के मुखिया प्रतिनिधि मो. फिरोज, के घर पर पहुंच कर मुबारकबाद देने वालों का तांता लगा रहा। ईद उल अजहा को लेकर बड़ी संख्या में पुलिस बलों को सुरक्षा में लगाया गया। नमाज के दौरान ईदगाह के चारो ओर सुरक्षा के कड़ी इंतजाम किए गए थे। सीसीटीवी कैमरा और ड्रोन से नजर रखी जा रही थी। एसडीओ कुमार अभिषेक और एसडीपीओ अभिषेक आनंद, थानाध्यक्ष रुबिकान्त कच्छप, ध्रुव कुमार, सौरव कुमार, सहित यातायात डीएसपी प्रभात रंजन, सुरक्षा व्यवस्था पर नजरें बनाए हुए थे। एसपी सैयद इमरान मसूद के निर्देश पर बिहार विशेष सशस्त्र पुलिस बल के दो कंपनी को लगाया गया। इसके अलावा हर चौक चौराहा पर पुलिस जवानों को तैनात किया गया। शहर के संवेदनशील और अतिसंवेदनशील 75 स्थानों पर दंडाधिकारी के नेतृत्व में 250 पुलिस बल को तैनात किया गया। साथ ही, पुलिस गश्ती की विशेष व्यवस्था क्यूआरटी की टीम मोटर साइकिल से क्षेत्र भ्रमण करती रहीं। संवेदनशील इलाकों में दंगा नियंत्रण उपकरणों, लाठी, हेलमेट, बॉडी प्रोटेक्टर, केन शील्ड, टियर गैस गन सहित अन्य उपकरणों के साथ जवान तैनात देखे गए। भागलपुर में ईद-उल-जुहा(बकरीद) का त्योहार धूमधाम से मनाया जा रहा है। सहजांगी, बरहपुर, चंपानगर, सीटीएस मैदान, ततारपुर, अलीगंज, बरारी, खंजरपुर, आदमपुर के प्रमुख ईदगाह मैदान और मस्जिदों में हजारों लोगों ने विशेष नमाज अदा किया। प्रदेश के लिए अमन-चैन की दुआ मांगी। गले लगकर एक-दूसरे को बकरीद की बधाई दी। बकरीद पर शहर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चौक-चौराहों पर पुलिस बल की तैनाती की गई है। ड्रोन और सीसीटीवी से निगरानी रखी जा रही है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भी पैनी नजर है। अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। नमाजी मोहम्मद जमशेद ने कहा, 'बकरीद हमें कुबार्नी का महत्व सिखाता है। हम सभी को एक-दूसरे के धर्म और संस्कृति का सम्मान करना चाहिए। देश की एकता और अखंडता को बनाए रखना चाहिए।' वहीं, सुल्तानगंज में भी बकरीद पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। दिलगौरी ईदगाह मैदान समेत प्रमुख मस्जिदों में नमाज अता की गई। लोगों ने अमन-चैन, आपसी भाईचारे और सौहार्द कायम रहने की दुआ मांगी। नमाजी नोमान अंसारी, शैराज अहमद ने कहा कि यह पर्व कुबार्नी और भाईचारे का संदेश देता है। हर वर्ष की तरह इस बार भी शांतिपूर्ण वातावरण में मनाया जा रहा है। थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार ने बताया कि सुरक्षा को लेकर पुलिस टीम अलर्ट है। शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों में भी नजर रखी जा रही है। यह पर्व आपसी भाईचारे का प्रतीक है। जिसे लोग शांतिपूर्ण तरीके से मना रहे हैं। चौक-चौराहों पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम है। अशांति फैलाने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा। सख्त कार्रवाई की जाएगी। बेगूसराय जिला मुख्यालय के गांधी स्टेडियम में ईद-उल-जुहा(बकरीद) सामूहिक नमाज अदा की गई। हजारों नमाजियों ने प्रदेश के लिए अमन-चैन की दुआ मांगी। नमाज खत्म होने के बाद गले लगकर एक-दूसरे को बकरीद की बधाई दी। स्टेडियम में सुरक्षा को लेकर सदर एसडीओ, सदर-1 डीएसपी और नगर थानाध्यक्ष मौजूद थे। पूरे जिला में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। डीएम और एसपी खुद मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिले भर में 163 जगहों पर मजिस्ट्रेट और पुलिस पदाधिकारियों को तैनात किया गया है। सीसीटीवी और ड्रोन से नजर रखी जा रही है। सोशल मीडिया पर अफवाह फैलाने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल की तैनाती है। संवेदनशील इलाकों में विशेष निगरानी रखी जा रही है। नमाज के दौरान मौलाना ने कहा कि ईद-उल-अजहा (बकरीद) हजरत इब्राहिम की अल्लाह के प्रति निष्ठा और समर्पण को याद करने के लिए मनाया जाता है। यह त्योहार हजरत इब्राहिम की कहानी से जुड़ा है। जब अल्लाह ने उनसे अपने प्यारे बेटे इस्माइल की कुबार्नी देने का आदेश दिया था। बिना झिझक अल्लाह के आदेश के पालन का निर्णय लिया था। हजरत जब अपने बेटे को कुर्बान करने के लिए तैयार कर रहे थे। इसी दौरान अल्लाह ने उनके बेटे की जगह एक मेमने की कुबार्नी दे दी। तभी से ईद-उल-अजहा हजरत इब्राहिम की कुबार्नी की याद में मनाया जाता है। अररिया में बकरीद का पर्व उत्साह के साथ मनाया गया। सुबह से ही शहर की ईदगाहों और मस्जिदों में लोग जुटने लगे। मुस्लिम समुदाय ने सामूहिक रूप से नमाज अदा की। उन्होंने देश-दुनिया में अमन और खुशहाली की दुआ मांगी। शहर की ईदगाहों में विशेष व्यवस्था की गई थी। ईदगाहों को फूलों और रंग-बिरंगे झंडों से सजाया गया था। नमाज के बाद लोगों ने एक-दूसरे को गले मिलकर मुबारकबाद दी। इस मौके पर कुबार्नी की रस्म भी अदा की गई।

संक्षिप्त डायरी

पटना में आधे घंटे में 10 एमएम से अधिक बारिशः 10 के बाद पूरे बिहार में झमाझम

पटना। सुबह होते ही तेज धूप और गर्मी के बाद साढ़े दस बजते-बजते झमाझम बारिश शुरू हो गई। आधे घंटे तक पटना में तेज बारिश हुई। बारिश के बाद फिर कड़ी धूप के साथ गर्मी और उमस ने लोगों को परेशान किया। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार बादलों की मोटी परत बनने के कारण ऐसी बारिश हो रही है। ऐसे में गिरने की संभावना अधिक होती है। हालांकि पटना में बारिश के बाद कड़ी धूप निकली तापमान 35.3 डिग्री तापमान दर्ज किया गया, वहीं न्यूनतम तापमान 26.4 डिग्री सेल्सियस रहा। पटना में आधे घंटे में 10 एमएम से अधिक बारिश हुई। सबौर (भागलपुर)` ठनक की चपेट में आने से दो बच्चों की मौत हो गई। घटना सबौर के बड़ी धनकर गांव में शुक्रवार दोपहर करीब दो बजे की है। मरने वाले की पहचान इसी गांव के निवासी मो. अरशद (12) और मो. आरव (13) के रूप में की गई। मौसम का मिजाज व्रतापमान अधिक रहने से बने बादलों की मोटी परत से हुई झमाझम बारिश, फिर तेज धूप और उमस भरी गर्मी ने परेशान किया क्यों हुई बारिश : मानसून से पहले अधिक तापमान में जब हवा में कहीं से भी नमी आती है तो आसमान में मोटी परत वाले बादल बन जाते हैं। जहां भी यह बादल बनते हैं, वहां तेज हवा, साथ गरज-चमक के साथ भारी बारिश होती है। आज भी उत्तर-पूर्व बिहार में बारिश का अलर्ट है। 10 जून से पटना सहित पूरे राज्य में झमाझम बारिश होगी। हालांकि कुछ जिलों में तेज हवा के साथ हल्की बारिश होती रहेगी।

सिलबट्टे से मारा, बची तो छत से धक्का देकर जान ली, पत्नी की हत्या के बाद जहर पीकर जान दी

नालंदा । बिहार के नालंदा जिले के हिलसा थाना क्षेत्र के मदारचक गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। यहां एक मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति ने पहले अपनी पत्नी पर सिलबट्टे से सिर पर वार किया और फिर उसे छत से धक्का दे दिया। इससे महिला की मौत हो गई, इसके बाद आरोपी ने खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने दरवाजा तोड़कर आरोपी को बाहर निकाला गया, इस दौरान वह अचेत अवस्था में मिला। अस्पताल लाने पर डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचान 40 वर्षीय छट्ठु रविदास और उसकी 35 वर्षीय लाछु देवी के रूप में हुई है।जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह किसी बात को लेकर पति-पत्नी के बीच कहासुनी हुई। इसी दौरान मानसिक रूप से अस्वस्थ छट्ठु रविदास ने पहले सिलवट से पत्नी के सिर पर वार किया, फिर उसे छत से नीचे फेंक दिया। घटना के बाद वह खुद कमरे में जाकर बंद हो गया। घटना के समय दोनों के बच्चे घर में ही थे, लेकिन माता-पिता के झगड़े और हिंसा को देख वे डर के मारे घर से भाग गए और पड़ोसियों को सूचना दी। घटना के वक्त छट्ठु के पिता पत्नी की तबीयत खराब होने के कारण पटना गए हुए थे। छट्ठु और लाछु देवी के कुल पांच बच्चे हैं। बताया जा रहा है कि करीब दो साल पहले छट्ठु रविदास का मानसिक उपचार रांची में हुआ था। हाल के दिनों में वह फिर से मानसिक रूप से परेशान चल रहा था। पुलिस को आशंका है कि छट्ठु ने आत्महत्या करने के लिए जहर पी लिया होगा। हालांकि, मौके से कोई जहरीला पदार्थ बरामद नहीं हुआ है और न ही उसके मुंह से झाग निकला था, जिससे मौत के कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी।हिलसा डीएसपी रंजन कुमार ने बताया कि सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए बिहारशरीफ के मॉडल अस्पताल भेजा गया। उन्होंने बताया कि मृतक छट्ठु रविदास मानसिक रूप से विक्षिप्त था और उसका इलाज पहले से चल रहा था। पुलिस पूरे मामले की गहराई से जांच कर रही है।

भोजपुर में करंट लगने से बच्ची झुलसी

भोजपुर। नवादा इलाके में करंट की चपेट में आने से 9 साल की बच्ची झुलस गई। गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। विरोध में कतरी मोड़ के पास गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया। परिजनों ने नगर निगम पर लापरवाही का आरोप लगाया है। खराब फ्रिज, वाशिंग मशीन और ट्रंक को बीच सड़क पर रखकर रास्ता बंद कर दिया। इस दौरान दोनों लेन में वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। जाम की सूचना पर थानाध्यक्ष बिपिन बिहारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उचित कार्रवाई के आश्वासन पर करीब 6 घंटे बाद जाम खुला। पीड़िता की पहचान संदेश थाना क्षेत्र के बड़ीहा निवासी धर्मा साह की पुत्री रागिनी कुमारी(9) के तौर पर हुई है। घायल बच्ची की मां फूली देवी ने बताया कि कतीरा मोहल्ले के वार्ड नंबर-17 में किराए के घर में रहती हूं। पति-पत्नी दोनों काम करते हैं। शुक्रवार को रोज की तरह काम करने गई थी। इस दौरान मेरी बेटी घर से बाहर निकल गई।

काफिले में ट्रक ने मारी टक्कर, बाल-बाल बचे तेजस्वी

वैशाली। तेजस्वी यादव के काफिले की गाड़ियों को एक बेकाबू ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में नेता प्रतिपक्ष बाल-बाल बच गए। तेजस्वी यादव ने बताया कि 'मुझसे 5 फीट दूर ही ट्रक ने टक्कर मारी। अगर गाड़ी का जरा-सा भी संतुलन और बिगड़ता तो मैं भी चपेट में आ सकता था।' हादसे में ड्राइवर और दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए हैं। हादसा शुक्रवार देर रात एनएच-22 हाजीपुर-मुजफ्फरपुर मुख्य मार्ग पर गोरौल थाना क्षेत्र में हुआ। तेजस्वी यादव अपने काफिले के साथ मधेपुरा से पटना लौट रहे थे। उनका काफिला चाय पीने के लिए रुका था। इसी दौरान ट्रक ने गाड़ी को टक्कर मार दी। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। घायलों को तत्काल सदर अस्पताल ले जाया गया। तेजस्वी यादव भी अस्पताल पहुंचे और घायलों का हालचाल जाना। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि 'सुबह 10 बजे मधेपुरा एक कार्यक्रम में गए हुए थे। पटना लौटने के दौरान हम सभी गोरौल में चाय पीने के लिए रुके थे।' 'उसी दौरान एक ट्रक ने अनियंत्रित होकर मेरे सामने 2-3 गाड़ियों में टक्कर मार दी। वहीं पास खड़े सुरक्षाकर्मी इसकी चपेट में आ गए। 3 लोग घायल हुए हैं।' तेजस्वी यादव की बहन रोहिणी आचार्य ने इसे नेता प्रतिपक्ष की सुरक्षा में हुई लापरवाही बताया है। साथ ही मामले की जांच की मांग की है। भास्कर के खबर की लिंक शेयर करते हुए रोहिणी ने लिखा- हादसे के बाद पुलिस ने तुरंत एक्शन लेते हुए भाग रहे ट्रक ड्राइवर को सराय टोल प्लाजा के पास पकड़ लिया है। पुलिस उसे थाने ले गई है। हादसे को लेकर उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने ट्रक को जब्त कर तेजस्वी यादव शुक्रवार को मधेपुरा के ईटहरी गांव के भंवरपुर टोला में आयोजित तीन दिवसीय महा विष्णु त्रिकुंज यज्ञ में शामिल हुए थे। वहीं से देर रात पटना लौट रहे थे। इधर, कार्यक्रम में सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोला और कहा कि 'बिहार की स्थिति दिन-प्रतिदिन बदतर होती जा रही है।' 'राज्य में लूट, हत्या, अपहरण, डकैती और बलात्कार की घटनाएं आम हो गई हैं। स्वास्थ्य व्यवस्था चरमराई हुई है। सरकारी अस्पतालों में मरीजों को बेड नहीं मिल रहे हैं। भ्रष्टाचार चरम पर है।' 'बिजली और जमीन सर्वे की समस्याओं से लोग परेशान हैं। पता नहीं सरकार कौन सा नशा कर के सोई हुई है। उन्हें जनता की तकलीफ से कोई मतलब नहीं, बस कुर्सी की चिंता है।'

दहेज के लिए गर्भवती महिला की हत्या

सीवान। जिले के भगवानपुर हाट थाना क्षेत्र के डेहरी गांव में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है। दहेज के लोभ में एक सनकी पति ने अपनी गर्भवती पत्नी की गला घोंटकर हत्या कर दी। मृतका की पहचान सिपार गांव निवासी कृष्णा महतो की 20 वर्षीय पुत्री प्रीति कुमारी के रूप में हुई है। हत्या के बाद गांव में सनसनी फैल गई है। मृतका के मायके में मातम का माहौल है।जानकारी के अनुसार, प्रीति कुमारी की शादी बीते वर्ष डेहरी गांव के लड्डू महतो के पुत्र पप्पू महतो (25) से हुई थी। विवाह के कुछ ही महीनों बाद से प्रीति पर दहेज को लेकर अत्याचार शुरू हो गया था। मृतका के पिता कृष्णा महतो ने बताया कि पप्पू महतो और उसके परिजन दहेज में रुपये व गाड़ी की मांग कर रहे थे। मांग पूरी नहीं होने पर उनकी पुत्री के साथ अक्सर मारपीट की जाती थी। बीती रात ग्रामीणों से सूचना मिली कि प्रीति अपने ससुराल में मृत अवस्था में पड़ी है। परिजनों के अनुसार, जब वे घटनास्थल पर पहुंचे तो प्रीति के गले पर गला दबाने के स्पष्ट निशान थे, जिससे आशंका हुई कि उसकी गला घोंटकर हत्या की गई है। घटना की सूचना मिलते ही भगवानपुर हाट थाना के एसआई अनिरुद्ध कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। साथ ही त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति पप्पू महतो को गिरफ्तार कर लिया गया है। वहीं, घटना के बाद आरोपी की मां, भाई (देवर) और बहन (ननद) घर छोड़कर फरार हो गए हैं। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है। प्रीति की मौत से उसके माता-पिता का रो-रोकर बुरा हाल है।

'पहले लोग शाम में घर से नहीं निकलते थे'

बेगूसराय। बीजेपी के फायर ब्रांड नेता और केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह लालू परिवार पर निशाना साधा है। राहुल गांधी के क्राइम कैपिटल वाले बयान पर उन्होंने कहा कि लालू राज में तो मुख्यमंत्री आवास से फिरौती की डीलिंग होती थी। फिर से राज करने का सपना देख रहे हैं। लालू राज में लोग शाम में घर से नहीं निकलते थे। राहुल और तेजस्वी यादव कान खोलकर सुन लें। चोर चोरी के खिलाफ बात कर रहा है। लालू यादव के राज्य में फिरौती का पंचायती कहां होता था, सबको पता है। उनके लोगों ने ही खुलासा किया है कि मुख्यमंत्री आवास में डीलिंग होती थी। इस संबंध में तेजस्वी अपने पिता से पूछ लें। इनके डीएनए में अपराध और कुव्यवस्था है। गिरिराज सिंह ने आगे कहा, 'राहुल गांधी बिहार में जिनके बल पर चुनाव लड़ रहे हैं, वो जंगलराज के प्रणेता और अपराधियों के संरक्षक थे। लालू यादव के राज में शाम को घर से कोई निकलता था। मां कहती थी बेटा सूरज डूबने से पहले घर आ जाना।' केंद्रीय मंत्री ने कहा, 'कुछ लोग एक साल से माहौल खराब करने की साजिश कर रहे हैं। लेकिन उसको पुलिस सजा दे रही है। उस समय सजा भी नहीं दे पाती थी। पटना में एसपी के सामने से जबरदस्ती अपराधी को छुड़ा लिया गया था। चोर चोरी के खिलाफ बोल रहा है। तेजस्वी यादव जी जाकर अपने पिता से पूछिए। गिरिराज सिंह ने कहा, 'आज हम बेगूसराय से डेढ़ घंटे में पटना पहुंचते हैं। पहले 5 घंटा लगता था। पहले बिजली देखने को नहीं मिलता था। आज बिहार में लालू यादव का राज नहीं है।

लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप का ट्वीट

'सत्य की राह पर चलने वाले की हमेशा होती है जीत'

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के प्रमुख लालू यादव के बड़े बेटे तेज प्रताप यादव ने एक नया पोस्ट सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर साझा किया है। उन्होंने शनिवार सुबह लिखा, 'सत्य के मार्ग पर चलने वाला व्यक्ति होता है सदा विजयी। हमें सदैव सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। सत्य का मार्ग कठिन अवश्य है, पर विजय सदा सत्य के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति की होती है। राजा हरीश चंद्र ने सत्य के मार्ग पर चलते हुए अपनी खोई हुई प्रतिष्ठा को दोबारा प्राप्त किया। पाडवों ने सत्य के मार्ग पर चलते हुए कौरवों को युद्ध में हराया था।' इससे पहले तेज प्रताप ने बीते दिन एक और वीडियो पोस्ट साझा किया था। इसमें उन्होंने लिखा था, 'हमारे सभी सपने साकार हो सकते हैं; यदि हममें उन्हें पूरा करने का साहस हो।' इससे पहले तेज प्रताप ने बीते रविवार को सुबह-सुबह पांच बजकर 27 मिनट में 'एक्स' पर एक भावुक पोस्ट किया था। इसमें उन्होंने अपने पिता और मां के लिए अपने प्यार और सम्मान का इजहार किया, जबकि अपने खिलाफ राजनीति करने वालों को भी सख्त संदेश दिया था। उन्होंने लिखा था, 'मेरे प्यारे मम्मी पापा... मेरी सारी दुनिया बस आप दोनों में ही समाई है। भगवान से बढ़कर है आप और आपका दिया कोई भी आदेश। आप है तो सब कुछ है मेरे पास। मुझे सिर्फ आपका विश्वास और प्यार चाहिए न कि कुछ और। पापा आप नहीं होते तो न ये पार्टी होती और न मेरे साथ राजनीति करने वाले कुछ जयचंद जैसे लालची लोग। बस मम्मी पापा आप दोनों स्वस्थ और खुश रहे हमेशा।' इसके बाद उन्होंने दोपहर एक बजकर 30 मिनट पर एक और ट्वीट किया। उन्होंने लिखा था, 'मेरे अर्जुन से मुझे अलग करने का सपना देखने वालों, तुम कभी अपनी साजिशों में सफल नही हो सकोगे, कृष्ण की सेना तो तुम ले सकते हो, लेकिन खुद कृष्ण को नहीं। हर साजिश को जल्द बेनकाब करूंगा। बस मेरे भाई भरोसा रखना। मैं हर परिस्थिति में तुम्हारे साथ हूं, फिलहाल दूर हूं, लेकिन मेरा आशीर्वाद हमेशा तुम्हारे साथ था और रहेगा। मेरे भाई मम्मी-पापा का ख्याल रखना, जयचंद हर जगह हैं, अंदर भी और बाहर भी।' तेज प्रताप यादव ने अपने ट्वीट में किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन इशारों-इशारों में उन्होंने कई लोगों को निशाने पर लिया। राजनीतिक जानकारों की मानें तो तेज प्रताप का निशाना शुरू से ही उनके छोटे भाई तेजस्वी यादव के करीबी और राज्यसभा सांसद संजय यादव पर रहा है। इससे पहले भी कई मौकों पर तेज प्रताप ने संजय यादव के खिलाफ अपनी नाराजगी जताई है। चार साल पहले जब राजद युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष के पद से आकाश यादव को हटाया गया तो तेज प्रताप यादव ने पहले राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह और फिर संजय यादव के खिलाफ मोर्चा खोल दिया था। उस वक्त तेज प्रताप यादव ने यहां तक कह दिया था कि पार्टी में हमारे विरोधी हमारी हत्या भी करा सकते हैं। इसके बाद संजय यादव पर हमला बोलते हुए उन्होंने कहा था कि हरियाणा का आदमी लालू परिवार और राजद में मतभेद पैदा कर सकता है। इस बयान के बाद भी तेज प्रताप कई जगह बिना नाम लिए अपने भाई के करीबी पर हमला बोलते दिखे। अब आज जब फिर से तेज प्रताप ने 'जयचंद' शब्द का प्रयोग किया तो लोग इसे पुराने विवाद ही से जोड़कर देखने लगे हैं। बिहार की सियासत को करीब से जानने वाले लोगों का मानना है कि तेज प्रताप से जुड़े घटनाक्रमों की शुरूआत तभी हो गई थी, जब बड़े तेज प्रताप यादव (स्वास्थ्य मंत्रालय समेत अन्य जिम्मेदारी) को छोटा पद देकर छोटे तेजस्वी यादव को उपमुख्यमंत्री बनाया गया।

अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का ख्याल रखें

हम सभी अपने बच्चों के लिए सर्वोत्तम चाहते हैं, लेकिन माता-पिता बनना हमेशा आसान नहीं होता। हमारा मानसिक स्वास्थ्य हमारे समग्र स्वास्थ्य और कल्याण का एक मूलभूत हिस्सा है। एक अभिभावक के रूप में, आप अपने बच्चे के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में एक बड़ी भूमिका निभाते हैं। पोषण और प्यार भरी देखभाल एक मजबूत नींव का निर्माण करती है, जिससे आपके बच्चे को एक खुशहाल, स्वस्थ और पूर्ण जीवन जीने के लिए आवश्यक सामाजिक और भावनात्मक कौशल विकसित करने में मदद मिलती है।

यहाँ आपके बच्चे और आपके खुद के मानसिक स्वास्थ्य का समर्थन करने में आपकी मदद करने के लिए विशेषज्ञ सुझाव और संसाधन दिए गए हैं। ये सुझाव आपको शरीर की छवि, साथियों के दबाव और बदमाशों से जुड़े संवेदनशील मुद्दों को बेहतर ढंग से समझाने में मदद करेंगे। अपने बच्चे को समझाएं कि मानव शरीर कैसे काम करता है और यौवन एक प्राकृतिक प्रक्रिया है जिसका अनुभव हर कोई करता है। उनके शरीर में भी बदलाव आएगा।

सकारात्मक प्रेरणा

दूसरों में नकारात्मक शारीरिक विशेषताओं की ओर इशारा करके या किसी को अपमानजनक उपनाम देकर उदाहरण न पेश करें। बच्चे इसे समझ लेते हैं और ऐसा कर सकते हैं या अपने शरीर को लेकर असहज महसूस कर सकते हैं। इसके बजाय, अपने बच्चे और दूसरों में जो अच्छे गुण आप देखते हैं, उनकी प्रशंसा करें।

एक अच्छा उदाहरण स्थापित करें

आप अपने और दूसरों के शरीर को किस तरह महत्व देते हैं, यह आपके बच्चे के दिमाग में अंकित हो सकता है। उन्हें बताएं कि सक्रिय रहने और स्वस्थ आहार लेने का उद्देश्य सिर्फ़ बेहतर दिखना नहीं है, इसके और भी कई फायदे हैं।

सोशल मीडिया पर मौजूदगी सीमित रखें

इसमें कोई संदेह नहीं है कि बच्चे सोशल मीडिया पर जो कुछ भी देखते हैं, उससे प्रभावित हो रहे हैं। ट्रेंडी बनने की कोशिश में, बच्चे असुरक्षित और असुरक्षित हो जाते हैं, और उन्हें बॉडी शेमिंग का सामना करना पड़ सकता है। अपने बच्चे के लिए नियम निर्धारित करें और बताएं कि वह सोशल मीडिया का किस प्रकार उपयोग करता है तथा वह किस प्रकार की सामग्री पोस्ट करता है।

साथियों के दबाव से निपटना

माता-पिता के तौर पर, यह जानना अच्छा है कि आपका बच्चा किसके साथ दोस्त है। अपने बच्चे को अपने दोस्तों को घर पर कुछ समय बिताने के लिए लाने के लिए प्रोत्साहित करें। इस तरह, आप जान पाएंगे कि वे आपके बच्चे पर अच्छा या बुरा प्रभाव डाल रहे हैं या नहीं।

उन्हें सिखाएं कि नहीं कहना ठीक है

आपके बच्चे को यह जानना जरूरी है कि कुछ स्थितियों में नही कहना बिल्कुल ठीक है। और आप अपने निर्णयों में स्पष्ट और दृढ़ होकर उनके लिए एक उदाहरण स्थापित कर सकते हैं। यह उन्हें अपने साथियों के साथ उसी भाषा का उपयोग करने की अनुमति देता है, अगर वे किसी चीज के बारे में असहज या अनिश्चित हैं।

उन्हें अपने मुद्दों पर बात करने का समय दें

शांत रहें और उनकी बात सुनें। उन्हें इन मुद्दों पर बात करने में सहज महसूस कराएँ। उनके नजरिए से इसे समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए उन्हें दोष न दें।

हर बच्चे को थोड़ी आजादी मिलनी चाहिए

बच्चे अपने आस-पास की दुनिया को जानने के लिए स्वतंत्र और स्वतंत्र होना चाहते हैं। माता-पिता के रूप में, आप परिभाषित कर सकते हैं कि कितना स्वीकार्य है। उनसे उन दोस्तों के बारे में बात करें जो उनके निर्णयों को प्रभावित कर रहे हैं और क्या यह सब इसके लायक है?

क्या मित्र सच्चा मित्र होता है?

अपने बच्चे को यह समझने में मदद करें कि सच्चा दोस्त क्या होता है। अगर यह दोस्त आपके बच्चे को कुछ ऐसा करने के लिए मजबूर कर रहा है जिसका उसे पछतावा हो या वह ऐसा बनने के लिए मजबूर कर रहा है जो वह नहीं है, तो क्या वह व्यक्ति वास्तव में दोस्ती के लायक है? अपने बच्चे के नजरिए से मुद्दों को समझें और जो कुछ हो रहा है उसके लिए अपने बच्चों को दोष न दें।

अपने बच्चे को सुनिए

आपको अपने बच्चे की बात ध्यान से सुननी चाहिए कि वह बदमाशी के बारे में क्या कहता है। उसे गंभीरता से लें और शांति से सहानुभूति रखें। अपने बच्चे को यह भरोसा दिलाकर उसका समर्थन करें कि जो हो रहा है वह गलत है; आप उसे समस्या से निपटने में कुछ मदद दिलवाएंगे।

उनके साथ स्पष्ट और खुली चर्चा करें

अपने बच्चे से अपने अनुभवों के बारे में बात करें। उन्हें अपने जीवन में अन्य वयस्कों से बात करने के लिए प्रोत्साहित करें जिनके साथ वे करीब हो सकते हैं। इस तरह के रिश्ते को बनाए रखने की पूरी कोशिश करें जहाँ आप संचार के रास्ते खुले रखें।

समस्या का समाधान मिलकर करें

आप अपने बच्चे की मदद कर सकते हैं, बदमाशी के बारे में समस्या-समाधान बातचीत करके और साथ मिलकर इससे निपटने की रणनीति बनाकर। सक्रिय बातचीत करना और नियमित रूप से रणनीति पर चर्चा करना डर या गुस्से में प्रतिक्रिया करने से कहीं बेहतर है।

उन्हें सिखाएं कि बदमाशों से कैसे निपटें

ऐसे हालात से निपटने के लिए दूर चले जाना और धमकाने वाले से उलझना नहीं, सबसे बढ़िया तरीका है। गुस्सा या डर न दिखाने के लिए आप रोल-प्लेइंग का अभ्यास कर सकते हैं।

जानें कि बदमाशी के खिलाफ कैसे खड़ा होना है

जब आपके बच्चे को धमकाया जा रहा हो तो फ़बंद करोफ़ या बंद करो या फ़यह मजाक नहीं हैफ़ जैसे एक सरल वाक्यांश बहुत प्रभावी हो सकते हैं। उन्हें ऐसा कुछ कहने का तरीका खोजने के लिए प्रोत्साहित करें जो उन्हें सही लगे। उन्हें दूसरे व्यक्ति का अपमान करने की जरूरत नही है लेकिन बोलना शक्तिशाली है।

आम का मजा, ठंडक का एहसास जानिए आम पर्ना बनाने की रेसिपी

आम पर्ना एक स्वादिष्ट और हेल्दी ड्रिंक है, जिसे गर्मियों में खासतौर पर पीने का आनंद लिया जाता है। यह एक स्वादिष्ट आम का शरबत है, जो ना केवल स्वाद में लाजवाब होता है, बल्कि शरीर को ठंडक भी देता है। खासकर जब आम का मौसम होता है, तो इसका स्वाद और भी बढ़ जाता है। तो आइए, जानते हैं आम पर्ना बनाने की आसान सी रेसिपी:

सामग्री

1 पका हुआ आम (अल्फांसो या कोई भी मीठा आम)
1 कप ठंडा पानी
2-3 चम्मच चीनी (स्वादानुसार)
1/2 चम्मच भुना जीरा पाउडर
1/4 चम्मच काला नमक
1/4 चम्मच सादा नमक
1/2 चम्मच नींबू का रस
पुदीने की पत्तियां
बर्फ के टुकड़े

विधि

1. सबसे पहले, अच्छे से पका हुआ आम लें। आम को छीलकर उसका गूदा निकाल लें। ध्यान रखें कि आम पूरी तरह से पका हुआ हो ताकि उसका स्वाद मीठा और गाढ़ा हो।
2. अब आम के गूदे को एक मिक्सर जार में डालें। साथ ही उसमें ठंडा पानी डालें। अगर आप इसे थोड़ा पतला रखना चाहते हैं तो पानी की मात्रा बढ़ा सकते हैं।
3. मिक्सर में स्वादानुसार चीनी, भुना जीरा पाउडर, काला नमक और सादा नमक डालें। यह मसाले आम पन्ना को एक अलग ही स्वाद देंगे।
4. अगर आपको थोड़ा खट्टापन पसंद है तो नीबू का रस भी डाल सकते हैं। यह आम पन्ना को और भी ताजगी और स्वाद देगा।
5. अब सभी चीजों को अच्छे से मिक्स करें, ताकि आम का गूदा और मसाले एकदम अच्छे से मिल जाएं। मिक्सर को 1-2 मिनट तक चलाएं, ताकि एक स्मूथ और गाढ़ा पेस्ट तैयार हो जाए।
6. अगर मिश्रण बहुत गाढ़ा हो, तो इसमें थोड़ा और ठंडा पानी डालें और अच्छे से मिक्स करें। अब आपका आम पन्ना तैयार है।

आम पन्ना को गिलास में डालें और ऊपर से पुदीने की पत्तियां डालकर सजाएं। आप इसे बर्फ के टुकड़ों के साथ भी सर्व कर सकते हैं, ताकि गर्मी में ठंडक मिले। इस आसान रेसिपी को ट्राई करें और अपने परिवार और दोस्तों के साथ इसका आनंद लें!

बच्चों को बनाना है संस्कारी, तो माता-पिता अपनाएं ये टिप्स

हर माता पिता अपने बच्चे से बहुत अधिक प्रेम करते हैं। अभिभावक हमेशा चाहते हैं कि उनका बच्चा स्वस्थ और सुखी रहे। बच्चे की खुशियों के लिए वह उनकी लगभग सभी मांगें भी पूरी करना चाहते हैं। इसके अलावा उनके उज्जवल भविष्य के लिए अच्छी शिक्षा दिलाना चाहते हैं। लेकिन अक्सर माता पिता बच्चे के प्रेम में कुछ ऐसी गलतियां कर जाते हैं, जो बच्चे के व्यवहार पर दुष्प्रभाव डालता है। बच्चे के पालन पोषण के दौरान उनकी हर जरूरत को पूरा करने के साथ ही बड़ी छोटी मांगों को पूरा करना, उनकी गलतियों को नजरअंदाज करना, उनके जिद्दी और गुस्सैल रवैए को बिना रोक टोक अपना लेने से बच्चा बिगड़ने लगता है और उसका भविष्य भी खराब होने लगता है। ऐसे में माता पिता को चाहिए कि वह बचपन से बच्चे को संस्कार और अनुशासन सिखाएं, ताकि बच्चा एक आदर्श इंसान, अच्छा बेटा और सफल नागरिक बन सके। चलिए जानते है कि बच्चे को संस्कारी और अनुशासित बनाने के लिए अभिभावक को क्या करना चाहिए।

बड़ों से अनुमति लेना सीखें

बच्चे अगर अपने मन मुताबिक कार्य करना चाहते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं लेकिन छोटी उम्र में उन्हें सही गलत का पता नहीं होता। ऐसे में मन मर्जी से किया हुआ कार्य गलत राह पर भी ले जा सकता है। इसलिए माता पिता को बच्चों में शुरुआत से पूछकर कार्य करने की आदत डलवानी चाहिए। भोजन करने से पहले माता पिता की अनुमति, बाहर खेलने जाने के लिए माता पिता की अनुमति लेनी चाहिए। बड़ों से पूछने की आदत डालना बच्चों को संस्कारी बना देता है। हालांकि अभिभावकों को भी बच्चों की पसंद और इच्छा का ध्यान रखना चाहिए। ऐसे में बच्चे अनुमति मांगे तो माता पिता को उनकी सलाह लेनी चाहिए कि वह क्या करना चाहते हैं।

गलती पर रोकें

अक्सर बच्चे गलती पर रोके न जानें, डांट न पड़ने और अधिक लाड प्यार के कारण बिगड़ते हैं। छोटी उम्र में जब बच्चे तोतली ज़ुबान से बड़ों के नाम लेते हैं तो सभी को अच्छा लगता है। लेकिन बच्चे को उसी उम्र में रोकें कि वह बड़ों के नाम से नहीं बल्कि रिश्ते के संबोधन से ही बुलाएं। बच्चे की गलतियों पर हंसने या उसे इग्नोर करने के बजाय पहली बार ही अगर माता पिता बच्चे को टोंक देंगे तो वह गलती नहीं दोहराएगा।

सभी का सम्मान करें

बच्चों को संस्कार सिखाने के लिए सबसे जरूरी है कि उन्हें बड़ों और अपने से छोटों का सम्मान करना सिखाएं। अगर बच्चा सम्मानपूर्वक कोई बात न पूछे, रोए- चिल्लाए और पैर पटक कर बात करे, तो अपना फैसलना न बदलें। बल्कि उन्हें समझाएं कि इस तरह के उनकी कोई बात नहीं मानी जाएगी। किसी भी कार्य को सही तरीके से करने के लिए उन्हें सभी को सम्मान देना चाहिए। इस बात का पाठ पढ़ाने से बच्चा अपने गलत व्यवहार को बदल सकता है।

चिल्लाकर या क्रोध में बात न करें

अक्सर छोटे बच्चे अपनी बात मनवाने के लिए चिल्लाकर बात करते हैं। लाड प्यार के कारण क्रोध करना सीख जाते हैं और किसी से भी क्रोध में बात करने लगते हैं। अगर उनके चिल्लाने या गुस्सा करने से आप उनकी बातें मान लेते हैं तो बच्चा हर बार यही व्यवहार करता है। बचपन में तो इस तरह का व्यवहार संभाला जा सकता है लेकिन बड़े होने पर भी बच्चे में क्रोध और चिल्ला कर बात पूरी कराने की आदत बन सकती है। इसलिए उन्हें गुस्से पर नियंत्रण करना सिखाएं।

शेयर करना सीखें

बच्चा अपने माता पिता का प्यार किसी दूसरे से साझा नहीं करना चाहिए। कम उम्र में जब बच्चे का छोटा या बड़ा भाई- बहन या दूसरे बच्चों के साथ उन्हें रखा जाता है, तो वह अपने माता पिता को दूसरे बच्चे से लाड प्यार करते देख चिढ़ते हैं। इसके अलावा घर पर दो या दो से अधिक हमउम्र बच्चों की लड़ाई की एक वजह भी यही होती है कि वह एक दूसरे से अपनी चीजें साझा नहीं करना चाहते। ऐसे में बच्चे को शेयरिंग सिखाएं। दूसरे से अपनी चीजें बांटना, कुछ खाने पीने से पहले दूसरों से पूछना और स्वार्थ न दिखाना, यह सब बच्चों में अच्छे संस्कार के गुण बनते हैं।

शुभमन की कप्तानी में टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंची भारतीय क्रिकेट टीम

लंदन (एजेंसी)। युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की कप्तानी में भारतीय क्रिकेट टीम पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए इंग्लैंड पहुंच गयी है। ये सीरीज 20 जून से शुरु होगी। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टीम के लंदन पहुंचने का वीडियो भी जारी किया है। बीसीसीआई ने इसमें लिखा, टीम इंडिया इंग्लैंड के खिलाफ पांच मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए लंदन पहुंच गई है। इस वीडियो में भारतीय खिलाड़ी काफी तरोताजा नजर आ रहे हैं। टीम इस लंबे दौरे के लिए पूरी तरह से तैयार दिख रही है। इस दौरे के लिए भारतीय टीम में अधिकतर युवा खिलाड़ी शामिल हैं। आईपीएल में शानदार प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ी भी इस टीम में हैं।

वहीं इंग्लैंड रवाना होने से पहले शुभमन ने रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गजों के बिना खेलने की चुनौतियों पर भी बात की थी। वहीं टीम पर दबाव को लेकर शुभमन ने कहा था, मुझे लगता है कि हर बार जब आप मैच खेलते हैं या दौरा शुरू करते हैं, तो दबाव होता है। ऐसे में हर सीरीज से पहले दबाव होता है, लेकिन यहां कोई अतिरिक्त दबाव नहीं होगा। उन्होंने साथ ही कहा, रोहित और विराट बहुत अनुभवी खिलाड़ी हैं और उनकी जगह भरना बहुत मुश्किल है, बतौर टीम हमारे पास बहुत अनुभव है। हमने बहुत सारे मैच खेले हैं। साथ ही हमारा कि टीम के सभी खिलाड़ी दबाव में भी खेलना जानते हैं। साथ ही कहा कि हमारी टीम में बल्लेबाजों और गेंदबाजी का समन्वय बहुत अच्छा है।

वहीं बल्लेबाजी क्रम को लेकर शुभमन ने कहा कि अभी तक तय नहीं किया है कि वह किस नंबर पर बल्लेबाजी करेंगे। उन्होंने पिछले दौरों में ओपनिंग के अलावा नंबर-3 पर भी बल्लेबाजी की है पर रोहित के न होने के कारण वह यशस्वी जायसवाल के साथ पारी शुरु भी कर सकते हैं। शुभमन ने उस पल को भी याद किया, जब उन्हें पहली बार टेस्ट टीम का कप्तान बनाए जाने की खबर मिली थी। उन्होंने कहा, जब पता चला कि मुझे इस तरह का अवसर मिलेगा, तो मैं बहुत उत्साहित था। यह अनुभव काफी उत्साहजनक था पर साथ ही मुझे लगता है कि यह एक बड़ी जिम्मेदारी है। साथ ही कहा कि हमने अभी तक बल्लेबाजी क्रम को लेकर कोई फैसला नहीं किया है, बहरहाल टीम इस दौरे में अच्छे प्रदर्शन के लिए पूरी तरह से तैयार है।

मुसेट्टी को हराकर अल्काराज फ्रेंच ओपन के फाइनल में

पेरिस (एजेंसी)। गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज शुक्रवार को फ्रेंच ओपन के मेंस सिंगल्स सेमीफाइनल में लोरेंजो मुसेटी के चौथे सेट की शुरुआत में चोट के कारण मुकाबले से हटने से फाइनल में पहुंच गए। आठवीं वरीयता प्राप्त इटली के मुसेटी ने मुकाबले से जब हटने का फैसला किया उस समय अल्काराज 4-6, 7-6, 6-0, 2-0 से आगे चल रहे थे। दूसरे सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच का हार मिली।

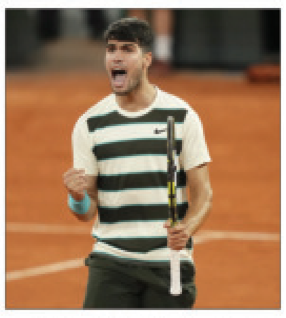

स्पेन के दूसरी वरीयता प्राप्त अल्काराज ने फाइनल में जगह पक्की होने के बाद कहा, ''इस तरह का मैच जीतना बहुत अच्छी बात नहीं है। लोरेंजो एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। मैं उन्हें शुभकामनाएं देता हूं और उनके जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं। उम्मीद है कि उन्हें जल्द ही फिर से कोर्ट पर देख पाऊंगा।'' मुसेटी ने तीसरे सेट के आखिर में बायीं जांघ का उपचार कराया। उन्होंने चौथे सेट की शुरुआत में भी उपचार लिया, लेकिन इससे मदद नहीं मिली। 23 वर्षीय मुसेटी तीसरे सेट के 16 मिनट बाद 5-0 से पीछे थे, जब उन्होंने ट्रेनर को बुलाया।

अल्काराज ने अगले गेम में मुसेटी की सर्विस तोड़कर 21 मिनट में सेट जीत लिया। इस सेट में अल्काराज ने 29 में से 24 अंक जीते। मुसेटी कोर्ट में दौड़ लगाने में काफी परेशानी हो रही थी। उन्होंने फिर से ट्रेनर को बुलाया। अल्काराज ने चौथे सेट में उनकी सर्विस तोड़कर 2-0 की बढ़त बना ली, जिसके बाद मुसेटी धीरे-धीरे नेट की ओर बढ़े और अल्काराज ने उन्हें गले लगाया। अल्काराज ने पहले सेट में 16 गलतियां कीं, जिसे मुसेटी ने अपने नाम किया।

अल्काराज ने कहा, 'पहले दो सेट वाकई मुश्किल थे। जब मैंने दूसरा सेट जीता तो मुझे राहत मिली।' फाइनल में अल्काराज के सामने विश्व रैंकिंग के शीर्ष खिलाड़ी इटली के यानिक सिनर होंगे, क्योंकि सर्बिया के नोवाक जोकोविच की चुनौती समाप्त हो गई है। जोकोविच को यानिक सिनर ने दूसरे सेमीफाइनल मैच में हरा दिया। इस हार के बाद जोकोविच ने कहा है कि फ्रेंच ओपन में शायद उनका ये आखिरी मैच है, क्योंकि पता नहीं वह अगले साल इस इवेंट के लिए लौटेंगे या नहीं।

राहुल के शतक से इंडिया ए ने बनाये सात विकेट पर 319 रन

दूसरा अनाधिकारिक टेस्ट

नॉर्थम्पटन (एजेंसी)। केएल राहुल के शानदार शतक 116 रनों की सहायता से इंडिया ए ने इंग्लैंड लायंस के खिलाफ दूसरे अनाधिकारिक टेस्ट के पहले दिन सात विकेट पर 319 रन बना लिए थे। राहुल के अलावा ध्रुव जुरेल ने भी 52 रन बनाये। इस मैच में इंग्लैंड लायंस के कप्तान जेम्स र्यू ने टॉस जीतकर इंडिया ए को बल्लेबाजी के लिए बुलाया। इंडिया ए की शुरुआत अच्छी नहीं रही। तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स ने शुरुआत में ही यशस्वी जायसवाल 17 और कप्तान अभिमन्यु ईश्वरन को 11 रनों पर ही आउट कर दिया।

इसके बाद राहुल ने करुण नायर के साथ पारी को आगे बढ़ाया। करुण ने 40 रन बनाये। राहुल ने 151 गेंदों में 13 चौकों और एक छक्के की मदद से 116 रन बनाए। वहीं जुरेल ने भी 87 गेंदों में 52 रन बनाये। नितीश कुमार रेड्डी ने 34 रन बनाये। इंग्लैंड लायंस की ओर से वोक्स ने तीन जबकि जॉर्ज हिल ने दो विकेट लिए। इस अनाधिकारिक टेस्ट से दोनो ही टीमों को 20 जून से शुरू होने वाली टेस्ट सीरीज से पहले लया हासिल करने का अवसर मिल गया है।

टी20 मुंबई लीग : पृथ्वी शॉ की तूफानी पारी, नॉर्थ मुंबई पैंथर्स की पहली जीत!

मुम्बई (एजेंसी)। टी20 मुंबई लीग 2025 के तीसरे सीजन में शुक्रवार को वानखेड़े और डीवाई पाटिल स्टेडियम में रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। पृथ्वी शॉ की अगुवाई वाली नॉर्थ मुंबई पैंथर्स ने वानखेड़े स्टेडियम में आर्क्स अंधेरी को पांच विकेट से हराकर अपनी पहली जीत दर्ज की। शॉ ने 23 गेंदों में 33 रनों की ताबड़तोड़ पारी खेली, जबकि उनके सलामी जोड़ीदार दिव्यांश सक्सेना ने 31 गेंदों में 36 रन बनाए। दूसरी ओर, डीवाई पाटिल स्टेडियम में एमएससी मराठा रॉयल्स ने कप्तान सिद्धेश लाड (50) और चिन्मय सुतार (55) की शानदार अर्धशतकीय पारियों की बदौलत ईगल थाने स्ट्राइकर्स को छह विकेट से मात दी।

दिन के सबसे चर्चित मुकाबले में, भारत के व्हाइट-बॉल सितारों श्रेयस अय्यर की सोबो मुंबई फाल्कन्स ने सूर्यकुमार यादव की ट्रायम्फ्स नाइट्स मुंबई नॉर्थ ईस्ट को चार विकेट से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए नाइट्स ने सीम मूवमेंट वाली पिच पर 145/5 का स्कोर बनाया। सूर्यकुमार 1 रन बनाकर जल्दी आउट हो गए, लेकिन सिद्धांत अधात्राओ ने 57 और सूर्यांश शेडगे ने नाबाद 49 रनों की पारी खेली।

जवाब में, फाल्कन्स की शुरुआत खराब रही, लेकिन अंगकृष रघुवंशी (42), विनायक भोईर (33), और आकाश पारकर (30 नाबाद) ने शानदार बल्लेबाजी कर टीम को चार गेंद शेष रहते जीत दिलाई।

दिन के पहले मैच में, बांद्रा ब्लास्टर्स ने डीवाई पाटिल स्टेडियम में आकाश टाइगर्स को एक रन से हराया। धनित राउत (4/29) की शानदार गेंदबाजी और ओम केशकमट (40) व ध्रुमिल मटकर (33) की पारियों ने ब्लास्टर्स को 153 रन तक पहुंचाया। जवाब में, जय बिस्ता (55) की अर्धशतकीय पारी के बावजूद टाइगर्स 152/8 पर सिमट गए।

टी20 मुंबई लीग का तीसरा संस्करण, जो भारत के प्रमुख फ्रेंचाइजी-आधारित टी20 टूर्नामेंट्स में से एक है, स्टार स्पोर्ट्स 1 (अंग्रेजी और हिंदी), स्टार स्पोर्ट्स 2 (अंग्रेजी), और जियोहॉटस्टार पर प्रसारित हो रहा है। इस टूर्नामेंट में मुंबई के उभरते सितारों और अनुभवी खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन प्रशंसकों को रोमांचित कर रहा है।

आरसीबी की जीत के जश्न में हुए हादसे की आंच विराट तक पहुंची , पुलिस में शिकायत दर्ज

बेंगलुरु । यहां रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की जीत के जश्न के दौरान 11 लोगों की मौत के मामले में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) प्रबंधन के बाद अब टीम के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली के खिलाफ भी शिकायत दर्ज की गयी है। इस मामले को आपराधिक लापरवाही कहा जा रहा है क्योंकि आरसीबी की जीत का जश्न अचानक ही मनाया गया और उसके लिए जरुरी इंतजाम नहीं किये गये। पुलिस ने इस कार्यक्रम के लिए सुरक्षा देने में असमर्थता जतायी थी पर इसके बाद भी उसपर दबाव बनाया गया। 18 साल बाद टीम की जीत के बाद बेंगलुरु की सड़कों पर जश्न का माहौल था। अगले दिन जैसे ही पूरी टीम ट्रॉफी के साथ शहर लौटी, स्टेडियम और विधानसभा के पास हजारों की भीड़ जमा हो गई। लोगों की संख्या इतनी अधिक थी कि पुलिस नियंत्रण नहीं बना पायी। इस घटना के लिए कर्नाटक सरकार ने आरसीबी प्रबंधन, कर्नाटक क्रिकेट संघ (केएससीए) और इवेंट आयोजित करने वाली डीएनए कंपनी को जिम्मेदार ठहराया। इसके बाद पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है आरसीबी के मार्केटिंग और रेवेन्यू हेड निखिल सोसाले, उनके साथी सुमंत, डीएनए कंपनी के मैनेजर किरण और उनके सहयोगी मैथ्यू। इन चारों को कोर्ट में पेश कर 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है। वहीं बेंगलुरु के एक स्थानीय नागरिक वेंकटेश ने विराट के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। उनका आरोप है कि कोहली न केवल टीम का चेहरा हैं, बल्कि इस इवेंट के प्रमोशन से भी जुड़े थे, इसलिए उन पर भी जिम्मेदारी बनती है। शिकायत कब्बन पार्क पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई है।

भारत के खिलाफ दूसरे टेस्ट से वापसी कर सकते हैं आर्चर

लंदन । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर इसी माह 20 जून से भारतीय टीम के खिलाफ शुरु हो रही पांच टेस्ट मैचों की सीरीज से वापसी कर सकते हैं। अंगूठे में हुए फेक्चर के कारण टीम से बाहर चल रहे आर्चर को जल्द ही इससे उबरने की उम्मीद है। आर्चर ने अपना अंतिम टेस्ट चार साल पहले खेला था। इंग्लैंड के राष्ट्रीय चयनकर्ता ल्यूक राइट ने कहा है कि आर्चर दो से छह जुलाई तक एजबस्टन में होने वाले दूसरे टेस्ट से वापसी कर सकते हैं। आर्चर ने बार-बार चोटिल होने के कारण ही साल 2021 से प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेला। इसी कारण हेडिंग्ले में पहले टेस्ट के लिए उन्हें शामिल नहीं किया गया। हाल ही में आईपीएल के दौरान उनके अंगूठे में फेक्चर हो गया था जिससे वह उबरने का प्रयास कर रहे हैं। राइट ने कहा, 'आर्चर काफी अच्छी तरह से अपनी चोट से उबर रहे हैं पर उनके लिए अच्छा ये है कि वह कुछ प्रथम श्रेणी मैच खेलकर लय हासिल करें। ससेक्स की दूसरी टीम का हिस्सा बनें और डरहम के खिलाफ ससेक्स के लिए खेलें। सब कुछ ठीक रहा तो वह दूसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकेंगे।' अंगूठे की चोट के कारण ही वह 29 मई से तीन जून के बीच वेस्टइंडीज के खिलाफ हुई एकदिवसीय सीरीज से भी बाहर रहे थे। आर्चर और तेज गेंदबाज मार्क वुड के नहीं होने से टीम की गेंदबाजी कमजोर हुई है। वुड मार्च में लगी घुटने की चोट के बाद से ही खेल से दूर हैं।

विराट-रोहित का अनुभव होगा मिस, लेकिन भारत तैयार : रिकी पोंटिंग

मुंबई - ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने कहा कि टेस्ट क्रिकेट में रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज बल्लेबाजों की जगह लेना मुश्किल होगा, लेकिन भारत के पास युवा प्रतिभाओं की गहराई है, जो इस चुनौती को अन्य देशों से बेहतर ढंग से संभाल सकती है। 20 जून से लीड्स में शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की सीरीज, जो अगस्त 2025 तक चलेगी, प्रशंसकों और खिलाड़ियों के लिए एक भावनात्मक चुनौती होगी।

रोहित और विराट के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने के बाद, शुभमन गिल की अगुवाई वाली नई भारतीय टीम को इंग्लैंड की मुश्किल परिस्थितियों में खुद को साबित करना होगा। ध्रुव जुरेल, करुण नायर, अभिमन्यु ईस्वरन और साई सुदर्शन जैसे युवा और आईपीएल/घरेलू क्रिकेट के सितारों को मुख्य टीम में जगह मिली है। आईसीसी रिव्यू में पोंटिंग ने कहा कि इतने लंबे समय तक खेलने वाले खिलाड़ियों की जगह लेना हमेशा मुश्किल होता है। लेकिन अगर कोई देश इसे जल्दी कर सकता है, तो वह भारत है, क्योंकि उनके पास युवा प्रतिभाओं की भरमार है। उन्होंने कहा कि मैंने 10 साल तक आईपीएल में यह देखा है। यशस्वी जायसवाल जैसे खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आते ही शानदार प्रदर्शन कर रहे हैं। भारत स्किल को आसानी से बदल सकता है, लेकिन अनुभव की कमी होगी। शुभमन गिल जैसे युवा कप्तान के साथ, केएल राहुल और जसप्रीत बुमराह जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी हैं। पोंटिंग ने कहा कि पुनर्निर्माण के दौर में भारत अन्य टीमों से बेहतर सामना कर सकता है। रोहित ने पिछले महीने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा, और कुछ दिनों बाद विराट ने इंस्टाग्राम पर भावुक नोट के साथ संन्यास लिया।

सिनर ने जोकोविच को हराकर रोलांड-गैरोस फाइनल में प्रवेश किया

पेरिस (एजेंसी)। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जैनिक सिनर ने शुक्रवार रात को रोलैंड-गैरोस सेमीफाइनल में नोवाक जोकोविच को हराकर शानदार प्रदर्शन कर पहली बार फाइनल में प्रवेश किया, जिससे सर्बियाई खिलाड़ी जोकोविच की रिकॉर्ड 25वें ग्रैंड स्लैम खिताब जीतने की आशाओं पर विराम लग गया। सिनर ने जोकोविच को 6-4, 7-5, 7-6(3) से हराया। इस जीत के साथ, सिनर ने ग्रैंड स्लैम जीतने की अपनी लय को 20 मैचों तक और सेटों की संख्या को 29 तक पहुंचा दिया, जिससे वह यूएस ओपन और ऑस्ट्रेलियन ओपन में जीत के बाद लगातार तीसरे फाइनल में पहुंच गए। 23 वर्षीय इतालवी खिलाड़ी सिनर ऐसे पहले खिलाड़ी भी बने, जिसने रोलांड-गैरोस फाइनल में प्रवेश किया।

सिनर का अब रविवार को स्पेन के कार्लोस अल्काराज़ के खिलाफ़ एक रोमांचक खिताबी मुकाबला होगा, जो 2000 के दशक में जन्मे दो खिलाड़ियों के बीच यह पहला पुरुष ग्रैंड स्लैम फ़ाइनल होगा। मैच के शुरुआत से ही, सिनर ने आक्रामक बेसलाइन खेल के साथ नियंत्रण बनाए रखा और पहले सेट में ही जोकोविच की सर्विस तोड़कर 3-2 की बढ़त ले ली, जिससे यह 6-4 हो गया। जोकोविच ने बहादुरी से मुकाबला किया और विंटेज शॉटमेकिंग से दर्शकों को रोमांचित किया, जिसने कोर्ट फिलिप-चैटियर से तालियाँ बटोरीं।

हालांकि, जब दूसरे सेट में जोकोविच ने 5-5 से बराबरी की, तब भी सिनर ने लगातार दबाव बनाया और फोरहैंड ड्राइव वॉली और दूसरे सर्व ऐस के साथ गति को पुनः प्राप्त किया और सेट को 7-5 से अपने नाम किया। तीसरा सेट एक डॉगफाइट में बदल गया, जिसमें जोकोविच ने ब्रेक पॉइंट बचाए और 5-4 पर तीन सेट पॉइंट बनाए, लेकिन सिनर ने बिना किसी हिचकिचाहट के उन सभी को बचा लिया और निर्णायक टाईब्रेक में 7-3 से दबदबा बनाते हुए मैच को तीन घंटे से भी कम समय में समाप्त कर दिया।

मैच के बाद सिनर ने कहा कि वह जोकोविच को 'रोल मॉडल' के रूप में मानते हैं और इस अवसर की महानता को स्वीकार किया यह मेरे लिए एक विशेष अवसर था, जोकोविच के खिलाफ़ ग्रैंड स्लैम के सेमीफाइनल में। मुझे आगे बढ़ना था, मुझे अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस खेलना था। जोकोविच ने 2008 से 24 ग्रैंड स्लैम खिताब जीते हैं, जिनमें से तीन रोलांड-गैरोस में जीते हैं। इस जीत के साथ, सिनर फेडरर, नडाल, जोकोविच और मरे की कुलीन कंपनी में शामिल हो गए हैं और इस सदी में लगातार तीन ग्रैंड स्लैम फाइनल में पहुंचने वाले कुछ पुरुषों में से एक हैं। रविवार को पुरुषों का फाइनल सिनर और अल्काराज़ के बीच होगा, जिसमें इतालवी हाल की हार का बदला लेने और लगातार दूसरा प्रमुख खिताब हासिल करने के लिस प्रयासरत रहेगा।

फ्रेंच ओपन : कार्लोस अल्काराज फाइनल में, संबालेंका और गॉफ महिला वर्ग के फाइनल में

पेरिस। स्पेन के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज सेमीफाइनल मुकाबले में इटली के चोटिल लोरेंजो मुसेट्टी को हराकर अपना फ्रेंच ओपन पुरुष एकल के फाइनल में जगह बना ली है। वही महिला वर्ग का फाइनल वर्ल्ड नंबर-1 आर्यना, सबालेंका और अमेरिका की कोको गॉफ के मध्य खेला जाएगा। अल्काराज ने पहला सेट गंवा दिया था, लेकिन इसके बाद वह 4-6, 7-6 (3), 6-0, 2-0 से आगे चल रहे थे। इसी दौरान इटली के मुसेट्टी ने जांघ की चोट के कारण खेल छोड़ दिया। अल्काराज का रविवार को फाइनल में मुकाबला जैनिक सिनर और नोवाक जोकोविच के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल के विजेता से होगा। सबालेंका ने गुरुवार को खेले गए विमेंस सिंगल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में चार बार की चैंपियन इगा स्वियातेक को 7-6(1), 4-6, 6-0 हराया। छठे ग्रैंड स्लैम फाइनल में - सबालेंका पहली बार इस ग्रैंड स्लैम के खिताबी मुकाबले में पहुंची हैं। वहीं, उनका कुल छठा ग्रैंड स्लैम फाइनल है। फाइनल में सबालेंका का सामना वर्ल्ड नंबर-2 अमेरिका की कोको गॉफ से होगा। ये दोनों खिलाड़ी पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम फाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। इगा स्वियातेक पिछले तीन बार लगातार फ्रेंच ओपन चैंपियन रहीं। गॉफ ने बाइसन को हराया - कोको गॉफ ने फ्रेंच ओपन वाइल्ड कार्ड लोइस बॉइसन को 6-1, 6-2 से हराकर फाइनल में प्रवेश किया। गॉफ भी पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंची हैं। 21 साल की अमेरिकी खिलाड़ी वर ओपन (2023) के बाद से दूसरा ग्रैंड स्लैम फाइनल खेलेंगी। कोको पहली बार फाइनल में हैं। कोको गॉफ पहली बार फ्रेंच ओपन के फाइनल में पहुंची हैं। सबालेंका ने क्वार्टर फाइनल में झेंग को हराया था।

भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड टेस्ट क्रिकेट का अधिक बोझ उठा रहे : मार्नस लाबुशेन

लंदन । ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन का मानना है कि टेस्ट क्रिकेट वर्तमान में 'शानदार स्थिति' में है और वे उम्मीद करते हैं कि सभी देश 'महान खिलाड़ी' तैयार करते रहेंगे ताकि इस प्रारूप की 'अद्भुत' परंपरा को बनाए रखा जा सके। लाबुशेन ऑस्ट्रेलिया की विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ खिताब रक्षा के लिए तैयारी कर रहे हैं, जो बुधवार से लॉर्ड्स में शुरू होगा। 30 वर्षीय इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने डब्ल्यूटीसी को 'रोमांचक' बनाने वाले कारकों पर प्रकाश डाला और इसे एक 'शानदार' टूर्नामेंट बताया। उन्होंने कहा कि यह एक रोमांचक टूर्नामेंट है। हर टेस्ट मैच में कुछ दांव पर होता है, यह सभी देशों को खेल में लाता है, और कोई भी फाइनल में पहुंच सकता है। दो साल के चक्र के अंत में आप एक ट्रॉफी के लिए खेलते हैं। मुझे लगता है कि यह शानदार ढंग से काम कर रहा है। दो साल पहले, जब हमने भारत को हराया था, वह अनुभव अद्भुत था। एक खिलाड़ी के दृष्टिकोण से, खेल बहुत अच्छी स्थिति में है। लाबुशेन 2023 में द ओवल में भारत के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया की पहली डब्ल्यूटीसी जीत का हिस्सा थे, जहां ऑस्ट्रेलिया ने 209 रनों से शानदार जीत हासिल की थी। उन्होंने कहा कि जब भी टेस्ट क्रिकेट होता है, लोग इसे देखना चाहते हैं। भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड शायद टेस्ट क्रिकेट का बोझ थोड़ा अधिक उठा रहे हैं, लेकिन हम चाहते हैं कि सभी देश महान खिलाड़ी तैयार करें और टेस्ट क्रिकेट की इस अद्भुत परंपरा को बनाए रखें। लाबुशेन ने 2019 के एशेज में लॉर्ड्स में अपने करियर की शुरुआत की थी, जहां वे क्रिकेट के पहले कन्कशन सब्स्टिट्यूट बने। इसके बाद, दक्षिण अफ्रीका में जन्मे इस बल्लेबाज ने शानदार प्रदर्शन किया। 14 टेस्ट के बाद उनका औसत 63.43 रहा, और वे दिसंबर 2021 से छह महीने तक आईसीसी टेस्ट रैंकिंग में शीर्ष पर रहे। उन्होंने अपने क्लब के साथ रिश्ते पर कहा कि मुझे यहां दोस्तों के साथ खेलना पसंद है।

नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब पांच जुलाई को बेंगलुर में होगी

देश विदेश के कुल 12 खिलाड़ी होंगे शामिल होंगे

नई दिल्ली । नीरज चोपड़ा क्लासिक अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता अब पांच जुलाई को बेंगलुरु में आयोजित की जाएगा। आयोजकों ने कहा है कि श्री कांतीरवा स्टेडियम में आयोजित की जाने वाली इस प्रतियोगिता में 12 खिलाड़ी भाग लेंगे। इससे पहले ये प्रतियोगित 24 मई को होनी थी पर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने के कारण स्थागित कर दिया गया था। ये पहली बार है जब भारत में किसी अंतर्राष्ट्रीय भाला फेंक प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का आयोजन जेएसडब्ल्यू स्पोर्ट्स के सहयोग से किया जा रहा है और इसे भारतीय एथलेटिक्स महासंघ से भी मंजूरी मिली हुई है। इस टूर्नामेंट में देश विदेश के कुल 12 खिलाड़ी होंगे शामिल होंगे। इस टूर्नामेंट में नीरज चोपड़ा समेत पांच भारतीय सचिन यादव, किशोर जेना, रोहित यादव और साहिल सिलवाल शामिल होंगे। वहीं विदेश के सात सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में दो बार के विश्व चैंपियन ग्रेनेड के एंडरसन पीटर्स, जर्मनी के 2016 ओलंपिक स्वर्ग विजेता थॉमस रोहलर, कीनिया के 2015 के वर्ल्ड चैंपियन जूलियस येगो, अमेरिका के कर्टिस थॉम्पसन, जापान के एशियाई खेलों के कांस्य पदक विजेता जेनकी डीन, श्रीलंका के रुमेश पथिरेज और ब्राजील के लुईज मौरिसियो दा सिल्वा शामिल हैं। इस प्रतियोगिता के लिए टिकट की कीमत 199 रुपये से लेकर 9,999 रुपये तक होगी। इसके अलावा 15 व्यक्तियों के लिए पांच कॉर्पोरेट बॉक्स 44,999 रुपये में उपलब्ध हैं। वही थ्रोअर रनवे के पास एक विशेष स्टैंड की कीमत 9,999 रुपये है, जबकि रनवे के ठीक पीछे स्थित नॉर्थ अपर स्टैंड में एक और विशेष स्टैंड 2,999 रुपये में है।

नॉर्वे शतरंज : चीन के वे यी पर गुकेश की जीत , याद आई ओलंपियाड की जीत

मुंबई (एजेंसी)। स्टावेंगर , नॉर्वे (निकलेश जैन) भारत के विश्व शतरंज चैंम्पियन डी गुकेश नें नॉर्वे शतरंज के आखिरी राउंड के ठीक पहले नौवे राउंड में चीन के वे यी को मात देते हुए खुद को एक बार फिर खिताबी दौड़ में शामिल कर लिया है । गुकेश नें सफ़ेद मोहरो से खेलते हुए चीन के वे यी पर एक और यादगार जीत दर्ज की , गुकेश नें कुछ इसी अंदाज में पिछले साल शतरंज ओलंपियाड में वे यी के खिलाफ मुकाबला जीता था और देश का स्वर्ण पदक पक्का कर दिया था । इस मुक़ाबले में भी गुकेश नें एंडगेम में जाकर अपनी महारत साबित करते हुए जीत दर्ज की । इसी टूर्नामेंट की पिछली भिड़ंत में वे यी ने गुकेश को अमगिडोन में मात दी थी, लेकिन इस बार गुकेश ने पेत्रोफ डिफेंस के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और 40 चालों में जीत दर्ज की। इस जीत के साथ गुकेश अब 14.5 अंको के साथ कार्लसन के ठीक पीछे है और अगर 15 अंको पर खेल रहे कार्लसन अंतिम क्लासिकल मुकाबले में भारत के अर्जुन एरिगैसी को हराते हैं तो वह सीधे विजेता बन जाएंगे। लेकिन अगर ऐसा नहीं होता, और गुकेश या अन्य खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन करते हैं, तो समीकरण बदल सकते हैं। इस टूर्नामेंट का फिनाले बेहद रोमांचक होने वाला है क्योंकि दुनिया के शीर्ष 5 में से चार खिलाड़ी खिताब की दौड़ में हैं।

गुकेश ने वे यी को क्लासिकल में हराया

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने चीन के वे यी के खिलाफ क्लासिकल मुकाबले में शानदार जीत दर्ज की। पिछली भिड़ंत में वे यी ने गुकेश को अमगिडोन में मात दी थी, लेकिन इस बार गुकेश ने पेत्रोफ डिफेंस के खिलाफ शानदार खेल दिखाया और 40 चालों में जीत दर्ज की

कार्लसन ने क्लासिकल में हराया करूआना को

मैग्नस कार्लसन ने फाबियानो करूआना को क्लासिकल मुकाबले में मात दी। खेल लगभग बराबरी पर चल रहा था, लेकिन ब्लैक की एक गलती—एक अनावश्यक प्यादा लेने के चलते—कार्लसन को निर्णायक बढ़त दिला गई और उन्होंने जीत दर्ज की और यह जीत कार्लसन को 15 अंको के साथ शीर्ष अपर पहुंचाने के लिए काफी थी ।

वहीं अर्जुन एरिगैसी ने पहले मुकाबले में नाकामुरा को अमगिडोन में हराया था, लेकिन इस बार नाकामुरा ने बदला लेते हुए अमगिडोन में अर्जुन को पराजित कर 1.5 अंक हासिल किए।और वह अब 13 अंको के साथ तीसरे स्थान पर चल रहे है अंतिम राउंड में अर्जुन एरिगैसी बनाम मैग्नस कार्लसन, फाबियानो करूआना बनाम डी गुकेश और वे यी बनाम हिकारू नाकामुरा के मुक़ाबले होंगे।

महाराष्ट्र चुनाव पर राहुल गांधी ने फिर उठाए सवाल; कहा- भाजपा ने मैच फिक्सिंग की तरह धांधली की

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने एक बार फिर महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर सवाल उठाए हैं। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया है कि चुनाव में उसने मैच फिक्सिंग की तरह से धांधली की। एक अखबार में प्रकाशित लेख साझा करते हुए राहुल गांधी ने चुनाव को प्रभावित करने के पांच चरणों का जिक्र किया है।

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि चुनाव कैसे चुराया जाए? 2024 में महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव लोकतंत्र में धांधली करने का ब्लूप्रिंट था। मेरा लेख दिखाता है कि यह कैसे हुआ? अपने लेख के साथ पांच चरणों को उन्होंने साझा किया। राहुल गांधी ने लिखा कि पहला चरण - चुनाव आयोग की नियुक्ति के लिए पैनल में धांधली करना, दूसरा चरण- फर्जी मतदाताओं को मतदाता सूची में जोड़ना, तीसरा चरण- मतदान प्रतिशत को बढ़ाना, चौथा चरण - फर्जी मतदान को ठीक वहीं

लक्षित करें जहां भाजपा को जीतना है और पांचवां चरण सबूत छिपाना। राहुल गांधी ने कहा कि यह देखना मुश्किल नहीं है कि भाजपा महाराष्ट्र में इतनी हताश क्यों थी? लेकिन यह धांधली मैच फिक्सिंग की तरह है - जो पक्ष धोखा देता है वह खेल जीत सकता है, लेकिन संस्थानों को नुकसान पहुंचाता है। साथ ही परिणाम में जनता का विश्वास नष्ट करता है। सभी चिंतित भारतीयों को सबूत देखना चाहिए। खुद फैसला करें। जवाब मांगें। क्योंकि महाराष्ट्र की मैच फिक्सिंग अगली बार बिहार में होगी और फिर वहां जहां भाजपा हार रही होगी।

चुनाव आयोग पर लगाए थे आरोप

अप्रैल में राहुल गांधी ने अमेरिका के बोस्टन में एक कार्यक्रम के दौरान कहा था कि चुनाव आयोग अब निष्पक्ष नहीं रहा, वह समझौता कर चुका है। उन्होंने महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2023 के मतदान आंकड़ों का हवाला देते हुए आरोप लगाया था कि अंतिम दो घंटे में लाखों वोट पड़ना भौतिक रूप से असंभव है। राहुल ने दावा किया, 5:30 बजे तक आयोग ने एक आंकड़ा दिया और फिर 5:30 से 7:30 बजे तक 65 लाख और वोट पड़ गए। अगर एक वोटर को वोट देने में लगभग 3 मिनट लगते हैं, तो इतने कम समय में इतने वोट नहीं पड़ सकते। इसका मतलब ये होता कि आधी रात तक लाइनें लगी थीं, जो कि सच नहीं है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारत को दुनिया से शानदार प्रतिक्रिया मिली : सतनाम सिंह

नई दिल्ली। (ईएमएस)। सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य राज्यसभा सांसद सतनाम सिंह संधू ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर अभियान के दौरान भारत को दुनिया से शानदार प्रतिक्रिया मिली। सऊदी अरब, कुवैत, बहरीन और अल्जीरिया का दौरा करने वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का हिस्सा थे। राज्यसभा सांसद ने कहा कि एक महीने में भारत ने बहुत ही कम समय में बहुत सटीक जवाब दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वादा किया था कि जो कोई भी भारत पर हमला करेगा, हम उसका मुंहतोड़ जवाब देने को तैयार है। भारतीय सेना ने ठीक यही किया और पाकिस्तान में नौ आतंकी शिविरों को तबाह कर दिया। जवाबी कार्रवाई और जवाबी कार्रवाई हुई। उन्होंने कहा कि हम लोगों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इतना बड़ा अभियान पूरा किया। हमारी वैश्विक पहुंच पूरी हो गई है और हमारी टीमें वापस आ गई हैं। भारत को दुनिया से शानदार प्रतिक्रिया मिली है।

माओवादी गैर नहीं है गरीबों के लिए लड़ रहे है, उनकी जान लेने से बेहतर है बात करें: कांग्रेस

हैदराबाद (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दोहराया कि 31 मार्च, 2026 तक देश से नक्सलवाद का खात्मा हो जाएगा। हालांकि तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के अध्यक्ष बी. महेश कुमार गौड़ ने केंद्र सरकार से माओवादियों के साथ शांति वार्ता शुरू करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि माओवादी देश के अपने नागरिक हैं, जो गरीबों और सामाजिक अन्याय के खिलाफ लड़ रहे हैं। लेकिन जब माओवादी शांति वार्ता का अनुरोध करते हैं, तो हमें इस पर विचार करना चाहिए क्योंकि जीवन को बचाया जाना चाहिए। नक्सलवाद असमानता का प्रोडक्ट था - देश के एक प्रतिशत अमीरों के पास देश की लगभग 40 प्रतिशत संपत्ति है और दलितों के पास केवल 3 प्रतिशत संपत्ति है।

एक इंटरव्यू में तेलंगाना कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, जीवन का अधिकार एक मौलिक अधिकार है। जीवन के अधिकार पर अंकुश लगाने का अधिकार किसी को नहीं है। ऑपरेशन कगार के संबंध में क्या हो रहा है? कांग्रेस आतंकवाद का समर्थन नहीं करेगी, चाहे वह नक्सलियों की तरफ से हो या सरकार की तरफ से। कांग्रेस पार्टी का मूल सिद्धांत अहिंसा है। अब, मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि वह शांति वार्ता के लिए आगे बढ़े, क्योंकि जो भी व्यक्ति आत्मसमर्पण करने, अपने हथियार डालने और मुख्यधारा में शामिल होने के लिए तैयार है, उसे ऐसा करने का अवसर दिया जाना चाहिए। सरकार शांति वार्ता करने में क्यों हिचकिचा रही है? उन्होंने अपनी चिंता जाहिर करते हुए कहा, जंगलों के अंदर बहुत से नागरिक हैं, जंगलों के अंदर नागरिक आदिवासी हैं, माओवादियों को काबू करने के लिए हजारों सुरक्षाकर्मी तैनात हैं। क्या होगा अगर हम गोलीबारी या मुठभेड़ में नागरिकों को खो दें?

गौड़ ने केंद्र सरकार से अपील की है कि माओवादियों के खिलाफ चल रहे ऑपरेशन को तत्काल रोककर उनके साथ शांति वार्ता शुरू की जाए और सीजफायर की घोषणा की जाए। कांग्रेस शासित तेलंगाना के अध्यक्ष का कहना है कि सरकार को माओवादियों का सफाया करने के लिए कठोर कदम नहीं उठाने चाहिए, बल्कि उनसे कानूनी और संवैधानिक तरीकों से निपटना चाहिए।

बिहार में बीजेपी नहीं दे सकी सीएम चेहरा... इसका फायदा चिराग पासवान उठा रहे

बीजेपी के नेताओं का मानना, नीतिश का चेहरा वोट लाता है

पटना (एजेंसी)। बिहार की राजनीति में इन दिनों केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान की खूब चर्चा है। इसका सबसे बड़ा कारण है कि उन्होंने खुद इसका ऐलान किया है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में वे चुनाव लड़ने वाले है। इतना ही नहीं, उनकी पार्टी लोजपा (राम विलास) के कई नेता उन्हें विधानसभा चुनाव में उन्हें मुख्यमंत्री पद का चेहरा बता रहे है। इसके बाद से बिहार का सियासी गलियारा कयासों का बाजार गर्म है। बिहार की सत्तारूढ़ भाजपा और जेडीयू के चेहरे पर चिंता की लकीरें दिख रही हैं। भाजपा नेतृत्व की ओर से बार-बार कहा जा रहा है कि सीट शेयरिंग के बाद लोजपा के हिस्से में गई अपनी सीटों में से किसी पर चुनाव लड़ने के लिए चिराग स्वतंत्र हैं।

चिराग के सार्वजनिक बयान तब आए हैं, जब मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के विरोधी लगातार कह रहे हैं कि 2025 के विधानसभा के बाद वे मुख्यमंत्री नहीं बनने वाले है। इसके लिए उनके स्वास्थ्य का हवाला दिया जा रहा है। एक रिपोर्ट में कहा है कि भाजपा नेता ने माना हैं कि चिराग में अपनी पार्टी के पारंपरिक आधार से परे स्वीकार्यता वाले नेता बनने की क्षमता है। बिहार के एक वरिष्ठ भाजपा नेता और पूर्व सांसद ने कहा, वह सिर्फ 4 प्रतिशत वोट वाले पासवानों के नेता बनकर खुद को सीमित नहीं रखना चाहते हैं। उन्हें अपना जनाधार बढ़ना चाहते हैं, इसलिए अपने पत्ते खेल रहे हैं।

बिहार भाजपा नेताओं का एक बड़ा गुट ने मानता हैं कि केंद्रीय नेतृत्व बिहार जैसे महत्वपूर्ण राज्य में पार्टी के लिए चेहरा तैयार करने में विफल रहा और इस विफलता ने चिराग को मौका दे दिया। उन्होंने कहा, 'चिराग बार-बार यह कह रहे हैं कि वह बिहार जा सकते हैं और सामान्य सीट से चुनाव लड़ सकते हैं। यह दर्शाता है कि वे बिहार की राजनीति में अगले नीतीश बनना चाहते हैं। नीतीश कुमार करीब दो दशकों तक बिहार पर बिना बहुमत के बिना किसी पार्टी के 20 प्रतिशत से अधिक वोट शेयर के शासन किया है। उन्हें हर जगह से प्रोजेक्ट किया जाता है। भाजपा इन दिनों नेता नहीं, केवल कार्यकर्ता बनाती है।'

भाजपा के शीर्ष नेताओं ने कहा कि उनके पास सभी मौजूदा सहयोगियों को एक साथ रखने और नीतीश कुमार को चेहरा बनाकर आगे बढ़ने के अलावा कोई विकल्प नहीं है। नई दिल्ली में एक भाजपा नेता ने कहा, उनकी स्वास्थ्य स्थिति के बारे में रिपोर्ट अच्छी नहीं है, लेकिन उनका चेहरा वोट लाता है और उनकी विरासत महत्वपूर्ण है।

बाल-बाल बचे तेजस्वी यादव काफिले में घुसा ट्रक, 3 सुरक्षाकर्मी घायल

हाजीपुर। आरजेडी नेता और बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव के काफिले में शुक्रवार आधी रात के बाद हादसा हो गया। वैशाली जिले के एनएच 22 पर गोरौल के पास एक तेज रफ्तार ट्रक उनके काफिले में घुस गया। अनियंत्रित ट्रक की टक्कर से 3 सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। गनीमत रही कि राष्ट्रीय जनता दल (आरजेडी) के नेता तेजस्वी बाल-बाल बच गए। वे महज 5 फीट की दूरी पर खड़े हुए थे। हादसा रात 2 बजे हुआ। तेजस्वी मधेपुरा में कार्यक्रम कर पटना लौट रहे थे। तेजस्वी ने बताया कि यह हादसा ठीक उनके सामने हुआ। वहां जो सुरक्षाकर्मी खड़े थे, उनके पास गाड़ी आ गई। उन्होंने कहा कि वह महज 5 फीट की दूरी पर खड़े थे। अगर थोड़ा-सा भी अनियंत्रित होता तो हम लोगों को भी टक्कर लगती। हादसे के तुरंत बाद प्रशासन के लोगों को उन्होंने फोन किया। इसके बाद पुलिस ने ट्रक को जब्त कर लिया। स्कॉड के गाड़ी से घायलों को अस्पताल में भिजवाया। सड़क हादसे के बाद मौके पर अफरातफरी मच गई। घायलों को हाजीपुर स्थित सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। टक्कर मारकर भाग रहे ट्रक को पुलिस ने पकड़ लिया। सदर अस्पताल के बाहर मीडिया से बातचीत में तेजस्वी ने कहा कि वह शुक्रवार रात को मधेपुरा से कार्यक्रम लौट रहे थे। बीच में वे चाय पीने के लिए रुके थे। तभी एक ट्रक बेकाबू होकर आया और गाड़ियों को टक्कर मार दी।

संवैधानिक संस्थाओं से खुद को ऊपर समझता हैं गांधी परिवार: शहजाद पूनावाला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने गांधी परिवार पर निशाना साधा है। बीजेपी प्रवक्ता ने वीडियो जारी कर कहा कि सेना, सांसदों और संवैधानिक संस्थाओं का अपमान करना ही कांग्रेस पार्टी की पहचान बन चुकी है।

उन्होंने कहा कि जब यह परिवार (गांधी परिवार) चुनाव जीत जाता है, तब इस परिवार के लिए चुनाव आयोग सही हो जाता है। लेकिन, जब ये लोग हार जाते हैं, तब आयोग खराब हो जाता है। जब कोर्ट की ओर इनके पक्ष में फैसला आता है, तब न्यायपालिका सही है। तब कांग्रेस पार्टी को लोकतंत्र सुरक्षित दिखाता है। लेकिन, जब परिस्थिति इनके विपरीत होती है। तब ये लोग हलमावर हो जाएंगे। भाजपा नेता पूनावाला ने कहा कि ऐसा करके यह परिवार खुद को लोकतंत्र से ऊपर दिखाने की कोशिश करता है, गांधी परिवार की इसतरह की हरकतों को किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जा सकता है। मुझे लगता है कि शायद यह परिवार खुद को सभी संवैधानिक संस्थाओं से ऊपर ठहराने की कोशिश में लगा हुआ है। पूनावाला के अनुसार कांग्रेस को अपनी हार में ही गड़बड़ी दिखती है। उन्होंने कहा, जब कांग्रेस को हिमाचल प्रदेश में जीत मिली थी, कर्नाटक में जीत मिली, तब गांधी परिवार को चुनाव आयोग में कोई कमी नहीं दिखी, लेकिन जब राजनीतिक स्थिति बदली और इन्हें हरियाणा, महाराष्ट्र में हार का सामना करना पड़ा, तब इन लोगों को चुनाव आयोग में कमी दिखने लगी। आखिर इस तरह की राजनीतिक स्थिति को कैसे स्वीकार किया जा सकता है। यह इन लोगों का दोहरा पैमाना है। ऐसा करके यह लोकतंत्र की जड़ों को कमजोर करने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन ऐसा नहीं होने वाला है। उन्होंने कहा, कांग्रेस को सिर्फ माहौल बनाना है। इन लोगों को सिर्फ चुनाव आयोग पर सवाल उठाना है।

कांग्रेस की स्थिति ऐसी है कि आज जब परिवार चुनाव हारता है, तब लोकतंत्र खतरे में नजर आने लगता है और रही बात राहुल गांधी की, उन्हें मैं सिर्फ यही कहूंगा कि मेहरबानी करके हमें चुनाव आयोग पर ज्ञान दीजिए ही मत। जिन लोगों ने नवीन चावला जैसे लोगों को चुनाव आयोग की कमान सौंपी थी, उन्हें लोकतंत्र के बारे में बोलने का कोई नैतिक हक नहीं है।

राजस्थान में गुर्जर आंदोलन की फिर से आहट

आज महापंचायत में बनेगी आंदोलन की रणनीति

भरतपुर (एजेंसी)। राजस्थान में गुर्जर आंदोलन की फिर से आहट हो रही है। सरकारी नौकरियों में 5 प्रतिशत आरक्षण के पूरे लाभ सहित कई मांगों को लेकर 8 जून को भरतपुर के पीलूपुरा में महापंचायत का ऐलान किया गया है। महापंचायत की तैयारियों को लेकर शनिवार को गाजीपुर (दौसा) में मीटिंग होगी। इसमें गृह राज्यमंत्री जवाहर सिंह बेढ़म भी शामिल होंगे। मंत्री ने कहा कि मैं संघर्ष समिति और समाज के लोगों से बात करूंगा। यह बात टेबल पर होनी चाहिए। अगर कोई खामियां थीं तो उन्हें सरकार को बताना चाहिए था।

वहीं, गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति के अध्यक्ष विजय बैंसला ने कहा कि 17 साल के संघर्ष में उन्हें दो ही चीजें मिली हैं। बाकी सभी मांगें अधूरी हैं। महापंचायत को लेकर समाज एकजुट है।

मांगें नहीं मानी तो आंदोलन

गुर्जर आरक्षण संघर्ष समिति रविवार की महापंचायत को सफल बनाने की कोशिशों में जुटी है। नेता घर-घर जाकर गुर्जरों को निमंत्रण दे रहे हैं। वहीं, विजय बैंसला ने कहा कि अगर सरकार हमारी मांगों पर कोई गौर नहीं करती तो हमें आंदोलन की तरफ जाना होगा। गुर्जर समाज की कई ऐसी मांगें हैं, जो सरकार ने अभी तक पूरी नहीं की।

बंद कमरे में वार्ता नहीं होगी

विजय बैंसला ने कहा कि अबकी बार सरकार से वार्ता बंद कमरे में नहीं होगी। अबकी बार सरकार से वार्ता समाज के सामने होगी। समाज के सामने ही निर्णय लिया जाएगा। मैंने अपना रूट चार्ट दे दिया है। अगर सरकार को बात करनी है तो वह रूट चार्ट के हिसाब से आकर हमसे और समाज से बात करें।

सामना में छपी उद्धव और राज की तस्वीर, सुप्रिया सुले ने दी बधाई

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र की राजनीति में इन दिनों सबसे ज्यादा चर्चा उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे की हो रही है। वजह ये है कि शिवसेना के मुखपत्र सामना में एक पुरानी तस्वीर शिवसेना (यूबीटी) के मुखपत्र सामना के फ्रंट पेज पर छपी गई है। इसने राजनीतिक गलियारों में हलचल मचा दी है। यह तस्वीर तब समय में प्रकाशित हुई है, जब उद्धव ठाकरे ने महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के साथ गठबंधन को लेकर सकारात्मक संकेत दिए हैं।

वहीं राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) की नेता सुप्रिया सुले ने बड़ा बयान दिया है। सुले ने कहा कि मैं इस फैसले का स्वागत करती हूं। वे एक परिवार हैं और बालासाहेब की विशाल विरासत का हिस्सा हैं। अगर वे एक साथ मिलकर विरासत को आगे बढ़ाते हैं, तब यह हमारे लिए खुशी का पल होगा। आने वाले स्थानीय निकाय चुनावों को देखते हुए यह दोनों दलों के लिए रणनीतिक रूप से अहम माना जा रहा है। गठबंधन की रूपरेखा और शर्तों पर अभी कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के वरिष्ठ नेता संदीप देशपांडे ने राज ठाकरे और उद्धव ठाकरे के बीच गठबंधन की चर्चाओं पर कहा कि साल 2014 और 2017 में मनसे ने शिवसेना (उद्धव गुट) को गठबंधन का प्रस्ताव भेजा था, जिसमें वरिष्ठ नेता बाला नंदगांवकर स्वयं मातोश्री गए थे, लेकिन मुलाकात तक नहीं हो सकी। शिवसेना के कुछ नेता बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन असल में वे सिर्फ ट्रेडमिल पर दौड़ लगा रहे हैं, आगे नहीं बढ़ रहे। अगर वाकई गठबंधन करना है, तो खुले तौर पर बात करें, पहेली न बनाएं। बता दें कि शुक्रवार को उद्धव ठाकरे से मुंबई में एक प्रेस कॉन्?फ्रेंस के दौरान राज ठाकरे की पार्टी से गठबंधन को लेकर सवाल पूछा गया। इस पर उन्?होंने कहा कि महाराष्ट्र के दिल में जो होगा वही होगा। हमारे और हमारे शिवसैनिकों के दिल में कोई भ्रम नहीं है। उनके (मनसे) दिमाग में भी कोई भ्रम नहीं है। हम कोई संदेश नहीं देंगे, हम सीधे खबर देंगे। इस तस्वीर और उद्धव के बयान ने जहां शिवसेना (यूबीटी) और मनसे कार्यकर्ताओं में जोश भरा है, वहीं विरोधी दलों में भी खलबली मच गई है। अब सभी की निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि क्या ठाकरे बंधु वाकई एक बार फिर एक मंच पर नजर आएंगे। दोनों दलों के बीच गठबंधन की चर्चा लंबे समय से चल रही थी, लेकिन हाल के घटनाक्रम ने इसे और ठोस रूप दिया है। साल

2006 में शिवसेना से अलग होकर राज ठाकरे ने मनसे की स्थापना की थी, जिसके बाद दोनों भाइयों के बीच राजनीतिक और वैचारिक मतभेद गहरा गए थे। हालांकि, महाराष्ट्र की बदलती सियासी परिस्थितियों में दोनों दलों का एक साथ आना मराठी अस्मिता और क्षेत्रीय मुद्दों को मजबूती दे सकता है।

हाईवे पर हेलिकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

देहरादून (एजेंसी)। रुद्रप्रयाग जनपद के बडासू क्षेत्र में केदारनाथ के लिए जा रहा एक हेलिकॉप्टर तकनीकी खराबी के चलते अचानक सड़क पर लैंड हुआ। हेलिकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ धाम की ओर जा रहा था, लेकिन रास्ते में आपात स्थिति के कारण पायलट ने सूझबूझ दिखाते हुए हेलीकॉप्टर को बडासू के पास सुरक्षित सड़क पर उतारा। स्थानीय प्रशासन और पुलिस टीम तुरंत मौके पर पहुंच गई और यात्रियों को सुरक्षित स्थान पर भेजा गया। क्रिस्टल एविएशन कंपनी का हेली बताया जा रहा है। हेलिकॉप्टर ने बड़ासु हेलीपैड से केदारनाथ के लिए उड़ान भरी थी और टेकऑफ होते ही इमरजेंसी लैंडिंग सड़क पर करनी पड़ी। हेलिकॉप्टर में पांच यात्री, पायलट और सह पायलट सवार थे। सह पायलट को हल्की चोट की सूचना है।

गोल्डी बरार सहित पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने गुरुग्राम में दो क्लबों पर बम हमलों से संबंधित 2024 के मामले में नामित व्यक्तिगत आतंकवादी गोल्डी बरार सहित पांच आरोपियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। एनआईए ने कनाडा स्थित सतिंदरजीत सिंह उर्फ गोल्डी बरार, सचिन तालियान, अंकित, भाविश और अमेरिका स्थित रणदीप सिंह उर्फ रणदीप मलिक पर विभिन्न धाराओं के तहत आरोप लगाए हैं। बरार और मलिक को छोड़कर अन्य सभी को मामले में गिरफ्तार किया गया है। एनआईए ने आरोपियों को वेयरहाउस क्लब और ह्यूमन क्लब को बम से निशाना बनाने की साजिश में शामिल पाया था, जो कि बब्बर खालिस्तानी इंटरनेशनल (बीकेआई) की बड़ी साजिश का हिस्सा था, ताकि हिंसा फैलाकर हरियाणा और पड़ोसी क्षेत्रों में सांप्रदायिक विद्वेष फैलाया जा सके और शांति भंग की जा सके। एनआईए की जांच में बाद में पता चला कि बरार और उसके साथियों ने गहरी आतंकी साजिश रची थी। एनआईए के अनुसार, आतंकी सिंडिकेट देश की अखंडता, सुरक्षा (आर्थिक सुरक्षा सहित) और संप्रभुता को खतरे में डालने के लिए धन उगाही, आतंकी फंड जुटाने, विस्फोटक और हथियार और गोला-बारूद खरीदने और आम लोगों के बीच आतंक को बढ़ावा देने में सक्रिय रूप से शामिल है।

सांसद चतुर्वेदी ने बिलावल भुट्टो की उतारी नकल, मौहाल खुशनुमा हुआ

नई दिल्ली (एजेंसी)। शिवसेना (यूबीटी) सांसद प्रियंका चतुर्वेदी ने बेल्जियम में पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की नकल की, इससे हंसी का एक और दौर शुरू हो गया। जरदारी की आवाज की नकल करते हुए, प्रियंका ने दोहराया, कौन रात के अंधेर में हमला करते हैं? बुज़दिल रात के अंधेर में हमला करते हैं। चतुर्वेदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर के बाद जरदारी के भाषण के संदर्भ में, वह यह बताना चाहेंगी कि बुजदिल का क्या मतलब है। प्रियंका चतुर्वेदी ने कहा कि बुजदिल (कायर) का मतलब है, जो निर्वाचित सरकारों के खिलाफ तख्तापलट करते हैं, राजनीतिक नेताओं को जेल में डालते हैं और एक सेना के जनरल को सत्ता में लाने के लिए एक निर्वाचित प्रधानमंत्री की हत्या करते हैं। सांसद ने कहा कि सत्ता संभालने वाले उसी सेना के जनरल ने पाकिस्तान में कट्टरपंथ की शुरुआत की, संविधान को कमजोर कर जिन्ना के दृष्टिकोण को नष्ट कर दिया। उन्होंने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल का मजाक उड़ाकर कहा कि पाकिस्तान आज भी 70 साल भारत से पीछे चल रहा है। उन्होंने कहा कि एक प्रतिनिधिमंडल हमारे पीछे आ रहा है, और आप सभी जानते हैं कि वह कौन सा प्रतिनिधिमंडल है। वे हमारा पीछा कर रहे हैं और हमें जाने नहीं दे रहे हैं। हम लोगों ने उन्हें 1947 में छोड़ दिया था, लेकिन उन्होंने हमारा पीछा करना बंद नहीं किया है। चतुर्वेदी ने कहा, वे कुछ दिनों में आ जाएंगे।

मुजफ्फरपुर रेप कांड- ऐसी घटनाओं से सर शर्म से झुक जाता है, राज्य की बदनामी होती, खान सर ने दी प्रतिक्रिया

पटना (एजेंसी)। (ईएमएस)। बिहार के प्रसिद्ध शिक्षक खान सर इन दिनों अपनी शादी को लेकर सुर्खियों में है। वहीं खान सर ने मुजफ्फरपुर रेप कांड पर प्रतिक्रिया देकर कहा कि इस तरह की घटनाएं नहीं होनी चाहिए। ऐसी घटनाओं से सर शर्म से झुक जाता है, राज्य की बदनामी होती है। खान सर ने कहा कि यह एक बहुत ही क्रूर घटना थी। बिहार के राज्यपाल ने भी घटना पर दुख प्रकट किया है। कोई इंसान इतना असंवेदनशील कैसे हो सकता है कि कोई नौ साल की बच्ची के साथ बलात्कार करे और वह बच्ची रेंगती हुई बाहर आए। बिहार की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर खान सर ने कहा कि जिस तरह की घटना हमारे संज्ञान में आई है। इस पर अस्पतालों में एक प्रोटोकॉल होना चाहिए जिसके तहत इसतरह के गंभीर मामलों पर तुरंत संज्ञान होना चाहिए। पीएमएसीएच बिहार का सबसे बड़ा अस्पताल है। वहां अगर बेड पाने के लिए बच्ची को एंबुलेंस से इधर-उधर चक्कर लगाने पड़े, तब यह कहीं न कहीं बिहार की बदनामी है। खान सर ने वकीलों से भी अपील की है कि रेप-एसिड पीड़ितों के आरोपियों का केस न लड़ें।

सड़क पर हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग, सवार यात्री सुरक्षित

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड में शनिवार को एक बड़ा हादसा टल गया। यहां सड़क पर हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई। जिस समय में ये लैंडिंग हुई तब हेलीकॉप्टर में कुछ लोग सवार थे। हालांकि वे सभी सुरक्षित है और पायलट को मामूली चोटें आई हैं। बताया जा रहा हैं कि हेलीकॉप्टर श्रद्धालुओं को लेकर केदारनाथ जा रहा था। तभी हाईवे पर इसकी इमरजेंसी लैंडिंग हुई जिसमें श्रद्धालु बाल-बाल बच गए। सड़क पर इमरजेंसी लैंडिंग के बाद हेलीकॉप्टर का पिछला हिस्सा कार पर गिर गया इससे कार क्षतिग्रस्त हुई।

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाई पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित। **संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह** (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 9386895799, 9507466535, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**